www.hindmatamirror.com ●वर्ष: 12 ●अंक: 250 ●ठाणे, गुरुवार 11 जून, 2026 ●पेज: 8 ●मूल्य: 2 रुपए hindmatamirror1@gmail.com

RNI. NO. MAHHIN/2011/43060

दैनिक हिंदमाता मिरर

पैनी नजर, पुख्ता खबर

हार्दिक पांड्या अफगानिस्तान वनडे सीरीज से बाहर

पेज 8

मां बनने के बाद कमबैक की तैयारी में कैटरीना

8 पेज

सुप्रभात

कंजूस आदमी अगर खूब धनवान भी हो जाए तब भी अपनी जिल्लत से वह निर्धन की मार खाएगा। विद्या धर्म-रक्षा के लिए है न कि धन जमा करने के लिए। - **सादी**

मौसम का मिजाज

सूर्यास्त (11 जून) 7:16 बजे, सूर्योदय (12 जून) 6:01 बजे, **तापमान: 34 डिग्री से. (बादल छाए रहेंगे।)**

शॉर्ट स्टोरी

20,000 फर्जी जन्म प्रमाण पत्र होंगे रद्द!

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

मुंबई महानगरपालिका ने प्रशासनिक पारदर्शिता और सुरक्षा की दिशा में एक कड़ा निर्णय लिया है। मुंबई की मेयर रितु तावड़े ने आधिकारिक रूप से घोषणा की है कि महानगरपालिका शहर में सक्रिय बोगस यानी फर्जी जन्म प्रमाण पत्रों के एक बड़े नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करने जा रही है। मेयर के अनुसार, यह निर्णय मुंबई की सुरक्षा और नागरिक डेटा की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है। इस पूरे मामले का पर्दाफाश करने में भाजपा के वरिष्ठ नेता किरीट सोमैया की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। मेयर रितु तावड़े ने बताया कि किरीट सोमैया पिछले 4 से 6 महीनों से इस गंभीर विषय पर लगातार काम कर रहे थे।

मशाल छोड़कर धनुष-बाण थामेंगे 9 में से 7 सांसद?

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

महाराष्ट्र में शिवसेना में 2022 में हुई ऐतिहासिक बगावत के बाद, अब साल 2026 में एक बार फिर ऑपरेशन टाइगर के जरिए उद्धव ठाकरे को उनके राजनीतिक जीवन का सबसे करारा झटका देने की तैयारी चल रही है। दिल्ली में रविवार 7 जून को एकनाथ शिंदे ने खुद ठाकरे गुट के इन असंतुष्ट सांसदों के साथ एक बेहद गोपनीय बैठक की, जिसमें दल-बदल की सभी बारीकियों और कानूनी अड़चनों को दूर करने की पूरी योजना तैयार कर ली गई है। इस गुप्त बैठक के बाद दिल्ली से लेकर मुंबई तक का सियासी पारा अचानक बेहद गर्म हो गया है और ठाकरे गुट के भीतर अंतर्विरोध खुलकर सामने आने लगे हैं।

बीड नाव हादसे में एक महिला की मौत

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

बीड जिले के पुरुषोत्तमपुरी में गोदावरी नदी में 35 से अधिक तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक नाव पलट गई। इस हादसे में एक महिला की मौत हो गई है। वहीं अन्य घायल है। मृतक महिला की पहचान प्रमिला राठौड़ के रूप में हुई है। यह हादसा नाव में क्षमता से अधिक यात्री सवार होने के कारण हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, यात्रियों की संख्या ज्यादा होने के कारण नाव नदी के बीच में संतुलन खो बैठी और पलट गई। नाव पलटने की खबर फैलते ही स्थानीय समुदाय ने तुरंत कार्रवाई की। ग्रामीण और पुलिसकर्मी तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और बचाव अभियान में यात्रियों को पानी से बचाया गया।

20 जून को देशभर में होगा कॉकरोच आंदोलन

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने एक बार फिर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग दोहराई है। उन्होंने आरोप लगाया कि विभिन्न परीक्षाओं में बार-बार सामने आ रही गड़बड़ियों ने देशभर के लाखों छात्रों के भविष्य को प्रभावित किया है। पुणे में प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिपके ने कहा कि देश का युवा अब छात्रों से जुड़े मुद्दों पर चुप रहने को तैयार नहीं है। यदि 13 जून तक शिक्षा मंत्री इस्तीफा नहीं देते हैं तो राष्ट्रव्यापी आंदोलन शुरू किया जाएगा। उनका दावा है कि नीट, सीबीएसई और सीयूईटी जैसी परीक्षाओं से जुड़ी समस्याओं के कारण एक करोड़ से अधिक छात्र प्रभावित हुए हैं।

पीएम मोदी बोले- 12 सालों में देश कांग्रेस के कुचक्र से आजाद हुआ

नीयत, नीति और निर्णय...

● पीएम मोदी के 12 साल के कार्यकाल को दुनिया ने किया सलाम, वैश्विक नेताओं ने की तारीफ

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एनडीए कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए कहा कि मुझे इतने लंबे समय तक सेवा करने का सौभाग्य मिला। आज का दिन आप सभी ने मेरे लिए बहुत यादगार बना दिया है। मैं अभिभूत हूं, कृतज्ञ हूं। चरैवेति-चरैवेति के मंत्र का जाप करते हुए इस राजनीतिक यात्रा में अनेक उतार-चढ़ाव देखते हुए, एक दिन ये पड़ाव भी आएगा, मैंने कभी सोचा नहीं था। निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में निरंतर सबसे लंबी अवधि तक सेवा करने का अवसर, इसे मैं अपना परम सौभाग्य मानता हूं। आपने इस अवसर पर मुझे सम्मानित किया, इतना मान दिया, इसके लिए मैं आप सभी का बहुत-बहुत आभारी हूं।

जनता-जनार्दन का आभार व्यक्त करता हूं

प्रधानमंत्री ने कहा कि 2014 के पहले के कई दशक बहुत अस्थिरता और उथल-पुथल से भरे हुए थे। इसका देश को बहुत नुकसान भी उठाना पड़ा लेकिन अब देश की जनता एक स्थिर सरकार का काम भी देख रही है और उसकी निर्णायक क्षमताओं की प्रशंसक भी है। मैं आज देश की महान जनता को नमन करता हूं, जनता-जनार्दन का आभार व्यक्त करता हूं।

देश कांग्रेस के कुचक्र से आजाद हुआ

एनडीए नेताओं की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि एनडीए के 12 वर्षों की एक बड़ी सफलता ये भी है कि देश कांग्रेस के कुचक्र से आजाद हुआ है। कांग्रेस ने देश को लाचारगी, बेचारगी और हीन भावना के गर्त में गिरा दिया था। देश को यही एहसास कराया जाता था कि भारत में विकास धीरे-धीरे ही होता है, भारत में तेज विकास संभव ही नहीं है और बड़ी ही चतुराई से धीमी विकास को एक नाम दिया था, 'हिंदू ग्रोथ रेट' यानी कार्यशैली कांग्रेस की, दायित्व कांग्रेस का, विफलता कांग्रेस की लेकिन कलंक देश की बड़ी हिंदू आबादी के नाम लगाया गया जबकि असल में इस कुसंस्कृति का नाम होना चाहिए था कांग्रेस ग्रोथ रेट।

न सुशासन था, न नीति, न नीयत और ना निर्णय

इस कांग्रेस ग्रोथ रेट में न सुशासन था, न नीति, न नीयत और ना निर्णय। पहली बार अटल जी के नेतृत्व में ठऊ्ञ सरकार आई तब जाकर हमें एक झलक दिखी कि विकास में गति कैसे आती है लेकिन दुर्भाग्य से 2004 में देश फिर से अस्थिरता के बवंडर में और कांग्रेस के शिकंजे में फंस गया। विकास तो दूर की बात है, देश को कांग्रेस ने एक के बाद एक हजारों करोड़ों रुपए के घोटालों में घसीट दिया। देश का भाग्य फिर तब बदला जब 2014 में ठऊ्ञ की सरकार बनी। देश ने देखा कि जब नीयत, नीति और निर्णय तीनों एक साथ काम करते हैं तो विकास की गति कैसी होती है।

मोदी बने सबसे लंबे कार्यकाल वाले पीएम

पीएम मोदी ने बुधवार को एक बड़ा रेकॉर्ड अपने नाम कर लिया। वह भारत के सबसे लंबे समय तक लगातार सेवा करने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बन गए। उन्होंने इस मामले में जवाहरलाल नेहरू के 4,398 दिनों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। 10 जून 2026 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत के सबसे लंबे समय तक रहने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बन गए हैं। इससे उन्होंने पंडित जवाहरलाल नेहरू का 64 वर्ष पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 26 मई 2014 को पहली बार शपथ ली थी। 10 जून 2026 को उनका कुल कार्यकाल नेहरू से एक दिन अधिक हो गया है। यह आजाद भारत में लोकतांत्रिक रूप से चुने गए प्रधानमंत्री के रूप में सबसे लंबा निरंतर कार्यकाल है। इसी ऐतिहासिक उपलब्धि पर समारोह और जश्न का आयोजन हो रहा है।

देश में एक नई आशा का उदय हुआ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि साल 2014 में जब ठऊ्ञ की जीत हुई थी तब मैंने कहा था कि आज देश के सामान्य मानवी में एक नई आशा का उदय हुआ है। इस आशा का, इस उम्मीद का संरक्षण हम सभी का बहुत बड़ा दायित्व था। देश के लोगों ने कांग्रेस के विश्वासघात के बाद अपने भरोसा हमें सौंपा था। मुझे आज संतोष है, गर्व है कि ठऊ्ञ परिवार के तौर पर हमने देश के विश्वास को हमेशा और मजबूत किया है।

जनसेवा सबसे बड़ा धर्म...

इस खास मौके पर पीएम मोदी ने अपनी प्रतिक्रिया भी दी। उन्होंने कहा कि जनसेवा ही अच्छे शासन की सबसे बड़ी पहचान होती है और वही व्यक्ति लोगों का भरोसा जीतता है, जो विनम्रता, समर्पण और कर्तव्य भावना के साथ लगातार काम करता है।

एनडीए नेताओं ने दी बधाई

इस उपलब्धि के बाद एनडीए के कई नेताओं ने पीएम मोदी को बधाई दी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि पीएम मोदी के 12 साल के नेतृत्व में भारत ने अपनी पहचान को नई मजबूती दी है। उन्होंने सांस्कृतिक पुनर्जागरण और देश को पुरानी सोच से बाहर निकालने की बात भी कही, जबकि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पीएम मोदी को 'थकान न मानने वाला कर्मयोगी' बताया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी पीएम मोदी के नेतृत्व की तारीफ की। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने देश को सिर्फ योजनाएं नहीं दीं, बल्कि एक स्पष्ट लक्ष्य और आत्मविश्वास से भरा राष्ट्रीय विजन भी दिया है। योगी के मुताबिक यह सिर्फ उपलब्धियों को गिनने का मौका नहीं, बल्कि भारत में आए बड़े बदलाव को समझने का समय है।

विदेशों से भी मिली बधाई

मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने पीएम मोदी की वैश्विक नेतृत्व क्षमता की सराहना की। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने भी उन्हें बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि दशकों की जनसेवा और मजबूत नेतृत्व का बड़ा प्रमाण है। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने एक विशेष चिट्ठी भेजकर अपनी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने लिखा कि यह ऐतिहासिक मुकाम दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की जनता द्वारा पीएम मोदी के नेतृत्व पर बार-बार जताए गए अटूट भरोसे का प्रमाण है। पापुआ न्यू गिनी के प्रधानमंत्री जेम्स मारापे ने पीएम मोदी के लिए एक खास वीडियो संदेश जारी किया। उन्होंने नरेंद्र मोदी को दुनिया के लिए एक महान 'रोल मॉडल' तथा बेहतरीन लीडरशिप का सच्चा उदाहरण बताया।

नेहरू तो नेहरू हैं, उनकी तुलना पीएम मोदी से नहीं हो सकती: शरद पवार

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

एनसीपी (एसपी) के चीफ शरद पवार ने कहा है कि पीएम नरेंद्र मोदी और जवाहर लाल नेहरू की तुलना नहीं हो सकती है। यहां अपनी पार्टी के 27वें स्थापना दिवस पर बोलते हुए पवार ने कहा कि पीएम मोदी सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहने वाले नेता बन गए हैं और ऐसी छवि बनाई जा रही है कि उनके कद का कोई दूसरा नेता नहीं है। पवार ने कहा कि देश के निर्माण और आजादी की लड़ाई में नेहरू के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता और उनका सम्मान किया जाना चाहिए। वरिष्ठ एनसीपी (एसपी) ने कहा कि उनकी तुलना किसी और से नहीं की जा सकती। महात्मा गांधी के नेतृत्व में आजादी की लड़ाई के दौरान नेहरू ने कई साल जेल में बिताए।

नेहरू के त्याग को नहीं भूल सकते...

पीएम मोदी के देश के सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहने का जिक्र करते हुए पवार ने कहा कि यह अच्छी बात है। संसदीय लोकतंत्र में प्रधानमंत्री का पद संवैधानिक होता है और हमें उसका सम्मान करना चाहिए, लेकिन नेहरू तो नेहरू ही हैं और भारतीय उनके त्याग को नहीं भूल सकते। शरद पवार ने सबको याद दिलाया कि नेहरू ने आजादी के ठीक बाद के बेहद मुश्किल दौर में देश का नेतृत्व किया था, और ब्रिटिश शासन से भारत को आजाद कराने में उनकी अहम भूमिका की बराबरी नहीं की जा सकती।

सत्ता में बैठे लोग जनसमस्याओं से बेखबर

केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए शरद पवार ने कहा कि सत्ता में बैठे लोग किसानों, पढ़े-लिखे बेरोजगारों और महिलाओं के मुद्दों से बेखबर हैं। उन्होंने कहा कि देश कई समस्याओं से जूझ रहा है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि देश की विदेश नीति भी उम्मीद के मुताबिक नहीं है। पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पवार ने जोर दिया कि चाहे सत्ता में हों या विपक्ष में पार्टी का फर्ज जनता की सेवा करना है, खासकर ऐसे समय में जब देश बढ़ती महंगाई और महिलाओं के खिलाफ अपराधों से जूझ रहा है।

शरद पवार के बयान पर फडणवीस का पलटवार

● तुलना करके कोई नया विवाद खड़ा नहीं करना चाहता

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

मुंबई के वाई.बी. चव्हाण केंद्र में आयोजित एनसीपी के स्थापना दिवस कार्यक्रम में शरद पवार ने नेहरू के योगदान की सराहना करते हुए कहा था कि उन्होंने देश को अंग्रेजों के अत्याचार से मुक्त कराया था। इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि वास्तव में यह केवल नेहरू जी के देश के निर्वाचित प्रधानमंत्रियों में दर्ज रेकॉर्ड का एक हिस्सा है। फडणवीस ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि पंडित नेहरू का कार्यकाल जहां 4398 दिन का था, वहीं नरेंद्र मोदी अब 4399 दिन पूरे कर चुके हैं और आगे भी देश की सेवा करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि दोनों ही नेताओं ने अपने-अपने कार्यकाल में जो कार्य किए हैं, उसे देश भली-भांति जानता है। इसलिए वे किसी भी नेता से तुलना करके कोई नया विवाद खड़ा नहीं करना चाहते हैं। इसके साथ ही फडणवीस ने कांग्रेस के नेतृत्व में हुए सिखों के ऐतिहासिक उत्पीड़न का मुद्दा भी पुरजोर तरीके से उठाया।

सिखों पर हुए अत्याचार का जीवन भर विरोध करेगी भाजपा

मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने शरद पवार का पूरा भाषण नहीं सुना है, इसलिए केवल आधे सच के आधार पर प्रतिक्रिया देना सही नहीं होगा। उन्होंने कांग्रेस को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा कि जिस तरह से दिल्ली, पंजाब और पूरे भारत में कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व में सिखों का नरसंहार हुआ, वह एक कड़वी सच्चाई है। इस सच्चाई को देश का कोई भी नागरिक कभी नहीं भूल सकता है। फडणवीस ने कहा कि कांग्रेस द्वारा सिखों पर किए गए अत्याचार का वे और उनकी पार्टी विरोध करते रहेंगे।

ठाणे पुलिस का बड़ा ऑपरेशन: तीन किलो चरस जब्त

जम्मू-कश्मीर के दो तस्कर गिरफ्तार

इससे पहले 3 किलो 20 ग्राम चरस और 12 हजार 984 नशीले कैप्सूल जब्त किए गए थे

हिंदमाता नेटवर्क @ ठाणे

ठाणे एंटी-नारकोटिक्स स्क्वॉड ने चरस तस्करी के खिलाफ एक बड़े ऑपरेशन में, कलवा इलाके से गिरफ्तार एक तस्कर से पूछताछ के दौरान जम्मू-कश्मीर के दो और तस्करों को गिरफ्तार किया है। इससे पहले, इस ऑपरेशन में 3 किलो 20 ग्राम हशीश और 12 हजार 984 नशीले कैप्सूल जब्त किए गए थे। ठाणे एंटी-नारकोटिक्स स्क्वॉड के पुलिस कांस्टेबल अमोल देसाई को सूचना मिली थी कि कलवा पुलिस स्टेशन के तहत खारेगांव टोल प्लाजा इलाके में चरस की खेप बिकने के लिए आ रही है। इसके अनुसार, 8 मई, 2026 को जाल बिछाकर फिरोज अब्दुल खान (52, अंकलेश्वर, गुजरात) को गिरफ्तार किया गया। उसके पास से करीब 3 करोड़ 2 लाख रुपए कीमत की 3 किलो 20 ग्राम चरस और 12 हजार 984 नशीले कैप्सूल जब्त किए गए। इस बारे में कलवा पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया।

पुलिस टीम का उल्लेखनीय प्रदर्शन

चरस तस्करों की कमर तोड़नेवाले इस ऑपरेशन को सफल बनाने में ठाणे के सह पुलिस आयुक्त (क्राइम) डॉ. पंजाबराव उगले, पुलिस उपायुक्त (क्राइम) अमरसिंह जाधव, एसीपी विनय घोरपडे के विशेष मार्गदर्शन में ठाणे एंटी-नारकोटिक्स स्क्वॉड के सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर जनार्दन सोनवणे, सहायक पुलिस निरीक्षक सोमनाथ कर्णवर-पाटील, पुलिस उपनिरीक्षक दिपक डुम्मलवाड, उपनिरीक्षक राजेंद्र निकम, ग्रेंड उपनिरक्षक मोहन परब, हवलदार अमोल देसाई, संदीप चव्हाण, हरीष तावडे, अमोल पवार, नंदकिशोर सोनगिरे, हुसेन तडवी, अजय सपकाल, अमित सकपाल, अभिजीत मोरे, गिरीष पटेल, सिपाही आबाजी चव्हाण, अनुपम राक्षे, शिल्पा कसबे, कोमल लादे ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया।

12 जून तक पुलिस कस्टडी

जांच के दौरान, फिरोज खान ने कबूल किया कि वह जम्मू-कश्मीर से ठाणे में बेचने के लिए ड्रग लाया था। इसके बाद ठाणे एंटी-नारकोटिक्स स्क्वॉड सीधे कश्मीर गया और जांच शुरू की। इस ऑपरेशन में, मोहम्मद अशरफ गुलाम अहमद शेदा (42, शमशीपुरा, अनंतनाग जिला) को 19 मई को गिरफ्तार किया गया। साथ ही, उसके साथी शौकत अजीज मीर उर्फ जुबैर (देवर लोलाब, कुपवाड़ा जिला) को 6 जून, 2026 को कुपवाड़ा इलाके से गिरफ्तार किया गया। दोनों आरोपियों को लोकल कोर्ट में पेश किया गया और ट्रांजिट रिमांड पर ठाणे लाया गया। कोर्ट ने उन्हें 12 जून, 2026 तक पुलिस कस्टडी में भेज दिया है।

ठाणे में बिक रही थी कश्मीरी चरस

जांच में पता चला है कि गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपी जम्मू-कश्मीर से बड़ी मात्रा में चरस लाकर ठाणे में बेच रहे थे। वहीं मुख्य आरोपी फिरोज अब्दुल खान पर अहमदाबाद और जम्मू में ड्रग तस्करी के दो केस दर्ज हैं और उन दोनों केस में उसे दोषी ठहराया गया था। ठाणे एंटी-नारकोटिक्स स्क्वॉड के सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर जनार्दन सोनवणे ने बताया कि जांच में पता चला है कि दो सजा काटने के बावजूद, उसने फिर से चरस तस्करी शुरू कर दी है।

क्या खालिस्तान समर्थकों को रास नहीं आया महाजन का बयान?

सीएम और मेयर ऑफिस उड़ाने की धमकी

● आरएसएस मुख्यालय को उड़ाने की धमकी भी मिली

● खालिस्तान नाम से भेजे गए ईमेल, जांच एजेंसियां सतर्क

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

अभी कुछ दिन पहले ही बीजेपी नेता और मंत्री गिरीश महाजन ने ऑपरेशन ब्लू स्टार को 'काला दिन' बताया था और खालिस्तान समर्थकों को 'शहीद' कहा था। महाजन के बयान पर तूफान उठा। विपक्ष ने बड़बोले महाजन को आड़े हाथ लिया। एनसीपी नेता शरद पवार ने भी महाजन को फटकार लगाने के अंदाज में कहा कि कल वहां (पंजाब) गए मंत्री ने यह कहकर कि कांग्रेस और देश ने सिखों पर अन्याय किया, पूरे देश को गुमराह करने का काम किया। महाराष्ट्र बीजेपी के संकटमोचक महाजन अपनी बेलगाम जुबान के चलते खुद ही संकट में घिर गए। लेकिन अब धमकियों का एक ऐसा बवंडर आया है कि खुद खालिस्तान ने बीजेपी को धमकाया है! महाराष्ट्र में बुधवार को आरएसएस मुख्यालय, मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) और मुंबई-पुणे के मेयर कार्यालयों को बम से उड़ाने की धमकी वाले ईमेल मिले। ईमेल खालिस्तान नेशनल आर्मी बताने वाले ग्रुप की ओर से भेजे गए थे। इसके बाद कई इमारतें खाली कराई गईं और सुरक्षा एजेंसियों ने तलाशी अभियान चलाया। अधिकारियों के मुताबिक कहीं कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है।

नागपुर की मेयर नीता ठाकरे को मिला ईमेल

मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, नागपुर की मेयर नीता ठाकरे को एक ईमेल मिला। इसमें दावा किया गया था कि महाल स्थित आरएसएस मुख्यालय और रेशीमबाग के डॉ. हेडगेवार स्मृति भवन में विस्फोटक लगाया गया है। सूचना मिलते ही बम डिटेक्शन एंड डिस्पोजल स्क्वॉड (बीडीडीएस) को मौके पर भेजा गया। पूरे परिसर और आसपास के संवेदनशील इलाकों की जांच की गई। अधिकारियों ने बताया कि तलाशी में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला, लेकिन एहतियात के तौर पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

पुणे में नगर निगम की इमारत खाली कराई गई

पुणे में नगर निगम के मुख्य प्रशासनिक भवन और मेयर कार्यालय को धमाके की धमकी वाला ईमेल मिला। पुलिस और नगर निगम अधिकारियों के मुताबिक, ईमेल में पुणे नगर निगम के मेयर कार्यालय में दोपहर 1.11 बजे, विधान भवन में 3.11 बजे और नागपुर स्थित आरएसएस मुख्यालय में 3.11 बजे आईईडी विस्फोट की धमकी दी गई थी। हालांकि ये धमकी फर्जी निकली।

ईमेल में बदला लेने जैसी बातें

ईमेल में दावा किया गया कि आरएसएस ने 1984 के ऑपरेशन ब्लूस्टार और ऑपरेशन वुडरोज का समर्थन किया था। इसमें बदला लेने, बीजेपी और आरएसएस का अंत करने जैसी बातें भी लिखी गई थीं। इसके बाद पुणे नगर निगम परिसर में अगले आदेश तक आम लोगों की एंट्री पर रोक लगा दी गई। मुंबई और पुणे के नागरिक मुख्यालयों व मेयर कार्यालयों में भी सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

बीएमसी को कई ईमेल मिले

बीएमसी को भी कई ईमेल मिले। इनमें मुंबई के मेयर कार्यालय, मुख्यमंत्री कार्यालय, बीएसई भवन और नगर निगम दफ्तरों में विस्फोट की धमकी दी गई थी। अधिकारियों के मुताबिक, ईमेल में खालिस्तान का जिक्र किया गया था। सुरक्षा एजेंसियों ने ईमेल की जांच शुरू कर दी है। समान कंटेंट वाले ईमेल में दावा किया गया था कि मुंबई के मेयर कार्यालय में आईईडी से लैस कार से धमाका किया जाएगा। इसके अलावा बीएसई भवन, सीएमओ और बीएमसी कार्यालयों को भी अलग-अलग समय पर निशाना बनाने की धमकी दी गई थी।

हिंदमाता एंकर: प्रतिबंधित सिगरेट और गैर-कानूनी ई-वेप का काला बाजार न सिर्फ जनता की सेहत से खिलवाड़ कर रहा है, बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था की जड़ें भी खोखली कर रहा है

भारत में हर चौथी सिगरेट गैरकानूनी... सरकार को सालाना 23,000 करोड़ का नुकसान

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

देश में तेजी से पैर पसार रहा प्रतिबंधित सिगरेट और गैर-कानूनी ई-वेप का काला बाजार न सिर्फ जनता की सेहत से खिलवाड़ कर रहा है, बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था की जड़ें भी खोखली कर रहा है। वर्ल्ड एंटी-काउंटर फिटिंग डे के मौके पर सामने आए आंकड़ों ने की सच्चाई को उजागर कर दिया है। वर्ल्ड एंटी-काउंटर फिटिंग डे के अवसर पर, फिलिप मॉरिस इंटरनेशनल ने अवैध तंबाकू व्यापार के नेटवर्क को समाप्त करने के लिए सख्त प्रवर्तन और सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया।

हर साल लगभग 23,000 करोड़ रुपए का नुकसान

टोबैको इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के मुताबिक घरेलू बाजार में गैरकानूनी सिगरेट का हिस्सा लगभग एक चौथाई के बराबर है, जिससे हर साल लगभग 23,000 करोड़ रुपए का नुकसान होता है। तम्बाकू का गैरकानूनी व्यापार विश्व में एक बढ़ती हुई समस्या है। अवैध सिगरेट की क्रॉस-बॉर्डर स्मग्लिंग की वजह से सरकारों को राजस्व का भारी नुकसान होता है। यह समस्या अब केवल सिगरेट तक सीमित नहीं रही, बल्कि प्रतिबंधित एवं अनियमित ई-सिगरेट और वेप उत्पादों तक भी फैल चुकी है, जो अक्सर रैगुलेटरी जांच से बच निकलते हैं।

12.6 बिलियन डॉलर राजस्व का नुकसान

ई.यू-एसियान बिजनेस काउंसिल (ई.यू-एबीसी) और यूरोमॉनिटर इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार 6 देशों में पिछले दो सालों (2024-2025) में गैरकानूनी तंबाकू बाजार से लगभग 12.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर का राजस्व उत्पन्न हुआ। गैरकानूनी सिगरेट और अवैध ई-वेप की बिक्री पिछले साल क्रमशः 14 प्रतिशत और 24 प्रतिशत बढ़ी।

इंडोनेशिया, कंबोडिया में बनाए जाते हैं

गैरकानूनी तंबाकू प्रोडक्ट्स की मांग कम कीमतों और स्मगल किए गए प्रोडक्ट्स की बढ़ती उपलब्धता के कारण होती है। इन प्रोडक्ट्स की सप्लाई एसियान के व्यापक और आपस में जुड़े हुए व्यापारिक मार्गों से होती है, जहां आपूर्ति श्रृंखला पर नियंत्रण अपेक्षाकृत कमजोर है। स्मगल करके लाए गए ये प्रोडक्ट इंडोनेशिया, कंबोडिया जैसे क्षेत्रों में बनाए जाते हैं। चीन से इनकी अतिरिक्त सप्लाई होती है और मलेशिया, सिंगापुर एवं वियतनाम इसके मुख्य डिस्ट्रीब्यूशन केंद्र हैं।

ई-सिगरेट का बढ़ता मायाजाल

ब्रांड प्रोटेक्शन और सप्लाई चेन इंटेलिजेंस में विशेषज्ञ संगठन एपिरासोल की रिपोर्ट 'स्मगल्ड पफ्स: इल्लीगल ई-सिगरेट ट्रेड एक्रॉस बॉर्डर्स' अप्रैल, 2026 के अनुसार अवैध ई-सिगरेट व्यापार तेजी से बढ़ रहा है, जो तीव्र वृद्धि और जटिल रैगुलेशनों के कारण विश्व के निकोटीन बाजार को एक नया आकार दे रहा है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि साल 2024 में गैरकानूनी ई-सिगरेट बाजार का मूल्य 47 बिलियन अमेरिकी डॉलर था, जो वैश्विक व्यय के 70 प्रतिशत तथा कुल मात्रा के लगभग तीन-चौथाई के बराबर था, यानी 605 बिलियन सिगरेट के बराबर था।

भारतीय एजेंसियों का कड़ा प्रहार, करोड़ों के उत्पाद जब्त

हाल ही में डीआरआई ने पूरे देश में ऑपरेशन चलाकर लगभग 3 लाख प्रतिबंधित ई-सिगरेट और वेपिंग डिवाईस जब्त की गईं, जिनकी कीमत लगभग 120 करोड़ रुपए थी। साल 2026 में एजेंसियों द्वारा लगातार कार्रवाइयां करके अवैध सिगरेट जब्त की गईं, जिनमें कोलकाता में 29.3 लाख सिगरेट, गुवाहाटी में 6 लाख सिगरेट, कोयंबटूर में 3.48 लाख सिगरेट और चंडीगढ़ में 1.3 लाख सिगरेट और विदेशी सिगरेट के 95 बॉक्स शामिल हैं। इससे स्पष्ट होता है कि देश के विभिन्न क्षेत्रों में अवैध तंबाकू व्यापार का नेटवर्क व्यापक और लगातार सक्रिय है। भारत सरकार कानूनों को सख्ती से लागू कर रही है और स्मगल किए गए प्रोडक्ट्स को पहचानने के लिए रैगुलेटरी क्षमताओं को बढ़ा रही है।

नवजात के शव को मुंह में दबाकर घुमा रहा था कुत्ता

मुंब्रा में खौफनाक मंजर देख दहल उठे लोग

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे

ठाणे जिले से सटे मुंब्रा इलाके में मानवता को पूरी तरह शर्मसार कर देने वाली एक बेहद खौफनाक और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक नवजात शिशु का शव मिलने से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। इस घटना में सबसे ज्यादा हैरान और विचलित कर देने वाली बात यह रही कि एक लावारिस कुत्ता एक नवजात के शव को अपने मुंह में दबाकर सड़कों पर घूमता हुआ दिखाई दिया। इस खौफनाक और रोंगटे खड़े कर देने वाले मंजर को जिसने भी देखा, उसकी रूह कांप उठी। इस अमानवीय घटना के सामने आने के बाद से स्थानीय नागरिकों में भारी आक्रोश और शोक का माहौल बना हुआ है।

खौफनाक मंजर देख दहल उठे लोग

दिल को झकझोर देने वाला यह पूरा घटनाक्रम मुंब्रा बायपास मार्ग से सटी जास्मिन चॉल के पास शाम करीब साढ़े सात बजे के आसपास प्रकाश में आया। हमेशा की तरह इस व्यस्त चॉल के पास स्थानीय नागरिकों की आवाजाही जारी थी कि तभी अचानक लोगों की नजर एक आवारा कुत्ते पर पड़ी। वह कुत्ता किसी वस्तु को मुंह में दबाकर तेजी से सड़क पर दौड़ रहा था। जब चॉल के रहने वाले लोगों ने थोड़ा नजदीक जाकर ध्यान से देखा, तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। कुत्ते के मुंह में एक छोटे और बेजान नवजात शिशु का शव लटका हुआ था। इस खौफनाक दृश्य को देखते ही इलाके के नागरिकों में भारी अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई।

कुत्ते के चंगुल से छुड़ाया मासूम का शव

सड़क पर लावारिस कुत्ते को मासूम का शव नोचते और लेकर भागते देख जास्मिन चॉल के स्थानीय नागरिकों ने तुरंत साहस और सूझबूझ का परिचय दिया। कई लोगों ने मिलकर तुरंत उस कुत्ते का पीछा किया और उसे घेरकर किसी तरह उसके मुंह से उस नवजात के शव को सुरक्षित वापस छुड़ाया। इसके तुरंत बाद वहां मौजूद समाजसेवियों ने इस रोंगटे खड़े कर देने वाली वारदात की लिखित और मौखिक सूचना मुंब्रा पुलिस स्टेशन को दी। इस भयानक वाकये की खबर सुनते ही मुंब्रा पुलिस का एक विशेष दस्ता तुरंत घटना स्थल पर पहुंच गया।

मौत को लेकर इलाके में तरह-तरह की चर्चाएं

इस लावारिस शव के मिलने के बाद मुंब्रा और आसपास के रिहायशी इलाकों में तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं और कई तरह की चर्चाएं गर्म हैं। चॉल के कुछ प्रत्यक्षदर्शियों और नागरिकों का कहना है कि लोकलाज या किसी अन्य आपराधिक वजह से किसी अज्ञात व्यक्ति ने नवजात के शव को अंधेरे का फायदा उठाकर चॉल के पास फेंका होगा, जिसे बाद में कुत्तों ने अपना निवाला बनाने की कोशिश की। वहीं, पुलिस का एक धड़ा यह भी मानकर चल रहा है कि कुत्ता इस शव को मुंब्रा बायपास की पहाड़ियों या किसी अन्य दूरदराज के डंपिंग ग्राउंड वाले स्थान से उठाकर यहां तक लेकर आया होगा।

मुंब्रा पुलिस ने दर्ज किया मामला, पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए मुंब्रा पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए नवजात के शव का पंचनामा किया और उसे पूरी तरह अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस प्रशासन ने शव को शिनाख्त और मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए नजदीकी सरकारी अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही इस रहस्यमयी और दर्दनाक घटना का पूरा सच सामने आ सकेगा। पुलिस अब चॉल और बायपास रोड के आसपास लगे सभी सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है ताकि इस मासूम को फेंकने वाले निर्दयी दोषियों की पहचान की जा सके।

4.65 करोड़ का ठगी मामला

12 जून को अग्रिम जमानत पर फैसला

बहन और बहनोई की याचिका पर फैसला सुरक्षित

हिंदमाता संवाददाता @ कल्याण

बिजनेस प्लान के नाम पर 300 से अधिक लोगों से करीब 4 करोड़ 65 लाख रुपए की कथित ठगी के मामले में फरार मुख्य आरोपी रवी महाशेठ की बहन किरण और बहनोई अमरकांत दुबे द्वारा दायर अग्रिम जमानत याचिका पर कल्याण अदालत 12 जून को फैसला सुनाएगी। अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद निर्णय सुरक्षित रख लिया है।

300 से अधिक निवेशक प्रभावित

सरकारी पक्ष के अनुसार, कोरोना काल के दौरान बदलापुर निवासी रवी महाशेठ, उसकी पत्नी और अन्य पांच लोगों ने मिलकर समृद्धि मल्टीट्रेड प्रा. लि. नामक कंपनी बनाई थी। आरोप है कि कंपनी के माध्यम से सनी पगारे समेत 300 से अधिक लोगों को अधिक मुनाफे का लालच देकर निवेश कराया गया।

कंपनियां बदलकर किया गुमराह

जांच में सामने आया है कि आरोपियों ने एक के बाद एक कंपनियां बंद कर नई कंपनियां शुरू कीं और निवेशकों को गुमराह किया। जब निवेशकों ने अपनी रकम वापस मांगी तो रवी महाशेठ, उसकी पत्नी और अन्य आरोपी फरार हो गए। बताया जा रहा है कि रवी महाशेठ नेपाल के रास्ते दुबई भाग गया।

सरकारी पक्ष की दलील

सरकारी वकील संजय मोरे ने अदालत में कहा कि इस कथित धोखाधड़ी में किरण और अमरकांत दुबे की भी भूमिका हो सकती है। उनकी गिरफ्तारी से फरार मुख्य आरोपी तक पहुंचने और मामले की जांच में मदद मिल सकती है, इसलिए अग्रिम जमानत अर्जी खारिज की जानी चाहिए।

फैसले का इंतजार

वहीं बचाव पक्ष ने तर्क दिया कि दोनों आरोपी केवल रिश्तेदार हैं और उनका मामले से कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं है। जिला सत्र न्यायालय की न्यायाधीश-1 परवीन सैयद ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया है, जो 12 जून को सुनाया जाएगा।

सड़क पर थूकने से टोका तो ओला ड्राइवर ने बुजुर्ग को पीटा

• वीडियो देख भड़के एकनाथ शिंदे; शिवसेना कार्यकर्ताओं ने जमकर धुना

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे

ठाणे के जुपिटर हॉस्पिटल के बाहर एक बुजुर्ग व्यक्ति के साथ हुई मारपीट का मामला अब सीधे महाराष्ट्र सरकार के शीर्ष स्तर तक पहुंच गया है। इस सनसनीखेज घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने खुद मामले का संज्ञान लिया है। डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने ठाणे पुलिस कमिश्नर को फोन कर आरोपी ओला ड्राइवर के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। इतना ही नहीं, उन्होंने आरोपी पर बीएनएस की गंभीर धाराएं, जिनमें हत्या के प्रयास से संबंधित धारा 307 लगाने पर भी विचार करने को कहा है। बता दें कि जुपिटर हॉस्पिटल के बाहर एक ओला ड्राइवर द्वारा एक बुजुर्ग व्यक्ति के साथ बेरहमी से मारपीट किए जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ था। वीडियो सामने आने के बाद लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिला और आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग उठने लगी। हालांकि, इस मामले में सबसे बड़ी चुनौती यह है कि मारपीट का शिकार हुए बुजुर्ग व्यक्ति ने अभी तक किसी भी पुलिस थाने में आधिकारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई है। यही वजह है कि पुलिस को आरोपी के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई करने में तकनीकी अड़चनों का सामना करना पड़ रहा है।

पीड़ित बुजुर्ग की तलाश में जुटी पुलिस

मामले की गंभीरता को देखते हुए ठाणे पुलिस ने पीड़ित बुजुर्ग की तलाश के लिए चार विशेष टीमों का गठन किया है। पुलिस विभिन्न पुलिस स्टेशनों, अस्पतालों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के जरिए बुजुर्ग व्यक्ति का पता लगाने की कोशिश कर रही है। बुजुर्ग के साथ मारपीट का जो वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा, वह बीते मंगलवार शाम करीब 6 बजे का है। बताया जा रहा कि मामूली कहासुनी के बाद ओला ड्राइवर ने अपना आपा खो दिया और बुजुर्ग व्यक्ति पर बेरहमी से टूट पड़ा।

सड़क पर गिराकर बुजुर्ग को पीटा

आरोपी ने न केवल बुजुर्ग के साथ अभद्रता की, बल्कि उन्हें सड़क पर गिराकर मारपीट भी की। हैरानी की बात यह है कि आसपास मौजूद लोग यह पूरा घटनाक्रम देखते रहे और किसी ने इसका वीडियो अपने मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया। जैसे ही यह वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया, लोगों में भारी गुस्सा फैल गया। शहरभर में सवाल उठने लगे कि आखिर एक बुजुर्ग के साथ इतनी बेरहमी क्यों की गई?

आरोपी ओला ड्राइवर को पुलिस के हवाले किया

वायरल वीडियो में दिखाई दे रही दबंगई को लेकर लोगों ने आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी की मांग शुरू कर दी। इसी बीच यह वीडियो शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के पदाधिकारी सुमित बोराडे और शिवसेना (शिंदे गुट) के पदाधिकारी नितेश पाटोले तक पहुंचा। वीडियो देखने के बाद दोनों नेताओं ने अपने कार्यकर्ताओं के साथ आरोपी की तलाश शुरू कर दी। कई घंटों की खोजबीन के बाद आरोपी ओला चालक को ढूंढ निकाला गया। स्थानीय लोगों के अनुसार, आरोपी को पकड़ने के बाद उसे वर्तकनगर पुलिस के हवाले कर दिया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है। फिलहाल वर्तकनगर पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और वायरल वीडियो को महत्वपूर्ण सबूत के रूप में खंगाला जा रहा है।

ठाणे में 24 घंटे जलापूर्ति बंद

कई इलाकों में शुक्रवार से पानी की कटौती

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे

आनंदनगर से साकेत के बीच बन रहे उन्नत मार्ग (एलिवेटेड रोड) के निर्माण कार्य के चलते जलवाहिनी जोड़ने का काम किया जाएगा। इसके कारण ठाणे शहर के कई क्षेत्रों में शुक्रवार को 24 घंटे तक पानी की आपूर्ति पूरी तरह बंद रहेगी। इसके अलावा जलापूर्ति बहाल होने के बाद भी एक-दो दिन तक कम दबाव से पानी मिलने की संभावना है।

नई जलवाहिनी का कार्य

ठाणे महानगरपालिका क्षेत्र में एमएमआरडीए द्वारा आनंदनगर से साकेत तक उन्नत मार्ग का निर्माण किया जा रहा है। इस परियोजना के दौरान इंदिरानगर जलसंकुल तक जाने वाली 813 मिमी व्यास की पुरानी जलवाहिनी प्रभावित हो रही है। इसके विकल्प के रूप में 900 मिमी व्यास और 2,200 मीटर लंबी नई जलवाहिनी बिछाई जा रही है। अब तक लगभग 800 मीटर पाइपलाइन का कार्य पूरा हो चुका है।

24 घंटे बंद रहेगा पानी

महापालिका के अनुसार, नई जलवाहिनी को पुरानी लाइन से जोड़कर चालू करने के लिए विशेष कार्य किया जाएगा। इसके लिए शुक्रवार, 12 जून 2026 को सुबह 9 बजे से शनिवार, 13 जून 2026 को सुबह 9 बजे तक कुल 24 घंटे जलापूर्ति बंद रहेगी।

इन क्षेत्रों में रहेगी कटौती

इस अवधि में इंदिरानगर, साठेनगर, आंबेवाड़ी, डवलेनगर, सावरकरनगर, लोकमान्यनगर पाड़ा क्रमांक 2, 3 और 4, चैतीनगर, परेरानगर, झांजेनगर, श्रीनगर, किसननगर, शिवटेकड़ी, शांतिनगर, कैलासनगर, भटवाड़ी, वारलीपाड़ा, रूपादेवी पाड़ा, रामनगर, सी.पी. तालाब तथा येऊर क्षेत्र में जलापूर्ति पूरी तरह बंद रहेगी।

नागरिकों से सहयोग की अपील

महापालिका ने बताया है कि जलापूर्ति पुनः शुरू होने के बाद भी अगले एक-दो दिनों तक कम दबाव से पानी मिलने की संभावना है। ऐसे में नागरिकों से पानी का संयमित और आवश्यकतानुसार उपयोग करने की अपील की गई है, ताकि इस अवधि में किसी प्रकार की परेशानी से बचा जा सके।

नालासोपारा की कंपनी में हादसा

13 वर्षीय किशोर का हाथ मशीन में फंसा, चार उंगलियां कटीं

हिंदमाता संवाददाता @ वसई

नालासोपारा पूर्व के पेल्हार क्षेत्र स्थित एक कंपनी में बाल मजदूरी का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां काम कर रहे 13 वर्षीय बाल मजदूर का हाथ पैकिंग मशीन में फंस जाने से गंभीर हादसा हो गया। दुर्घटना में किशोर की चार उंगलियां कट गईं। मामले में पेल्हार पुलिस ने कंपनी के मालिक और प्रबंधक के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

मशीन में फंसा हाथ

पुलिस के अनुसार घायल किशोर का नाम अंश शिवपूजन भारती (13) है। वह पेल्हार स्थित 'एस.एच. होम' नामक कंपनी में काम कर रहा था। 2 जून 2026 को दोपहर करीब 2 बजे वह पैकिंग मशीन पर काम कर रहा था। इसी दौरान उसका हाथ अचानक चलती मशीन में फंस गया। मशीन के तेज दबाव के कारण उसके हाथ की चार उंगलियां बुरी तरह कुचल गईं और कट गईं। गंभीर रूप से घायल अंश का अस्पताल में उपचार जारी है।

बाल मजदूरी के आरोप

प्राथमिक जांच में सामने आया है कि कानूनन प्रतिबंधित होने के बावजूद कंपनी में नाबालिग बच्चे से काम कराया जा रहा था। आरोप है कि कंपनी प्रबंधन ने उसे अत्यंत जोखिमपूर्ण पैकिंग मशीन पर काम करने के लिए लगाया था, जिसके चलते यह हादसा हुआ।

मालिक और प्रबंधक पर केस

इस मामले में पुलिस हवलदार दीपक अंबादास शेळके की शिकायत पर कंपनी के मालिक और प्रबंधक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 125(बी), बाल श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम 1986 की धारा 14 तथा कारखाना अधिनियम 1948 की धारा 67 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है। वसई-विरार के पेल्हार, वालीव, नवघर और सातीवली औद्योगिक क्षेत्रों में कई छोटे कारखानों में छिपे तौर पर बाल मजदूरों से काम कराए जाने की शिकायतें समय-समय पर सामने आती रही हैं।

मोबाइल चोरी के दो मामलों का खुलासा, 22 लाख का माल बरामद

नागपुर में नशीले पदार्थों की तस्करी भी पकड़ी गई

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मध्य रेल की रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने मई 2026 के दौरान उत्कृष्ट जांच कौशल का प्रदर्शन करते हुए मोबाइल चोरी के दो बड़े मामलों का पदार्फाश किया। कार्रवाई में सात आरोपियों को गिरफ्तार कर 22 लाख रुपए से अधिक मूल्य के चोरी के मोबाइल फोन और नकदी बरामद की गई। इसके अलावा नशीले पदार्थों की तस्करी के एक मामले का भी खुलासा किया गया।

भुसावल में कार्रवाई

22 मई को कन्नूर पुलिस (केरल) से प्राप्त सूचना के आधार पर आरपीएफ भुसावल ने एनार्कुलम-हजरत निजामुद्दीन एक्सप्रेस में विशेष तलाशी अभियान चलाया। जांच के दौरान एक जनरल कोच से चार संदिग्धों को पकड़ा गया। उनके पास से 37 मोबाइल फोन और 25,235 रुपए नकद बरामद हुए, जिनकी कुल कीमत करीब 18.25 लाख रुपए बताई गई है। आरोपियों ने स्वीकार किया कि सामान केरल के कन्नूर स्थित एक मोबाइल दुकान से चोरी किया गया था।

मनमाड में तीन गिरफ्तार

एक अन्य मामले में 5 मई को मनमाड रेलवे स्टेशन पर गश्त के दौरान आरपीएफ जवानों ने तीन संदिग्धों को हिरासत में लिया। तलाशी में उनके पास से करीब 4.08 लाख रुपए मूल्य के 28 चोरी के मोबाइल फोन बरामद हुए। जांच में पता चला कि मोबाइल फोन कर्नाटक के कलबुरगी में आयोजित उर्स मेले से चोरी किए गए थे।

नशीली तस्करी का भंडाफोड़

'ऑपरेशन नारकोस' के तहत नागपुर रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ की क्राइम इंटेलिजेंस शाखा ने एक संदिग्ध व्यक्ति से लगभग 12.80 किलोग्राम गांजा जैसा नशीला पदार्थ जब्त किया। बरामद मादक पदार्थ की कीमत करीब 2.56 लाख रुपए आंकी गई है। आरपीएफ ने मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

दुकान के अंदर व्यक्ति की संदिग्ध मौत

दम घुटने से मौत की आशंका

हिंदमाता संवाददाता @ नालासोपारा

नालासोपारा पूर्व के विजय नगर क्षेत्र में एक दुकान के अंदर 45 वर्षीय व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस की प्रारंभिक जांच में दम घुटने से मौत होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। जानकारी के अनुसार, संतोष भवन स्थित साई प्रशांत अपार्टमेंट निवासी विवेक बाबूलाल विश्वकर्मा को 8 जून की रात सूचना मिली कि उनकी दुकान से तेज दुर्गंध आ रही है। इसके बाद उन्होंने अपने रिश्तेदार रितिक को दुकान की जांच के लिए भेजा। जब रितिक मौके पर पहुंचा तो दुकान बाहर से बंद थी, लेकिन अंदर से दुर्गंध आ रही थी। स्थिति को देखते हुए रितिक ने दुकान का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया। वहां बाबूलाल जोखईराम विश्वकर्मा (45) अचेत अवस्था में पड़े मिले। उन्हें तत्काल वसई-विरार महानगरपालिका के विजय नगर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। मृतक नालासोपारा पूर्व के संतोष भवन क्षेत्र के निवासी थे। घटना की सूचना मिलते ही तुलिंज पुलिस मौके पर पहुंची और आकस्मिक मृत्यु (एडी) का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार प्रथम दृष्टया दम घुटने से मौत की संभावना है, लेकिन अंतिम निष्कर्ष पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही सामने आएगा। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

शॉर्ट स्टोरी

लताताई शिंदे ने अस्पताल का किया निरीक्षण

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की पत्नी लताताई शिंदे ने उल्हासनगर महानगर पालिका के बहुविशेषज्ञ (मल्टीस्पेशलिटी) अस्पताल का दौरा कर वहां उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया। यह अस्पताल सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे के विशेष प्रयासों से आम नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण और निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्थापित किया गया है। दौरे के दौरान लताताई शिंदे ने अस्पताल के विभिन्न विभागों का निरीक्षण किया और स्वास्थ्य सुविधाओं, स्वच्छता व्यवस्था तथा मरीजों की देखभाल से संबंधित जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अस्पताल में उपलब्ध आधुनिक सुविधाओं और सुव्यवस्थित प्रबंधन की सराहना की। उन्होंने अस्पताल के प्रमुख डॉ. संजीत पॉल, नर्सिंग स्टाफ और अन्य कर्मचारियों के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि मरीजों की सेवा के प्रति उनका समर्पण सराहनीय है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवा समाज सेवा का एक महत्वपूर्ण माध्यम है और इस तरह के कार्यों से लोगों का विश्वास मजबूत होता है। इस अवसर पर शिवसेना गट नेता अरुण आशान, सरला आशान, सरपंच नीलिमा म्हात्रे, नगरसेवक पूजा भोइर, युवा सेना लोकसभा सचिव विक्की भुल्लर, विभागाध्यक्ष प्रमोद पांडे, अरुण तांबे, सामाजिक कार्यकर्ता नितिन सपकाले तथा म्हरल ग्राम अध्यक्ष नीलेश देशमुख सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। सभी ने अस्पताल द्वारा क्षेत्र के नागरिकों को दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं पर संतोष व्यक्त किया।

मोबाइल चोर गिरफ्तार

हिंदमाता संवाददाता @ नालासोपारा

नालासोपारा रेलवे स्टेशन पर मोबाइल चोरी के मामले का खुलासा करते हुए रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और सीपीडीएस टीम ने सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के पास से चोरी हुआ करीब 7 हजार रुपए मूल्य का मोबाइल फोन भी बरामद किया गया है। यह कार्रवाई आरपीएफ निरीक्षक लोकेश यादव के मार्गदर्शन में की गई। जानकारी के अनुसार, 1 जून 2026 को नालासोपारा रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म क्रमांक-2 पर एक यात्री का मोबाइल फोन चोरी हो गया था। मामले में जीआरपी बीएसआर ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 303(2) के तहत सीआर नंबर 246/2026 दर्ज कर जांच शुरू की थी। जांच के दौरान सीपीडीएस टीम ने स्टेशन परिसर और प्लेटफॉर्मों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का बारीकी से विश्लेषण किया। इसी क्रम में 9 जून को स्टेशन परिसर में एक संदिग्ध व्यक्ति की पहचान कर उसे हिरासत में लिया गया। पूछताछ में उसने अपना नाम जावेद मुर्तज शेख (32), निवासी मकवाना नगर, विरार पूर्व बताया। एसआईपीएफ सुभाषचंद यादव द्वारा की गई पूछताछ में आरोपी ने मोबाइल चोरी की वारदात कबूल कर ली। उसके कब्जे से चोरी हुआ मोबाइल फोन बरामद किया गया। इसके बाद आरोपी को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए जीआरपी वसई के हवाले कर दिया गया। आरपीएफ अधिकारियों ने बताया कि रेलवे परिसरों में सुरक्षा व्यवस्था लगातार मजबूत की जा रही है तथा यात्रियों से अपने कीमती सामान की सुरक्षा को लेकर सतर्क रहने की अपील की गई है।

ठेकेदार पर कार्रवाई की मांग

हिंदमाता संवाददाता @ कल्याण

कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका (केडीएमसी) की स्थायी समिति की बैठक में बुधवार को नालेसफाई का मुद्दा जोरदार ढंग से उठा। बैठक के दौरान यह जानकारी सामने आई कि लोकग्राम क्षेत्र में नालेसफाई का काम कर रहे ठेकेदार जितू आहूजा ने महापालिका के उप-अभियंता उमेश भट को कथित रूप से धमकी दी है। मामले को गंभीर मानते हुए भाजपा नगरसेवक दीपेश म्हात्रे और मंदार हळबे ने ठेकेदार के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने की मांग की। उप-अभियंता उमेश भट ने बताया कि नालेसफाई कार्य में लापरवाही को लेकर ठेकेदार को अब तक सात नोटिस जारी किए जा चुके हैं, लेकिन उसकी ओर से कोई जवाब नहीं दिया गया। सदस्यों ने कहा कि ईमानदारी से काम करने वाले अधिकारियों के साथ प्रशासन को मजबूती से खड़ा रहना चाहिए। बैठक में भाजपा सदस्य विकास म्हात्रे ने भी नालेसफाई की खराब स्थिति का मुद्दा उठाया। उन्होंने बताया कि उनके क्षेत्र में खुले नाले के कारण पिछले वर्ष एक बच्चे की मौत हो गई थी, लेकिन प्रशासन ने अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। सदस्यों ने नालों से निकाले गए गाद को सार्वजनिक स्थानों पर फेंकने पर भी आपत्ति जताते हुए संबंधित ठेकेदारों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की मांग की। वहीं कार्यकारी अभियंता प्रसाद सखदेव ने बताया कि नालेसफाई का काम जारी है, लेकिन नालों में कचरा फेंके जाने से समस्या बढ़ रही है। अब सभी की नजरें महापालिका प्रशासन की आगामी कार्रवाई पर टिकी हैं।

विधायक राजेश मोरे भी मोर्चे में शामिल

हिंदमाता संवाददाता @ कल्याण

कल्याण ग्रामीण क्षेत्र के लोढा हेवन इलाके में फेरीवालों और साप्ताहिक बाजार से हो रही परेशानी के विरोध में शिंदे सेना ने ई प्रभाग कार्यालय पर जोरदार मोर्चा निकाला। आरोप है कि इस मामले में ई प्रभाग के सहायक आयुक्त सचिन तामखेडे द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही थी। यह मोर्चा शिंदे सेना के नगरसेवक गजानन पाटील के नेतृत्व में निकाला गया, जिसमें शिंदे गुट के विधायक राजेश मोरे भी शामिल हुए। इस दौरान विधायक मोरे और नगरसेवक पाटील ने कहा कि महायुति की सत्ता होने के बावजूद स्थानीय नागरिकों को फेरीवालों से परेशानी झेलनी पड़ रही है, इसलिए यह आंदोलन करना पड़ा। करीब एक महीने पहले कल्याण के सांसद श्रीकांत शिंदे ने महापालिका में विकास कार्यों की समीक्षा बैठक के दौरान फेरीवालों को हटाने और साप्ताहिक बाजार बंद करने के निर्देश दिए थे। नगरसेवक पाटील की इस मांग को उचित मानते हुए तत्काल कार्रवाई के आदेश भी दिए गए थे। बावजूद इसके, लोढा हेवन क्षेत्र में न तो फेरीवालों को हटाया गया और न ही साप्ताहिक बाजार बंद किया गया। आरोप है कि सहायक आयुक्त तामखेडे प्रशासनिक निर्देशों को नजरअंदाज कर रहे हैं। सांसद और विधायक के आदेशों की अनदेखी करना गंभीर मामला है। नगरसेवक गजानन पाटील ने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं की गई, तो शिंदे सेना इससे भी उग्र आंदोलन करेगी। यह मोर्चा दोपहर में निकाला गया था। वहीं शाम के समय प्रशासन की ओर से जानकारी दी गई कि लोढा हेवन क्षेत्र में सहायक आयुक्त सचिन तामखेडे द्वारा कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

एफडीए का बड़ा एक्शन

गुटखा विक्रेताओं पर ताबड़तोड़ छापेमारी

हिंदमाता संवाददाता @ नालासोपारा

प्रतिबंधित तंबाकू उत्पादों की अवैध बिक्री के खिलाफ खाद्य एवं औषधि प्रशासन एफडीए ने अपना शिकंजा पूरी तरह कस दिया है। क्षेत्र में गुटखा और सुगंधित सुपारी बेचने वाली पान की दुकानों और अन्य ठिकानों पर एफडीए की टीमों ने छापेमारी शुरू कर दी है, जिससे अवैध गुटखा कारोबारियों में भारी हड़कंप मचा हुआ है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, वसई तालुका में मिल रही लगातार शिकायतों के बाद एफडीए ने कमर कस ली है। इस कार्रवाई को अंजाम देने के लिए विभाग तैनात की गई हैं। बुधवार को हुई इस बड़ी कार्रवाई के दौरान 4 से 5 दुकानों में भारी मात्रा में प्रतिबंधित गुटखा और नशीले पदार्थ बरामद किए गए। अधिकारियों ने तत्परता दिखाते हुए न सिर्फ माल जब्त किया, बल्कि नियमों की धज्जियां उड़ाने वाली दुकानों को मौके पर ही सील कर दिया। गुटखे की इस अवैध सप्लाई चेन को पूरी तरह से ध्वस्त करने के लिए एफडीए ने एक फुलप्रूफ प्लान तैयार किया है। अधिकारियों के अनुसार, महाराष्ट्र में गुटखे की तस्करी और आपूर्ति को रोकने के लिए विशेष निगरानी तंत्र सक्रिय कर दिया गया है। खासकर गुजरात से आने वाले वाहनों के जरिए होने वाली गुटखा तस्करी पर रोक लगाने के लिए प्रमुख टोल नाकों पर विशेष सतर्कता पथक तैनात किए गए हैं।

> प्रतिबंधित तंबाकू उत्पादों की बिक्री के खिलाफ हमारा यह अभियान थमने वाला नहीं है। कानून का उल्लंघन करने वाले और लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाले विक्रेताओं के खिलाफ आगे भी इसी तरह सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।
> **-गौरी जयसिंगपुरे एफडीए अधिकारी**

हिंदमाता एंकर: पॉश इलाके हीरानंदानी एस्टेट में रहने वाली मां स्नेहा शेलार ने सुनाई खौफनाक आपबीती

'जानलेवा केक', जन्मदिन पर बच्चा निगल गया मेटल की पिन

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे

ठाणे के पॉश इलाके हीरानंदानी एस्टेट में रहने वाली स्नेहा शेलार ने बीती 31 मई को अपने छोटे बेटे रेयांश के तीसरे जन्मदिन की पूर्व संध्या पर एक शानदार पार्टी का आयोजन किया था। बच्चे की पसंद को ध्यान में रखते हुए एक कस्टमाइज्ड चॉकलेट बॉलिंग एली केक ऑर्डर किया गया था। पार्टी बहुत अच्छी रही और सभी ने केक का लुत्फ उठाया, लेकिन असली मुसीबत अगले दिन शुरू हुई। घर के बड़े बच्चों को अचानक केक की बची हुई सजावट सामग्री के भीतर लोहे की नुकीली पिनें और बारीक तार दिखाई दीं। बच्चों द्वारा माता-पिता को सूचित करते ही पूरे घर में कोहराम मच गया, क्योंकि रेयांश पहले ही उस हिस्से की चॉकलेट खा चुका था। घबराया हुआ परिवार आनन-फानन में मासूम रेयांश को अगली सुबह नजदीकी डायग्नोस्टिक सेंटर लेकर भागा।

आंत में फंसी थीं दो मेटल पिन

अस्पताल में जब डॉक्टर ने रेयांश का एक्स-रे और पेट का स्कैन किया, तो जो रिपोर्ट सामने आई उसने पूरी फैमिली के होश उड़ा दिए। मेडिकल स्कैन की तस्वीरों में साफ नजर आ रहा था कि मासूम बच्चे की छोटी आंत के भीतर दो पैनी मेटल की पिनें फंसी हुई थीं। पीड़ित मां स्नेहा के अनुसार, ठाणे की संबंधित नामचीन बेकरी ने बिना किसी पूर्व चेतावनी या सूचना के, चॉकलेट बॉलिंग पिन को सीधा खड़ा रखने के लिए उसके अंदर लोहे की बारीक कड़क तारें डाल दी थीं। बेकरी वालों को पहले ही साफ निर्देश दिए गए थे कि यह केक छोटे बच्चों की पार्टी के लिए बनाया जा रहा है, फिर भी ऐसी लापरवाही बरती गई।

प्राकृतिक रूप से बाहर आई आफत

इसके बाद बच्चे को तुरंत ठाणे के विख्यात जुपिटर हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां बाल रोग विशेषज्ञों की एक टीम ने उसकी स्थिति का गहन मुआयना किया। डॉक्टरों ने स्थिति को भांपते हुए तुरंत कोई भी बड़ी मेजर सर्जरी न करने की महत्वपूर्ण सलाह दी, क्योंकि वे नुकीले तार पहले ही पेट को पार कर आंतों के काफी आगे तक का सफर तय कर चुके थे। डॉक्टरों ने माता-पिता को हौसला देते हुए दवाओं की मदद से इन पिनों के प्राकृतिक रूप से मल के जरिए बाहर निकलने का इंतजार करने को कहा। पूरे 48 घंटों की जानलेवा दहशत और निगरानी के बाद, दोनों तार बच्चे के शरीर को बिना आंतरिक नुकसान पहुंचाए प्राकृतिक रूप से बाहर आ गए, जिसके बाद डॉक्टरों ने उसे पूर्णतः सुरक्षित घोषित किया।

कंज्यूमर कोर्ट जाने की मिली सलाह

मासूम की जान सुरक्षित होने के बाद पीड़ित परिवार इस गंभीर आपराधिक कृत्य के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने के लिए कसरवडावली पुलिस स्टेशन पहुंचा। हालांकि, ठाणे पुलिस ने इसे अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर का बताते हुए परिवार को फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन के पास भेज दिया। विडंबना यह रही कि एफडीए के अधिकारियों ने भी अब बिना केक या दूषित चॉकलेट सैंपल के किसी भी प्रकार की आधिकारिक जांच शुरू करने से साफ हाथ खड़े कर दिए हैं। इस लचर व्यवस्था के बीच महाराष्ट्र ग्राहक परिषद के अध्यक्ष शिरीष देशपांडे ने परिवार का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि कंज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट, 2019 के कड़े प्रावधानों के तहत मैन्युफैक्चरर और सेलर पूरी तरह दोषी हैं। उन्होंने पीड़ित मां को बेकरी के खिलाफ मानसिक व शारीरिक क्षतिपूर्ति के लिए सीधे कंज्यूमर कोर्ट में बड़ा मुकदमा करने की सलाह दी है।

मुंबई में फिर बेस्ट बस का कहर, कांदिवली में राहगीरों को कुचला

•एक हफ्ते में दूसरी बड़ी घटना; युवती की हालत गंभीर, दादर हादसे के बाद उठे सुरक्षा पर सवाल

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

कांदिवली पश्चिम में तेज रफ्तार बेस्ट बस ने सड़क पार कर रहे दो राहगीरों को टक्कर मार दी। एक युवती गंभीर रूप से घायल है। एक सप्ताह में बेस्ट बस से जुड़ी दूसरी बड़ी दुर्घटना के बाद बस संचालन और सड़क सुरक्षा पर सवाल उठने लगे हैं।

पोइसर डिपो के पास हुआ हादसा

मुंबई के कांदिवली क्षेत्र में सोमवार सुबह एक तेज रफ्तार बेस्ट बस की टक्कर से दो राहगीर घायल हो गए। यह घटना पोइसर डिपो के पास हुई, जहां सड़क पार कर रहे दो लोगों को बस ने अपनी चपेट में ले लिया। बताया जा रहा है कि सुबह करीब 11 बजकर 40 मिनट पर गोराई डिपो की ओर से आ रही मार्ग क्रमांक ए-277/38 की विद्युत बस तेज गति से जा रही थी।

सड़क पार करते समय आए बस की चपेट में

जानकारी के अनुसार 24 वर्षीय आदर्श हीरालाल यादव और 24 वर्षीय सोनम मौर्य सड़क पार कर रहे थे। इसी दौरान बस ने दोनों को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत मदद की और घटना की सूचना पुलिस को दी।

युवती की हालत गंभीर

बस परिचालक ने तुरंत दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचाने में मदद की। घायलों को शताब्दी अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों के अनुसार सोनम मौर्य के सिर और पैर में गंभीर चोटें आई हैं। हालत गंभीर होने के कारण उन्हें गहन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू) में रखा गया है। वहीं आदर्श यादव को कंधे और आंख के पास चोटें आई हैं। उनका भी इलाज जारी है।

पूरी घटना कैमरे में कैद

घटना के पास लगे निगरानी कैमरे में हादसे की पूरी तस्वीर कैद हो गई है। पुलिस ने इसे अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि दुर्घटना के समय बस की गति कितनी थी और चालक से कोई चूक हुई या नहीं।

एक सप्ताह में दूसरी बड़ी घटना

बेस्ट बस से जुड़ी यह घटना ऐसे समय हुई है जब मुंबई में एक सप्ताह के भीतर दूसरी बड़ी दुर्घटना सामने आई है। इससे पहले दादर रेलवे स्टेशन के पास एक बेस्ट बस ने कई वाहनों को टक्कर मार दी थी। उस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी, जबकि कई लोग घायल हुए थे। दादर की घटना के बाद अब कांदिवली हादसे ने एक बार फिर शहर में सार्वजनिक बसों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

चालक प्रशिक्षण और निगरानी पर उठे सवाल

लगातार सामने आ रही बस दुर्घटनाओं के बाद नागरिकों का कहना है कि केवल हादसे के बाद कार्रवाई करना पर्याप्त नहीं है। जरूरत है कि बस चालकों के प्रशिक्षण, वाहन नियंत्रण, गति सीमा और सड़क पर निगरानी व्यवस्था को और मजबूत किया जाए। सार्वजनिक परिवहन लाखों मुंबईकरों की रोजमर्रा की जरूरत है, इसलिए इसमें सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए।

सड़क पर पैदल चलने वालों की सुरक्षा भी जरूरी

विशेषज्ञों के अनुसार सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए केवल वाहन चालकों पर निर्भर नहीं रहा जा सकता। पैदल यात्रियों के लिए सुरक्षित रास्ते, संकेत व्यवस्था और भीड़भाड़ वाले इलाकों में अतिरिक्त निगरानी भी जरूरी है।

प्रशासन के सामने बड़े सवाल

■ क्या बस चालकों की नियमित जांच और प्रशिक्षण हो रहा है? ■ भीड़भाड़ वाले इलाकों में गति नियंत्रण की व्यवस्था कितनी प्रभावी है? ■ लगातार दुर्घटनाओं के बाद जिम्मेदारी तय क्यों नहीं होती? ■ इन सवालों के जवाब मिलना जरूरी है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। कांदिवली में हुई बेस्ट बस दुर्घटना ने एक बार फिर मुंबई की सड़कों पर सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। एक सप्ताह में दूसरी बड़ी घटना सामने आने के बाद अब जरूरत है कि प्रशासन केवल जांच तक सीमित न रहे, बल्कि दुर्घटनाएं रोकने के लिए स्थायी कदम उठाए।

बंगाल में भी लागू किया जा रहा महाराष्ट्र वॉशिंग मशीन मॉडल

उद्धव ठाकरे गुट का बड़ा आरोप

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

पश्चिम बंगाल में जारी सियासी उठापटक को लेकर उद्धव ठाकरे गुट ने बीजेपी पर निशाना साधा है। साथ ही आरोप लगाया है कि पश्चिम बंगाल में भी महाराष्ट्र वाला 'वॉशिंग मशीन मॉडल' लागू कर दिया गया है। शिवसेना (यूबीटी) ने अपने मुखपत्र 'सामना' में संपादकीय के जरिए आरोप लगाया कि विधानसभा अध्यक्ष, चुनाव आयोग और यहां तक कि न्यायपालिका जैसी संवैधानिक संस्थाओं का उपयोग राजनीतिक दल-बदल को आसान बनाने के लिए किया जा रहा है।

पैटर्न वही किरदार बदले

संपादकीय में कहा गया, महाराष्ट्र जैसी स्थिति पश्चिम बंगाल में भी देखने को मिल रही है, जहां हाल ही के विधानसभा चुनावों के बाद तृणमूल कांग्रेस के एक बड़े हिस्से के विधायक बीजेपी के साथ जुड़ गए हैं। इसमें आरोप लगाया गया कि यह वही राजनीतिक पैटर्न है, बस किरदार बदल गए हैं।

बंगाल में लागू हो रहा महाराष्ट्र वॉशिंग मशीन मॉडल

संपादकीय में आगे कहा गया, "महाराष्ट्र का वॉशिंग मशीन मॉडल अब पश्चिम बंगाल में भी लागू कर दिया गया है, जहां टीएमसी के भ्रष्ट नेताओं को इसमें डाला जा रहा है। चुनाव प्रचार के दौरान बीजेपी नेताओं ने टीएमसी सरकार को भ्रष्ट और अवैध प्रवासियों का समर्थक बताया था, लेकिन चुनाव के बाद वही नेता बीजेपी में शामिल हो रहे हैं।

टीएमसी नेताओं को तोड़ने के लिए धमकी

उद्धव ठाकरे गुट ने कहा कि टीएमसी नेताओं को तोड़ने के लिए धमकी, धन और जांच एजेंसियों का इस्तेमाल किया जा रहा है। संपादकीय में यह भी कहा गया कि बीजेपी की राजनीति केवल सत्ता हासिल करने पर केंद्रित है और भ्रष्टाचार के आरोपियों के बीजेपी में शामिल होते ही उनके खिलाफ जांच धीमी पड़ जाती है।

ईमानदार नेतृत्व के लिए अवसर मिलेगा

पार्टी ने कहा कि अवसरवादी नेताओं के पार्टी छोड़ने से देश को नए और ईमानदार नेतृत्व के लिए अवसर मिलेगा। अंत में कहा गया कि देश एक बार फिर नए आत्मसम्मान और देशभक्ति की भावना के साथ आगे बढ़ेगा।

'हवा में बाण न चलाएं'

कांग्रेस उम्मीदवार के गायब होने और 20 करोड़ के आरोप पर सीएम फडणवीस का करारा पलटवार

हिंदमाता नेटवर्क @ अमरावती

महाराष्ट्र की राजनीति में जारी घमासान के बीच एक नया और सनसनीखेज मोड़ आ गया है। कांग्रेस की फायरब्रांड नेता यशोमती ठाकुर के तीखे आरोपों के पीछे की मुख्य वजह अमरावती से कांग्रेस के एमएलसी उम्मीदवार हर्षजीत देशमुख का रहस्यमय तरीके से गायब होना है। पिछले चार दिनों से अपने ही उम्मीदवार के नॉट रीचेबल होने से तिलमिलाई यशोमती ठाकुर ने महायुति सरकार पर भ्रष्टाचार और लोकतंत्र के हनन का मोर्चा खोल दिया है, जिसका मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी उसी आक्रामकता से जवाब दिया है।

क्या है विवाद की असल वजह?

इस पूरे राजनीतिक ड्रामे की शुरूआत तब हुई जब अमरावती विधान परिषद चुनाव के लिए कांग्रेस के आधिकारिक उम्मीदवार हर्षजीत देशमुख अचानक पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और पदाधिकारियों के संपर्क से बाहर हो गए। सूत्रों के अनुसार, देशमुख पिछले चार दिनों से किसी को नहीं मिल रहे हैं, जिससे कांग्रेस खेमे में हड़कंप मच गया है। कांग्रेस नेतृत्व का सीधा आरोप है कि यह कोई सामान्य गुमशुदगी नहीं है, बल्कि सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन ने चुनाव जीतने के लिए 'हॉर्स-ट्रेडिंग' का सहारा लिया है। यशोमती ठाकुर ने आरोप लगाया कि उनके उम्मीदवार को डरा-धमकाकर या लालच देकर मैनेज कर लिया गया है ताकि विपक्षी चुनौती को खत्म किया जा सके।

20 करोड़ के लेन-देन का सनसनीखेज आरोप

यशोमती ठाकुर ने मीडिया के सामने दावा किया कि अमरावती के इस चुनाव को प्रभावित करने के लिए 20 करोड़ रुपए की भारी-भरकम राशि का लेन-देन हुआ है। उनका कहना है कि विपक्षी उम्मीदवारों को चुनावी मैदान से हटाने के लिए करोड़ों के ऑफर दिए जा रहे हैं। हालांकि, इस बीच कुछ स्थानीय सूत्रों ने दावा किया है कि हर्षजीत देशमुख नागपुर के एक निजी अस्पताल के आईसीयू में भर्ती हैं। लेकिन कांग्रेस इसे विपक्ष की एक चाल बता रही है। पार्टी नेताओं का कहना है कि बीमारी महज एक बहाना है ताकि उम्मीदवार को पार्टी के प्रभाव से दूर रखा जा सके।

देवेंद्र फडणवीस का करारा पलटवार

इन आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए देवेंद्र फडणवीस ने यशोमती ठाकुर को अपनी पार्टी संभालने की सलाह दी है। फडणवीस ने कहा कि जो नेता अपने ही उम्मीदवारों को संभाल नहीं सकते, वे दूसरों पर आरोप लगाकर अपनी कमजोरी छिपा रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यशोमती ठाकुर को हवा में बाण नहीं चलाने चाहिए। यदि उनके पास 10 से 15 करोड़ के व्यवहार का कोई भी सबूत है, तो वे उसे पेश करें, सरकार तुरंत कड़ी कार्रवाई करेगी। फडणवीस के अनुसार, अमरावती में चुनाव प्रक्रिया सामान्य रूप से चल रही है और कांग्रेस के पास अपने उम्मीदवारों को एकजुट रखने की क्षमता नहीं है, इसलिए वे इस तरह की अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं।

भोंदूबाबा अशोक खरात विवाद में कूदीं रुपाली चाकणकर

आशा मिरगे पर किया क्रिमिनल केस

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

महाराष्ट्र की राजनीति और महिला अधिकारों के क्षेत्र में सक्रिय दो प्रमुख हस्तियों, एनसीपी अजित पवार गुट की नेता रुपाली चाकणकर और आशा मिरगे के बीच चल रहा विवाद अब कानूनी मोड़ ले चुका है। यह पूरा मामला नासिक के भोंदूबाबा अशोक खरात से जुड़ा हुआ है। कुछ समय पहले ही आशा मिरगे ने रुपाली चाकणकर पर आरोप लबाते हुए अशोक खरात और चाकणकर के संबंध में कई स्टेटमेंट दिये थे। जिसपर अब चाकणकर ने क्रिमिकनल केस कर दिया हैं।

विवाद की पृष्ठभूमि और आशा मिरगे के आरोप

महाराष्ट्र राज्य महिला आयोग की पूर्व अध्यक्षा आशा मिरगे ने रुपाली चाकणकर पर अत्यंत गंभीर और व्यक्तिगत आरोप लगाए थे। मिरगे का दावा था कि रुपाली चाकणकर कई महिलाओं को अशोक खरात के पास ले जाती थीं। उनका खरात के साथ आर्थिक लेन-देन और जमीन की पार्टनरशिप में संबंध है। महिला आयोग की अध्यक्ष रहते हुए उन्होंने महिलाओं की समस्याओं के बजाय मंत्रियों और अधिकारियों के साथ मेल-जोल को प्राथमिकता दी। आशा मिरगे ने चाकणकर के ड्रेसिंग सेंस और मेकअप पर भी टिप्पणी करते हुए कहा कि उनके ग्लैमर की वजह से अन्य महिलाओं को कॉम्प्लेक्स होता था।

रुपाली चाकणकर का पलटवार

रुपाली चाकणकर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर इन सभी आरोपों का कड़ा जवाब दिया है। चाकणकर ने स्पष्ट किया कि अशोक खरात के किसी भी आर्थिक व्यवहार या जमीन की पार्टनरशिप से उनका दूर-दूर तक कोई संबंध नहीं है। उन्होंने यह भी नकारा कि वे कभी किसी महिला को अशोक खरात के पास लेकर गई थीं। चाकणकर ने आरोप लगाया कि उन्हें बदनाम करने के लिए एआई का उपयोग करके फर्जी और अश्लील वीडियो बनाए गए। उन्होंने कहा कि उनके परिवार ने खरात को केवल एक आध्यात्मिक गुरु माना था और पाद्यपूजा का जो वीडियो दिखाया जा रहा है, वह काफी पुराना है, उस समय वे किसी पद पर नहीं थीं। जांच में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए चाकणकर ने महिला आयोग के अध्यक्ष पद और पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने आशा मिरगे को कुल तीन बार नोटिस भेजे, लेकिन मिरगे ने उन्हें स्वीकार नहीं किया और वे अनक्लेम्ड होकर वापस आ गए। इसके बाद उन्होंने माझगांव कोर्ट में फौजदारी शिकायत दर्ज कराई।

कोर्ट का आदेश और भावी कदम

न्यायालय ने इस मामले का संज्ञान लेते हुए आशा मिरगे को 2 जुलाई 2026 को सुबह 11 बजे कोर्ट में उपस्थित रहने का आदेश दिया है। चाकणकर ने कहा कि वे खुद भी उस दिन कोर्ट में मौजूद रहेंगी। इसके अलावा, रुपाली चाकणकर ने उन अन्य महिलाओं को भी दिल्ली हाई कोर्ट के माध्यम से नोटिस भेजे हैं, जिन्होंने बिना किसी सबूत के उन पर बेतुके आरोप लगाए थे।

चाकणकर की स्त्रीत्व के सम्मान की लड़ाई

रुपाली चाकणकर ने इस लड़ाई को स्त्रीत्व के सम्मान की लड़ाई करार दिया है। उन्होंने कहा कि यह महाराष्ट्र छत्रपति शिवाजी महाराज, जिजाऊ और सावित्रीबाई फुले के विचारों का है, जहां एक महिला के चरित्र पर कीचड़ उछालना विकृत मानसिकता का प्रतीक है। वे इस विकृति के खिलाफ अपनी कानूनी लड़ाई को अंतिम अंजाम तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

सफेद पट्टी पोतने वालों का मुंह काला कर देंगे

विवाद पर मैदान में उतरे राज ठाकरे के सैनिक

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुंबई के घाटकोपर में जैन भिक्षुओं के लिए खींची गई एक 'सफेद लाइन' ने अब एक बड़े राजनीतिक और सामाजिक विवाद का रूप ले लिया है। इस मामले में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने अत्यंत आक्रामक रुख अपनाते हुए स्थानीय प्रशासन और सत्ताधारियों पर तीखा प्रहार किया है। मनसे नेता संदीप देशपांडे ने इस मुद्दे को सीधे तौर पर मुंबई की अस्मिता और गुजराती प्रभाव से जोड़ते हुए विवाद को नई दिशा दे दी है।

मनसे की तीखी प्रतिक्रिया और प्राथमिक मुद्दा

मनसे के फायरब्रांड नेता संदीप देशपांडे ने इस घटना के संदर्भ में चेतावनी दी है कि जो लोग सफेद लाइन पेंट कर कल्चरल टेररिज्म फैलाने की कोशिश करेंगे, भविष्य में उनके चेहरे पर कालिख पोत दी जाएगी। मनसे का यह बयान उस व्यापक असंतोष को दशार्ता है, जहां पार्टी का मानना है कि मुंबई की साझा संस्कृति और सार्वजनिक स्थानों पर एक विशेष समुदाय की मान्यताओं को थोपा जा रहा है। संदीप देशपांडे की यह टिप्पणी इस मुद्दे को 'मराठी बनाम अन्य' के दृष्टिकोण से पेश करती है, जो मनसे की राजनीति का एक प्रमुख हिस्सा रहा है।

क्या है सफेद लाइन का पूरा विवाद?

यह पूरा विवाद पूर्वी मुंबई के घाटकोपर स्थित 'कैलास एवेन्यू' हाउसिंग सोसाइटी से शुरू हुआ। सोसाइटी के कॉमन एरिया में सड़क से लेकर बिल्डिंग की सीढ़ियों तक एक चौड़ी सफेद पट्टी पेंट की गई थी। यह पट्टी इसलिए बनाई गई थी ताकि जैन भिक्षु वर्षा ऋतु के दौरान भिक्षा लेने के लिए सोसाइटी के भीतर आ सकें। जैन भिक्षु अहिंसा के सिद्धांत का पालन करते हैं। मानसून के दौरान जमीन पर काई जम जाती है, जिसमें सूक्ष्म जीव होते हैं। भिक्षु उन सूक्ष्म जीवों पर पैर रखने से बचने के लिए काई वाली जगह पर नहीं चलते। इसलिए, उनके चलने के लिए एक साफ रास्ता बनाने के उद्देश्य से यह पट्टी खींची गई थी।

सोसाइटी में विरोध और विवाद की वजह

सोसाइटी के एक निवासी और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर प्रसाद वेदपाठक ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई। प्रसाद का तर्क है कि हाउसिंग सोसाइटी का परिसर सभी निवासियों का साझा स्थान है और इसमें किसी भी तरह के धार्मिक निशान लगाना गलत है। उन्होंने सवाल उठाया कि वे महाराष्ट्र के मूल निवासी हैं और उनके यहां 'गोंधल' जैसी धार्मिक प्रथाएं होती हैं, जिनमें पशु बलि की परंपरा रही है। उन्होंने पूछा कि क्या वे भी सोसाइटी परिसर के भीतर ऐसी प्रथाएं शुरू कर सकते हैं? प्रसाद के अनुसार, ऐसी गतिविधियां निवासियों के बीच विभाजन पैदा करती हैं और साझा आवासीय स्थान की तटस्थता को खत्म करती हैं। उन्होंने सोसाइटी कमेटी को औपचारिक पत्र लिखकर इन निशानों को तुरंत हटाने की मांग की है।

स्मृति ईरानी के समय कहां था चुनाव आयोग?

नटराजन के नामांकन रद्द होने पर भड़की चतुर्वेदी

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मध्य प्रदेश से कांग्रेस की राज्यसभा उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन पत्र खारिज होने के बाद देश का सियासी पारा पूरी तरह गरमा गया है। इस फैसले के खिलाफ विपक्ष ने आक्रामक रुख अपनाते हुए सीधे निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। शिवसेना की वरिष्ठ नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने इस कार्रवाई पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भारतीय जनता पार्टी की वरिष्ठ नेता स्मृति ईरानी के पुराने विवादों का जिक्र किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग का रवैया विपक्षी नेताओं के प्रति पक्षपातपूर्ण और भेदभाव से भरा हुआ है, जिससे चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठ रहे हैं। प्रियंका चतुर्वेदी के अनुसार, नटराजन को चुनाव आयोग के समक्ष अपना पक्ष रखने का एक भी मौका नहीं दिया गया।

स्मृति ईरानी के समय कहां था चुनाव आयोग?

प्रियंका चतुर्वेदी ने अपने पोस्ट में लिखा कि भाजपा की नेता स्मृति ईरानी अपने अलग-अलग लोकसभा हलफनामों में तीन भिन्न शैक्षणिक योग्यताएं बताकर चुनाव लड़ जाती हैं और चुनाव आयोग उनके खिलाफ आई सभी शिकायतों को ठंडे बस्ते में डाल देता है। लेकिन इसके विपरीत, कांग्रेस की मीनाक्षी नटराजन का राज्यसभा नामांकन बेहद मामूली आधार पर रद्द कर दिया जाता है।

मामूली शिकायत के आधार पर कार्रवाई, नहीं दर्ज थी कोई एफआईआर

चतुर्वेदी ने चुनाव आयोग की दोहरी नीति का आरोप लगाते हुए कहा कि जिस शिकायत के आधार पर मीनाक्षी नटराजन का पर्चा खारिज किया गया है, वह बेहद सामान्य थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि उस शिकायत को लेकर न तो कोई एफआईआर दर्ज थी और न ही कोई कानूनी सजा हुई थी। इसके बावजूद बिना किसी विस्तृत सुनवाई या स्पष्टीकरण का अवसर दिए रिटर्निंग ऑफिसर ने सीधे नामांकन को निरस्त करने का एकतरफा कदम उठा लिया। विपक्ष इस पूरी प्रक्रिया को दुर्भावना से प्रेरित मान रहा है और उसका कहना है कि यह स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के सिद्धांतों के खिलाफ है।

दिग्विजय सिंह बोले- एकजुट होकर लड़ेंगे

इस पूरे विवाद पर मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह की भी कड़ी प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि स्थानीय रिटर्निंग ऑफिसर ने जो फैसला लिया है, वह घोर असंवैधानिक और नियमों के परे है। दिग्विजय सिंह ने आरोप लगाया कि अधिकारी ने बहुत ही पक्षपातपूर्ण तरीके से काम करते हुए सत्तापक्ष के दबाव में यह निर्णय लिया है।

मुंबई सड़कों पर ट्रैफिक पुलिस का महा-अभियान

15 दिनों में हजारों पर एक्शन
डिलीवरी बॉयज पर सबसे ज्यादा शिकंजा

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मायानगरी की रफ्तार को सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाने के लिए, मुंबई ट्रैफिक पुलिस ने एक बड़े मिशन का आगाज किया है। जॉइंट पुलिस कमिश्नर सत्यनारायण चौधरी के नेतृत्व में चलाए गए, 15 दिवसीय विशेष अभियान ने यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के बीच हड़कंप मचा दिया है। इस मुहिम का मुख्य उद्देश्य सड़क सुरक्षा को पुख्ता करना, और मुंबई की सड़कों पर अनुशासन वापस लाना है। इस अभियान के तहत विशेष रूप से उन, डिलीवरी वाहनों और रॉन्ग साइड ड्राइविंग पर ध्यान केंद्रित किया गया है। जो सड़क दुर्घटनाओं का सबसे बड़ा कारण बनते हैं। इस कड़े अभियान के दौरान पुलिस ने सबसे ज्यादा शिकंजा डिलीवरी सर्विस से जुड़े वाहनों पर कसा। तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने वाले डिलीवरी चालकों के खिलाफ कुल 8,399 मामलों में दंडात्मक कार्रवाई की गई। इसके साथ ही, रात के समय अन्य चालकों की आंखों में चकाचौंध पैदा करने वाली, और दृश्यता को प्रभावित करने वाली अवैध एलईडी व फ्लैशर लाइट्स के खिलाफ भी मोर्चा खोला गया है। जिसमें 6,653 मामले दर्ज किए गए हैं। प्रशासन ने स्पष्ट संदेश दिया है कि सड़कों पर स्टंटबाजी या अवैध मॉडिफिकेशन को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सड़क सुरक्षा के आंकड़ों पर नजर डालें तो 4 जून, 2026 तक की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले 15 दिनों में ड्रंक एंड ड्राइव के 2,820 मामले सामने आए हैं। वहीं, जोखिम भरे तरीके से गलत दिशा (रॉन्ग साइड) में दोपहिया वाहन चलाने वाले 7,267 चालकों पर सख्त एक्शन लिया गया।

10 महीने में फिर से भारत आ गए बांग्लादेशी दंपति

लेकिन इस बार तैयार बैठी थी पुलिस

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुंबई पुलिस ने दादर इलाके से एक बांग्लादेशी दंपती को गिरफ्तार किया है, जिन्हें पिछले साल जुलाई में भारत से डिपोर्ट किया गया था। भोईवाडा पुलिस स्टेशन के आतंकवाद निरोधक दस्ते को सूचना मिली थी कि दादर के दादासाहेब फालके रोड क्षेत्र में बांग्लादेशी महिला और पुरुष आने वाले हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। जांच में उनकी पहचान 43 वर्षीय लिटन शोहिद मुल्ला और 37 वर्षीय पापी बेगम के रूप में हुई। दोनों ने स्वीकार किया कि वे बांग्लादेश के नोराईल जिले के निवासी हैं। पुलिस को उनके पास से बांग्लादेशी राष्ट्रीय पहचान पत्र भी बरामद हुए। पूछताछ में पता चला कि डिपोर्ट किए जाने के करीब 10 महीने बाद वे दोबारा अवैध रूप से भारत में दाखिल हुए और पिछले पांच महीनों से नवी मुंबई के कोपरखैरणे इलाके में छिपकर रह रहे थे।

हिंदमाता एंकर: एआई और 2500 कैमरों से होगी निगरानी, जलभराव से निपटने के पुख्ता इंतजाम

मुंबई मेट्रो की हाईटेक मानसून तैयारी, हाईटेक निगरानी व्यवस्था

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुंबई में मानसून के दौरान मेट्रो सेवाओं को सुरक्षित, सुचारु और निर्बाध बनाए रखने के लिए महा मुंबई मेट्रो ने तकनीक और एआई आधारित व्यापक तैयारी पूरी कर ली है। इसकी मदद से महामुंबई मेट्रो मानसून से मुकाबला करेगी। बताया गया है कि मेट्रो लाइन 2ए, 2बी, 7 और 9 के 39 स्टेशनों पर 2,496 सीसीटीवी कैमरों का हाईटेक निगरानी नेटवर्क, जलभराव रोकने के लिए 30 आपातकालीन पंप, मजबूत ड्रेनेज सिस्टम, 1,070 इंसुलेटरों की जांच, 24 घंटे सक्रिय आपदा नियंत्रण कक्ष और एआई आधारित पैंटोग्राफ मॉनिटरिंग सिस्टम को मानसून के मद्देनजर सक्रिय किया गया है।

सुरक्षा को प्राथमिकता

इतना ही नहीं एआई वीडियो एनालिटिक्स के जरिए चौबीसों घंटे निगरानी रखी जाएगी। मेट्रो लाइन 2बी और 9 के परिचालन शुरू होने के बाद इस वर्ष का यह पहला मानसून है। ऐसे में एमएमआरडीए ने यात्री सुरक्षा, जलभराव की रोकथाम, आपातकालीन प्रतिक्रिया और परिचालन निरंतरता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए विशेष तैयारियां की हैं। मेट्रो स्टेशनों, डिपो, वायाडक्ट और अन्य महत्वपूर्ण अवसंरचनाओं का व्यापक निरीक्षण और रखरखाव किया गया है। मानसून एक्शन प्लान के तहत संचालित सभी 39 मेट्रो स्टेशनों पर 64 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इस तरह कुल 2,496 कैमरों के जरिए स्टेशन परिसर, प्लेटफॉर्म, कॉन्कोर्स और परिचालन क्षेत्रों की चौबीसों घंटे निगरानी की जाएगी। वहीं जलभराव की आशंका वाले संवेदनशील स्थानों पर 30 आपातकालीन पंप लगाए गए हैं। वर्षा जल निकासी नालों की सफाई, गाद और झाड़ियों को हटाने के साथ ही वायाडक्ट की विशेष सफाई का कार्य भी पूरा कर लिया गया है, ताकि बारिश के दौरान जल निकासी बाधित न हो।

तकनीकी जांच पूरी

मुंबई मेट्रो नेटवर्क पर 1,070 इंसुलेटरों की निवारक जांच और रखरखाव के साथ 25 केवी केबल, पैंटोग्राफ, ट्रांसफॉर्मर व लाइटनिंग अरेस्टर की तकनीकी जांच भी पूरी कर ली गई है। ट्रैक्शन सब-स्टेशनों को बाढ़ से सुरक्षित रखने के लिए अतिरिक्त उपाय किए गए हैं। इसके अलावा 14 रणनीतिक स्टेशनों पर हवा की गति मापने के लिए एनीमोमीटर प्रणाली स्थापित की गई है, जिससे मौसम की स्थिति पर रियल-टाइम निगरानी रखी जा सके। संभावित जोखिम बिंदुओं की पूरी कर ली गई जांच।

आपात तैयारी मजबूत

स्टेशनों पर छत से रिसाव, प्लेटफार्म ड्रेनेज और अन्य संभावित जोखिम बिंदुओं की जांच कर आवश्यक सुधारात्मक कार्य पूरे किए गए हैं। आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए मुख्य लाइन पर तीन और डिपो में दो स्टैंडबाय मेट्रो ट्रेनें तैयार रखी गई हैं। बिजली आपूर्ति बाधित होने अथवा अत्यधिक खराब मौसम की स्थिति में सेवा व्यवधान को कम करने के लिए बैकअप सिस्टम भी उपलब्ध रहेंगे। यात्रियों तक समय पर सूचना पहुंचाने के लिए डिजिटल डिस्प्ले बोर्ड, स्टेशन घोषणाओं और मोबाइल एप्लिकेशन को मानसून एसओपी के अनुरूप अपडेट किया गया है। वहीं 25 मई से 15 अक्टूबर तक सातों दिन 24 घंटे आपदा नियंत्रण कक्ष सक्रिय रहेगा, जो मुंबई मनपा, पुलिस और अन्य सरकारी एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित कर आपात स्थितियों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करेगा।

एआई तकनीक का इस्तेमाल

एमएमआरडीए ने पहली बार एआई आधारित उन्नत तकनीकों का व्यापक उपयोग भी शुरू किया है। मेट्रो लाइन 2ए और 7 पर लागू ऑटोमेटेड पैंटोग्राफ कंडीशन मॉनिटरिंग सिस्टम हाई-स्पीड कैमरों और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से चलती ट्रेनों की रियल टाइम जांच करता है। पहले जिस प्रक्रिया में लगभग 30 मिनट लगते थे, अब वह कुछ सेकंड में पूरी हो जाती है। इसके अलावा एआई आधारित वीडियो एनालिटिक्स सिस्टम यात्रियों की असामान्य गतिविधियों, संदिग्ध सामान, सुरक्षा उल्लंघनों और उपकरणों से छेड़छाड़ जैसी घटनाओं की पहचान कर तत्काल अलर्ट जारी करने में सक्षम है।

यात्री-केंद्रित दृष्टिकोण

मुंबई और एमएमआर महाराष्ट्र की आर्थिक धुरी हैं। मानसून के दौरान भी सार्वजनिक परिवहन को सुरक्षित, कुशल और भरोसेमंद बनाए रखना हमारी प्राथमिकता है। मेट्रो लाइन 2ए, 2बी, 7 और 9 पर एआई-सक्षम निगरानी, जलभराव रोकथाम और आपातकालीन प्रबंधन जैसी व्यवस्थाएं भविष्य उन्मुख और यात्री-केंद्रित बुनियादी ढांचे के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ती हैं। मानसून के दौरान सुरक्षित और निर्बाध सीसीटीवी निगरानी, आपदा प्रबंधन तंत्र और एआई-आधारित पैंटोग्राफ मॉनिटरिंग जैसी आधुनिक व्यवस्थाओं से मेट्रो सेवाएं अधिक सुरक्षित, विश्वसनीय और सक्षम बनी हैं। महा मुंबई मेट्रो की मानसून 66 रणनीति यात्री सुरक्षा, निर्बाध परिचालन और त्वरित प्रतिक्रिया पर केंद्रित है।

विचार प्रवाह

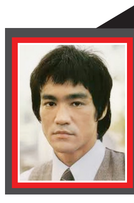

अगर आप अपनी जिन्दगी से प्यार करते हैं तो वक़्त मत बर्वाद करें, क्योंकि वो वक़्त ही है जिससे जिन्दगी बनी होती है।

– ब्रूस ली

संपादकीय

बड़े बदलावों संग विकसित भारत का संकल्प

सत्ता शीर्ष पर बारह साल के कार्यकाल के दौरान अनेक विशिष्ट उपलब्धियां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हिस्से में आई हैं। एक विशेष उपलब्धि यह भी है कि पहले गैर कांग्रेसी प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी ने पहले प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू के लगातार सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री रहने के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। पं. नेहरू ने पहले आम चुनाव के बाद 13 मई, 1952 को विधिवत निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में कार्यकाल शुरू किया, जो 1964 तक चला। वहीं नरेंद्र मोदी ने 26 मई, 2014 को प्रधानमंत्री पद की शपथ ली और लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ 9 जून, 2024 को ली। निश्चय ही भारत जैसे विशाल, सांस्कृतिक विविधता वाले तथा दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देश का इतने लंबे समय तक प्रधानमंत्री बने रहना एक बड़ी उपलब्धि कही जाएगी। भाजपा नीत राजग गठबंधन सरकार के हिस्से में यूं तो कई उपलब्धियां हैं, लेकिन एक सशक्त केंद्र सरकार देश की एकता-अखंडता के लिए प्रतिबद्ध रही है। निस्संदेह, मोदी युगीन इन बारह सालों को अनुच्छेद-370 हटाने, नक्सलवाद के खात्मे, आतंकवाद के खिलाफ आक्रामक सुरक्षा नीति, आध्यात्मिक पर्यटन, महिला आरक्षण, डिजिटल इंडिया मुहिम, तीन तलाक से मुक्ति व आर्थिक आरक्षण की उपलब्धियों के लिए याद किया जाएगा। निस्संदेह, कुछ फैसले ऐसे रहे हैं जिन्होंने देश को नई दिशा दी। लोगों को गरिमा व अवसर दिलाने के उद्देश्य से प्रत्यक्ष लाभ अंतरण, स्वच्छ भारत, पीएम आवास योजना और आयुष्मान भारत जैसी योजनाएं बदलावकारी कही जाती हैं। साथ ही उन लोगों को 'अंत्योदय दृष्टि' से प्रेरित होकर लाभ देने की कोशिश हुई, जो असमानता के चलते पीछे छूट गए थे। बड़ी संख्या में जनधन खाते खोले जाने का लाभ विशेष रूप से महिलाओं को मिला। जहां डायरेक्ट बेनिफट ट्रांसफर से जहां लोगों को समय पर मदद मिली, वहीं बिचौलियों पर नकेल कसने से भ्रष्टाचार पर अंकुश भी लगा। मोदी सरकार ने 'एक देश, एक कर' की सोच को जीएसटी लागू करके हकीकत बनाया। जब नरेंद्र मोदी पहली बार प्रधानमंत्री की कुर्सी पर विराजे थे तो उन्होंने उद्घोष किया था कि न 'खाऊंगा और न खाने दूंगा।' यह हकीकत है मानवीय दुर्बलताओं और समाज में लगातार बढ़ती भौतिकवाद की सोच के चलते समाज में भ्रष्टाचार पर अपेक्षित लगाम नहीं लगी, लेकिन उनके कार्यकाल में कोई मंत्री प्रत्यक्ष तौर पर किसी बड़े भ्रष्टाचार में लिप्त नजर नहीं आया। निस्संदेह, खाड़ी संकट के चलते महंगे हुए पेट्रोलियम पदार्थों से महंगाई असर दिखा रही है, लेकिन समय रहते प्रबंधन के चलते वैसे हालात भी नहीं पैदा हुए, जैसे हमारे पड़ोसी देशों में नजर आ रहे हैं। अमेरिका दबाव के बावजूद रणनीतिक ढंग से रूस से सस्ता तेल खरीदकर मोदी सरकार ने जहां देश के आपातकालीन पेट्रोलियम भंडारण को बढ़ाया, वहीं दुर्लभ विदेशी मुद्रा की भी बचत की। आज देश ने कच्चे तेल के खरीद के विकल्पों को विस्तार दिया है, जो संकटकाल में मददगार साबित हुए हैं। यह अच्छी बात है कि प्रधानमंत्री द्वारा सौर ऊर्जा, स्वच्छ ऊर्जा आदि वैकल्पिक संसाधनों के लिए जो अभियान चलाए गए, उन्होंने पश्चिम एशिया संकट के दौरान देश की आर्थिकी को संबल दिया। एक समय विपक्षी नेता पेट्रोल में एथनॉल मिलाए जाने को लेकर आलोचना कर रहे थे, लेकिन यह फैसला मौजूदा ऊर्जा संकट में मददगार साबित हुआ। भारत एक विकासशील देश है, बड़ी आबादी जहां इसकी ताकत है, वहीं कमजोरी भी है। देश के अस्सी करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त अनाज उपलब्ध कराना जहां एक बड़ी उपलब्धि है, वहीं लोगों को स्वावलंबी बनाने की दिशा में कदम उठाने के लिए पहल करने को भी रेखांकित करता है। हालांकि, कोरोना संकट, रूस-यूक्रेन युद्ध, इस्राइल-हमास संघर्ष और फिर ईरान अमेरिका-इस्राइल युद्ध के संकट से पूरी दुनिया की आपूर्ति श्रृंखला बुरी तरह प्रभावित हुई है, लेकिन राजग सरकार इन चुनौतियों का बखूबी मुकाबला करती नजर आई। इसके बावजूद मोदी सरकार की फिलहाल बेरोजगारी व महंगाई पर अंकुश लगाना प्राथमिकता होनी चाहिए। भारत युवाओं का देश है, इस युवाशक्ति का देश हित में कैसे बेहतर इस्तेमाल हो सकता है, इसकी दृष्टि निश्चय ही प्रधानमंत्री के पास है। तभी सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास का लक्ष्य पूरा हो सकेगा।

आज का इतिहास

■ 1866 - इलाहाबाद उच्च न्यायालय की स्थापना हुई। इसे पहले आगरा उच्च न्यायालय के नाम से जाना जाता था।

■ 1964 - प्रथम भारतीय प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की इच्छानुसार उनकी अस्थियों की भस्म पूरे देश में विखेरी गई।

■ 2003 - कोर्निकोवा महिला टेनिस की सबसे सुन्दर खिलाड़ी घोषित।

■ 2006 - नेपाली संसद ने आम राय से नरेश के वीटो अधिकार को समाप्त किया।

■ 2007 - फिजी के अपदस्थ प्रधानमंत्री लाडसेनिया करासे को राजधानी सुवा में प्रवेश की इजाजत मिली।

■ 2008 -ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइल को भारतीय वायुसेना में शामिल किया गया। उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री मायावती ने जमुना निषाद के स्थान पर धर्मराज निषाद को मंत्रीमण्डल में शामिल किया। भ्रष्टाचार के आरोप में जेल में बन्द बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना वाजेद रिहा हुईं।

■ 1897 -राम प्रसाद बिस्मिल - महान स्वतन्त्रता सेनानी।

■ 1989 - मानसी जोशी - भारतीय पैरा-बैडमिन्टन खिलाड़ी हैं।

■ 1948 - लालू प्रसाद यादव - भारतीय राजनितिज एवं बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री

■ 1947 - शाहबुद्दीन याकूब कुरैशी - भारत के भूतपूर्व 17वें मुख्य निर्वाचन आयुक्त थे।

■ 1942 - पॉल रत्नस्वामी - तमिलनाडु) भारतीय उत्प्रेरक वैज्ञानिक थे।

■ 1937 -कनक रेले- प्रसिद्ध भारतीय शास्त्रीय नर्तक, कोरियोग्राफर और शिक्षाविद थीं।

■ 1909 - के. एस. हेगड़े - भारतीय विधिवेत्ता, राजनीतिज्ञ और पूर्व लोकसभा अध्यक्ष

■ 1927 - लालडेंगा - मिजो राष्ट्रवादी थे, जो मिजोरम के मुख्यमंत्री रहे थे।

■ 2021 - सिद्धलिंगैया - कन्नड़ भाषा में लिखने वाले एक भारतीय कवि, नाटककार और दलित कार्यकर्ता थे।

■ 1997 - मिहिर सेन - भारत के प्रसिद्ध लम्बी दूरी के तैराक थे।

■ 1924 - वासुदेव वामन शास्त्री खरे - मराठी भाषा के सुप्रसिद्ध इतिहासकार कवि, नाटककार और जीवनी लेखक

■ 1983 - घनश्यामदास बिड़ला - भारत के उद्योगपति, स्वतंत्रता-संग्राम सेनानी तथा बिड़ला परिवार के एक प्रभावशाली सदस्य।

विकास का असली चेहरा

चकाचौंध के पीछे छिपी आर्थिक असमानता की चिंताजनक तस्वीर

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

किसी देश का विकास केवल बड़े-बड़े दावों, नारों और प्रचार अभियानों से नहीं मापा जाता। उसका वास्तविक आकलन जमीन पर मौजूद आर्थिक गतिविधियों और संसाधनों के वितरण से होता है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ताजा रिपोर्ट देश के विकास की ऐसी ही एक चिंताजनक तस्वीर सामने लाती है। इस तस्वीर को पूर्व नीति आयोग उपाध्यक्ष राजीव कुमार ने अपने एक लेख में विस्तार से प्रस्तुत किया है।

राजीव कुमार की अहम टिप्पणी

राजीव कुमार कोई विपक्षी आलोचक नहीं हैं। वे केंद्र सरकार के नीति आयोग के उपाध्यक्ष रह चुके हैं। नीति आयोग देश की आर्थिक नीतियों को दिशा देने वाला प्रमुख संस्थान है, जिसके अध्यक्ष स्वयं प्रधानमंत्री होते हैं। ऐसे में यदि राजीव कुमार विकास की मौजूदा स्थिति पर गंभीर सवाल उठा रहे हैं, तो उनकी बातों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

11 जिलों में सिमटा कर्ज

आरबीआई की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले तीन वर्षों में देश के बैंकों द्वारा वितरित कुल ऋण का आधे से अधिक हिस्सा केवल 11 जिलों में गया है। देश में 28 राज्य, 8 केंद्रशासित प्रदेश और 800 से अधिक जिले हैं। रिपोर्ट में 762 जिलों का अध्ययन किया गया, जिनमें बैंकिंग गतिविधियां संचालित होती हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि इन 762 जिलों में दिए गए कुल कर्ज का 50 प्रतिशत से अधिक हिस्सा केवल 11 जिलों को मिला। अर्थात बाकी 751 जिलों को शेष राशि में ही संतोष करना पड़ा।

मुंबई और दिल्ली का दबदबा

इन 11 जिलों में भी सबसे अधिक हिस्सा मुंबई शहर, मुंबई उपनगर और दिल्ली को मिला। इन तीन जिलों ने अकेले 30 प्रतिशत से अधिक ऋण अपने हिस्से में ले लिया। यदि केवल सात प्रमुख जिलों को देखें तो देश के कुल ऋण वितरण का लगभग 43 प्रतिशत हिस्सा इन्हीं क्षेत्रों में केंद्रित है। यह स्थिति बताती है कि देश के अधिकांश हिस्सों में आर्थिक गतिविधियों का विस्तार बेहद सीमित है और विकास कुछ चुनिंदा क्षेत्रों तक ही सिमटकर रह गया है।

सैकड़ों जिले विकास से दूर

रिपोर्ट का एक और चिंताजनक तथ्य यह है कि देश के 381 जिलों को मिलाकर कुल बैंक ऋण का मात्र 4.9 प्रतिशत हिस्सा मिला। इनमें कई ऐसे जिले हैं जहां औसतन ऋण वितरण का हिस्सा 0.029 प्रतिशत से भी कम है। यह आंकड़ा दशार्ता है कि देश के विशाल भूभाग में आर्थिक विकास की रफ्तार बेहद कमजोर है। बैंकिंग व्यवस्था की पहुंच होने के बावजूद निवेश और व्यापारिक गतिविधियां वहां पर्याप्त रूप से विकसित नहीं हो सकी हैं।

जमा राशि की भी यही कहानी

केवल ऋण वितरण ही नहीं, बैंक जमा राशि के आंकड़े भी इसी असंतुलन की ओर संकेत करते हैं। देश के बैंकों में जमा कुल धनराशि का लगभग आधा हिस्सा केवल 17 जिलों से आता है। यानी एक ओर कुछ चुनिंदा जिले देश की अधिकांश बचत और निवेश का केंद्र बने हुए हैं, जबकि बाकी जिले बैंकिंग मानचित्र पर लगभग हाशिये पर हैं।

नारों और वास्तविकता का अंतर

सरकार की ओर से जनधन योजना, मेक इन इंडिया और डिजिटल इंडिया जैसी योजनाओं की सफलता के दावे किए जाते हैं। इन योजनाओं से कुछ सकारात्मक बदलाव अवश्य आए हैं, लेकिन आरबीआई की रिपोर्ट बताती है कि क्षेत्रीय आर्थिक असमानता में कोई बड़ा सुधार नहीं हुआ है। पिछले एक दशक में विकास का भूगोल लगभग वैसा ही बना हुआ है। कुछ महानगर और उनके आसपास के क्षेत्र लगातार आगे बढ़ रहे हैं, जबकि देश का बड़ा हिस्सा पीछे छूटता जा रहा है।

डिजिटल क्रांति की सीमाएं

रिपोर्ट का अध्ययन काल 2022-23 से 2025-26 तक का है। इसी दौरान देश में डिजिटल भुगतान प्रणाली, विशेषकर यूपीआई, का तेजी से विस्तार हुआ। आज प्रतिदिन 70 करोड़ से अधिक यूपीआई लेनदेन हो रहे हैं। हालांकि डिजिटल भुगतान के बढ़ते उपयोग से तकनीकी जागरूकता तो बढ़ी है, लेकिन इसका सीधा असर आर्थिक विस्तार और क्षेत्रीय विकास पर दिखाई नहीं देता। मोबाइल से भुगतान करने की सुविधा और वास्तविक आर्थिक समृद्धि, दोनों अलग-अलग बातें हैं।

जनधन खातों की चुनौती

सरकारी आंकड़ों के अनुसार जनवरी 2015 से अब तक देशभर में 54 करोड़ से अधिक नए बैंक खाते खोले गए हैं। इनमें 60 प्रतिशत से ज्यादा खाते महिलाओं के नाम पर हैं। यह जनधन योजना की एक बड़ी उपलब्धि है। लेकिन केवल खाता खोल देना ही पर्याप्त नहीं है। असली सवाल यह है कि उन खातों में नियमित लेनदेन कितना हो रहा है और वे आर्थिक गतिविधियों का हिस्सा कितने बन पाए हैं। वित्तीय समावेशन का उद्देश्य तभी पूरा होगा जब खाते सक्रिय आर्थिक

असमान विकास की गहराई

रिपोर्ट बताती है कि देश की केवल 7.3 प्रतिशत आबादी उन 10 जिलों में रहती है जिन्हें कुल ऋण का 38 प्रतिशत से अधिक हिस्सा मिलता है। अर्थात इन क्षेत्रों के नागरिकों को उनकी जनसंख्या के अनुपात से पांच गुना अधिक ऋण उपलब्ध हो रहा है। स्वाभाविक रूप से यह तर्क दिया जा सकता है कि मुंबई और दिल्ली जैसे शहरों की आर्थिक क्षमता अधिक है। लेकिन यही तथ्य देश में बढ़ती आर्थिक असमानता को भी उजागर करता है।

दक्षिण और पश्चिम का वर्चस्व

रिपोर्ट से यह भी स्पष्ट होता है कि देश की आर्थिक प्रगति मुख्य रूप से पश्चिमी और दक्षिणी राज्यों में केंद्रित है। महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कुछ हद तक गुजरात आर्थिक विकास के प्रमुख केंद्र बने हुए हैं। इसके विपरीत बिहार, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और मध्य प्रदेश जैसे बड़े राज्य अभी भी आर्थिक दृष्टि से अपेक्षाकृत पीछे हैं। इससे क्षेत्रीय असंतुलन और अधिक स्पष्ट हो जाता है।

राज्यों के भीतर भी खाई

दिलचस्प बात यह है कि विकसित राज्यों के भीतर भी समान विकास नहीं है। महाराष्ट्र जैसे राज्य में मुंबई और गडचिरोली के प्रति व्यक्ति आय में भारी अंतर दिखाई देता है। इसका अर्थ है कि विकास केवल राज्यों के बीच ही नहीं, बल्कि राज्यों के भीतर भी असमान रूप से वितरित है।

गंभीर संकेत

भारत में असमान विकास कोई नई समस्या नहीं है। यह लंबे समय से मौजूद है। लेकिन जब सरकार से जुड़े रहे वरिष्ठ अर्थशास्त्री और नीति-निमार्ता भी इस विषय पर गंभीर चिंता व्यक्त करने लगें, तो यह संकेत है कि स्थिति सामान्य नहीं है। विकास के चमकदार दावों और वास्तविक आर्थिक तस्वीर के बीच मौजूद इस अंतर को समझना और दूर करना आज देश की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। यदि विकास कुछ महानगरों और चुनिंदा जिलों तक ही सीमित रहा, तो समावेशी और संतुलित भारत का सपना अधूरा ही

आंखनदेखी

चीन के फुझोउ शहर में पारंपरिक ड्रैगन बोट महोत्सव की तैयारियां जोरों पर हैं। इस अवसर पर कुशल कारीगर पारंपरिक शैली की ड्रैगन नौकाओं का निर्माण करते नजर आए। सदियों पुरानी सांस्कृतिक विरासत से जुड़ा यह उत्सव चीन की लोक परंपराओं और शिल्पकला की अनूठी झलक प्रस्तुत करता है।

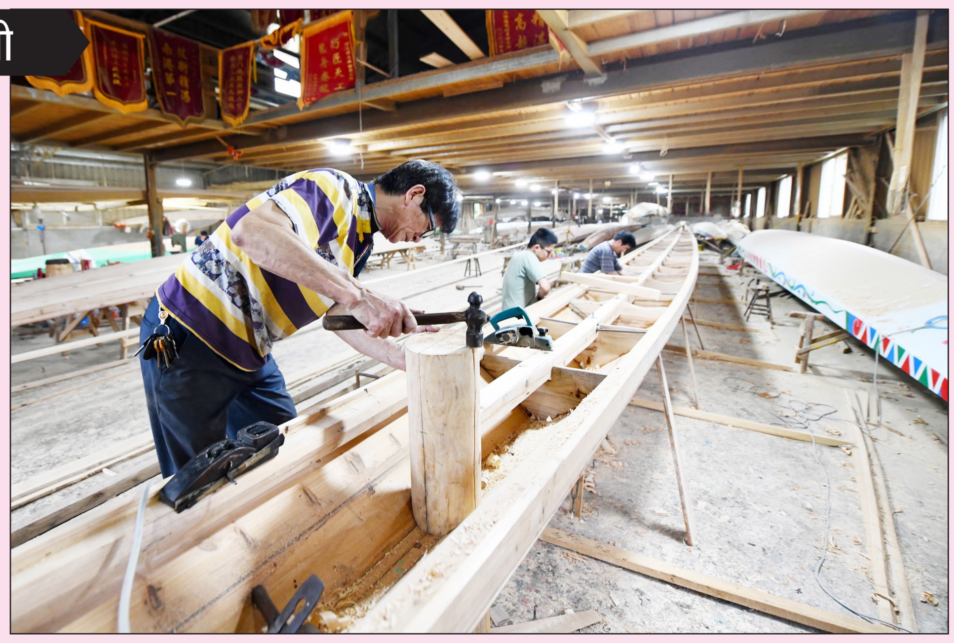

पीओके में बढ़ता असंतोष

●पाकिस्तान के दमन और वादाखिलाफी ने खोली शासन की हकीकत

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

यह स्वागतयोग्य है कि भारत ने पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओके) में बिगड़ते हालात और वहां की जनता पर हो रहे अत्याचारों का संज्ञान लिया है। हाल के दिनों में पाकिस्तानी सेना की कार्रवाई में दर्जनों लोगों की मौत हुई है और सैकड़ों घायल हुए हैं। बड़ी संख्या में लोगों को गिरफ्तार कर जेलों में बंद किया गया है। पाकिस्तान यह मानकर चल रहा है कि दमन के जरिए असंतोष को दबाया जा सकता है, लेकिन जमीनी स्थिति इसके विपरीत दिखाई दे रही है।

वादाखिलाफी से बढ़ा आक्रोश

पीओके में जनता का गुस्सा अचानक नहीं फूटा है। इसके पीछे लंबे समय से चली आ रही उपेक्षा और पाकिस्तान सरकार की वादाखिलाफी है। पिछले वर्ष हुए मुजफ्फराबाद समझौते में लोगों की समस्याओं के समाधान का भरोसा दिया गया था, लेकिन अधिकांश वादे कागजों तक ही सीमित रह गए। बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और बुनियादी सुविधाओं के अभाव ने लोगों के धैर्य की सीमा को तोड़ दिया है।

पुरानी है उपेक्षा की कहानी

यह पहली बार नहीं है जब पीओके के लोगों ने विरोध का रास्ता अपनाया हो। इससे पहले भी वहां समय-समय पर आंदोलन और प्रदर्शन होते रहे हैं। हर बार जनता ने अपने अधिकारों और बेहतर जीवन की मांग उठाई, लेकिन जवाब में उन्हें दमन, गिरफ्तारियां और प्रताड़ना ही मिली। इससे यह स्पष्ट होता है कि पाकिस्तान वहां के लोगों की समस्याओं का समाधान करने के बजाय उन्हें दबाने की नीति पर चलता रहा है।

संसाधनों का दोहन विकास नहीं

पाकिस्तान अपने कब्जे वाले इस क्षेत्र के प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग तो करता है, लेकिन वहां रहने वाले लोगों को उसका लाभ नहीं मिल पाता। बिजली, पानी, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं की स्थिति लगातार चिंताजनक बनी हुई है। विडंबना यह है कि भारत के खिलाफ कश्मीर मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाने वाला पाकिस्तान अपने नियंत्रण वाले क्षेत्र में ही नागरिक अधिकारों की रक्षा करने में विफल साबित हो रहा है।

अंतरराष्ट्रीय समुदाय की चुप्पी

पीओके में मानवाधिकारों के उल्लंघन पर केवल चिंता व्यक्त कर देना पर्याप्त नहीं है। भारत को इस मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और मजबूती से उठाने की आवश्यकता है। ब्रिटेन के कुछ सांसदों ने वहां के हालात पर चिंता जताई है, लेकिन व्यापक वैश्विक प्रतिक्रिया अब भी देखने को नहीं मिल रही। विशेष रूप से अमेरिका और यूरोपीय देशों की चुप्पी कई सवाल खड़े करती है। मानवाधिकारों की बात करने वाले देशों का यह रवैया दोहरे मानदंडों की ओर संकेत करता है।

भारत की कूटनीतिक जिम्मेदारी

भारत के लिए यह आवश्यक है कि वह विश्व समुदाय को लगातार यह बताता रहे कि पीओके भारत का अभिन्न हिस्सा है, जिस पर पाकिस्तान का अवैध कब्जा है। यदि वहां की वास्तविक स्थिति दुनिया के सामने प्रभावी ढंग से रखी जाती है तो पाकिस्तान पर अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ सकता है। साथ ही भारत का दावा भी अधिक मजबूत होगा।

रणनीतिक महत्व का क्षेत्र

पीओके केवल राजनीतिक या ऐतिहासिक दृष्टि से ही महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि इसका सामरिक महत्व भी अत्यंत बड़ा है। इसी क्षेत्र पर पाकिस्तान के कब्जे के कारण भारत की अफगानिस्तान तक सीधी भौगोलिक पहुंच अवरुद्ध है। इसलिए यह मुद्दा केवल सीमा विवाद का नहीं, बल्कि भारत के दीर्घकालिक रणनीतिक हितों से भी जुड़ा हुआ है।

सक्रियता की आवश्यकता

भारत की संसद पहले ही सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव पारित कर चुकी है कि जम्मू-कश्मीर का पूरा क्षेत्र भारत का अभिन्न अंग है। ऐसे में सरकार की जिम्मेदारी है कि वह इस विषय पर अपनी प्रतिबद्धता को केवल बयान तक सीमित न रखे, बल्कि कूटनीतिक, राजनीतिक और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय प्रयास भी करे। पीओके में बढ़ता जनाक्रोश यह संकेत देता है कि वहां की जनता स्वयं भी बेहतर भविष्य और अधिकारों की आकांक्षा रखती है।

निष्कर्ष

पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में उभरता असंतोष केवल स्थानीय समस्या नहीं है, बल्कि वह पाकिस्तान के प्रशासनिक और राजनीतिक विफलताओं का प्रमाण भी है। दमन और बल प्रयोग से जनता की आवाज को हमेशा के लिए दबाया नहीं जा सकता। भारत को इस मुद्दे पर संवेदनशीलता, दृढ़ता और सक्रिय कूटनीति के साथ आगे बढ़ना होगा, ताकि वहां के लोगों की वास्तविक स्थिति दुनिया के सामने आए और क्षेत्र में न्यायपूर्ण समाधान की दिशा में सार्थक पहल हो सके।

प्रेरक प्रसंग

क्यों-क्यों वाली मोइना

मोइना लगभग दस साल की एक आदिवासी लड़की थी। वह बाकी बच्चों से बिल्कुल अलग थी। एक दिन वह निडर होकर एक बड़े सांप के पीछे दौड़ रही थी। जब उसे रोका गया तो उसने तुरंत पूछा, क्यों? यही उसका सबसे पसंदीदा सवाल था। गांव के लोग उसे प्यार से क्यों-क्यों वाली लड़की कहते थे। मोइना शबर समुदाय से थी। उसका परिवार बेहद गरीब था। मां खीरी लंगड़ाकर चलती थी, पिता काम की तलाश में दूर शहर गए हुए थे और भाई जंगल से लकड़ियां लाता था। ऐसे में घर की जिम्मेदारियों का बड़ा हिस्सा मोइना के कंधों पर था। वह बाबुओं की बकरियां चराती, पानी भरती और घर के छोटे-बड़े काम करती थी। लेकिन मोइना की खास बात यह थी कि वह हर बात पर सवाल करती थी। वह पूछती, हम नदी से दूर-दूर तक पानी लाने क्यों जाते हैं? हम दिन में दो बार भरपेट खाना क्यों नहीं खा सकते? बाबू की बकरियां मैं ही क्यों चराऊं? उसके सवाल कभी खत्म नहीं होते थे। एक बार वह समिति की झोंपड़ी में रहने आ गई। वहां उसने किताबों से भरी दुनिया देखी। रात को जब उसने पूछा कि सोने से पहले किताबें क्यों पढ़ी जाती हैं, तो उसे जवाब मिला, क्योंकि किताबों में तुम्हारे सवालों के जवाब छिपे होते हैं। बस, उसी दिन मोइना ने ठान लिया कि वह पढ़ना सीखेगी। जो कुछ भी वह सीखती, उसे दूसरे बच्चों को भी बताती। वह उन्हें तारों, पृथ्वी, जानवरों और प्रकृति के बारे में समझाती। धीरे-धीरे उसकी जिज्ञासा ज्ञान में बदलने लगी। एक साल बाद उसने समिति की शिक्षिका से शिकायत कर दी कि स्कूल का समय ऐसा क्यों है जिसमें बकरी चराने वाले बच्चे पढ़ ही नहीं सकते। उसकी जिद और तर्क के सामने सबको सोचना पड़ा। वह चाहती थी कि हर बच्चा पढ़े, चाहे वह कितना भी गरीब क्यों न हो।

■ समय बीता और वही मोइना गांव के स्कूल की पहली छात्राओं में शामिल हुई। पढ़ाई पूरी करने के बाद वह स्वयं शिक्षिका बन गई। अब उसकी आवाज स्कूल में गूंजती थी-सवाल पूछो, सोचो, जानो कि चीजें ऐसी क्यों हैं। आज भी मोइना बच्चों को यही सिखाती है कि ज्ञान की शुरूआत एक छोटे-से शब्द से होती है-क्यों? और यही सवाल इंसान को आगे बढ़ने की ताकत देता है।

राशिफल

मेष- आजीविका में नवीन प्रस्ताव मिलेगा। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। मेहनत का फल मिलेगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। थकान रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रसन्नता रहेगी। भूमि, आवास की समस्या रह सकती है। संतान से कष्ट रहेगा।

वृषभ-मान बढ़ेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। अपनी बुद्धिमत्ता से आप सही निर्णय लेने में सक्षम होंगे। विकास की योजनाएं बनेंगी। निजीजनों में असंतोष हो सकता है। व्यापार में इच्छित लाभ होगा।

मिथुन- यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे। जोखिम न लें। व्यावसायिक चिंता दूर हो सकेगी। स्वयं के सामर्थ्य से ही भाग्योन्नति के अवसर आएंगे। योजनाएं फलीभूत होंगी। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी।

कर्क- वस्तुएं संभालकर रखें। स्वास्थ्य पर व्यय होगा। विवाद न करें। यात्रा में अपनी वस्तुओं को संभालकर रखें। कर्म के प्रति पूर्ण समर्पण व उत्साह रखें। अधीनस्थों की ओर ध्यान दें। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें।

सिंह- बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आय बढ़ेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। अपने व्यसनों पर नियंत्रण रखते हुए कार्य करना चाहिए। व्यापार में कर्मचारियों पर अधिक विश्वास न करें। आर्थिक स्थिति मध्यम रहेगी।

कन्या- यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे। व्यापार में नई योजनाओं पर कार्य नहीं होंगे। जीवनसाथी का ध्यान रखें। नए अनुबंध होंगे। झंझटों में न पड़ें। शत्रु सक्रिय रहेंगे। कार्य की प्रवृत्ति में यथार्थता व व्यावहारिकता का समावेश आवश्यक है।

तुला-वरिष्ठजन सहयोग करेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। बुद्धि एवं तर्क से कार्य में सफलता के योग बनेंगे। यात्रा कष्टप्रद हो सकती है। अत: उसका परित्याग करें। व्यापार लाभप्रद रहेगा। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। राजकीय बाधा दूर होगी।

वृश्चिक- दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। सकारात्मक विचारों के कारण प्रगति के योग आएंगे। समय ठीक नहीं है। वाहन, मशीनरी व अग्नि के प्रयोग में सावधानी रखें। लेन-देन में सावधानी रखें। विवाद न करें। कार्यपद्धति में विश्वसनीयता बनाए रखें।

धनु- व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। आर्थिक स्थिति में प्रगति की संभावना है। अचानक धन की प्राप्ति के योग हैं। राजकीय काम बनेंगे। चिंता रहेगी। जोखिम न उठाएं। संतान से मदद मिलेगी। क्रोध एवं उत्तेजना पर संयम रखें।

मकर- प्रसन्नता रहेगी। धनार्जन होगा। समाज में प्रसिद्धि के कारण सम्मान में बढ़ौत्री होगी। आजीविका में नवीन प्रस्ताव मिलेंगे। संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता मिलेगी। परिवार की समस्याओं को अनदेखा न करें।

कुंभ- व्यवसाय ठीक चलेगा। कामकाज में धैर्य रखने से सफलता मिल सकेगी। योजनाएं फलीभूत होंगी। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। मित्रों में आपका वर्चस्व बढ़ेगा। स्वास्थ्य की ओर ध्यान दें।

मीन-राजकीय सहयोग मिलेगा एवं इस क्षेत्र के व्यक्तियों से संबंध बढ़ेंगे। विद्यार्थियों को प्रतियोगिता में सफलता मिलेगी। व्यापार अच्छा चलेगा। वाणी पर संयम रखें। दूसरों से अपेक्षा न करें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। थकान रहेगी। जोखिम न लें। विवाद से बचें।

वह भारत पर एक बोझ की तरह हैं: जयराम रमेश

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

कांग्रेस ने सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में सेवा देने के नरेंद्र मोदी के रिकॉर्ड को लेकर बुधवार को दावा किया कि वह भारत पर एक बोझ की तरह हैं क्योंकि वह लोकतंत्र की हत्या के लिए जिम्मेदार हैं। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह आरोप भी लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी भले ही पंडित जवाहरलाल नेहरू के प्रति 'सनक' के चलते कोई खुद का तय मील का पत्थर हासिल कर रहे हों, लेकिन असल में वह पंडित नेहरू, बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर, सरदार वल्लभ भाई पटेल और मौलाना अबुल कलाम आजाद जैसे महापुरुषों की उपलब्धियों को मिटाना चाहते हैं।

■ रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि 15 अगस्त, 1947 को जवाहरलाल नेहरू भारत के प्रधानमंत्री बने और उन्होंने एक ऐसी शानदार कैबिनेट की अगुवाई की, जैसी दुनिया में शायद ही कभी देखी गई हो। इसके अगले पांच वर्षों में आधुनिक भारत का निर्माण हुआ। उन्होंने कहा कि उस समय 560 से ज्यादा रियासतों को शांतिपूर्ण ढंग से भारतीय संघ में मिलाया गया, भारत के संविधान पर चर्चा हुई और उसे अंगीकार किया गया, जमींदारी प्रथा खत्म की गई, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षण लागू किया गया, कई बहुउद्देशीय सिंचाई और बिजली परियोजनाएं शुरू की गईं, विज्ञान और तकनीक (जिसमें परमाणु ऊर्जा भी शामिल है) के लिए बुनियादी ढांचा तैयार किया गया और भारत वैश्विक मामलों में एक ताकत के रूप में उभरा।

■ रमेश का कहना है कि उसी दौर में सभी वयस्कों को वोट देने का अधिकार सुनिश्चित करने के लिए 17 करोड़ पंजीकृत मतदाताओं वाली मतदाता सूची तैयार की गई और आजाद भारत के पहले आम चुनाव अक्टूबर 1951 से फरवरी 1952 के बीच हुए। उन्होंने कहा कि 1947-52 के दौरान नेहरू के प्रधानमंत्री रहते हुए भारत की उपलब्धियों को अब प्रधानमंत्री मोदी मिटाना चाहते हैं, जिसमें सरदार पटेल, डॉ. आंबेडकर, डॉ. राजेंद्र प्रसाद, सी. राजगोपालाचारी और मौलाना अबुल कलाम आजाद जैसे दिग्गजों ने अहम भूमिका निभाई थी।

■ कांग्रेस नेता ने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी को नेहरू को लेकर एक तरह का जुनून या सनक है। हो सकता है कि उन्होंने आज खुद से तय किया हुआ और संदिग्ध तरीके से बनाया गया कोई मील का पत्थर हासिल कर लिया हो, लेकिन वह भारत के ऊपर एक बोझ की तरह हैं, क्योंकि वह भारत में लोकतंत्र की हत्या के लिए ज़िम्मेदार हैं। रमेश ने कहा कि लोकतंत्र के संस्थान... एक स्वतंत्र निर्वाचन आयोग और एक शुद्ध मतदाता सूची अब खतरे में हैं। उन्होंने दावा किया कि हमारे शिक्षण संस्थानों को बर्बाद करके वैज्ञानिक सोच को खत्म कर दिया गया है, जैसा कि हाल ही में नीट-सीबीएसई घोटालों से पता चला है।

■ निजीकरण और 'उपयुक्त नहीं पाया गया' (नॉट फाउंड सूटेबल) जैसे गलत तरीकों से अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़ा वर्गों के आरक्षण को कमजोर किया गया है। उनका कहना है कि नेहरू 1952, 1957 और 1962 में भारी बहुमत से जीते थे, वहीं नरेंद्र मोदी 2024 में साधारण बहुमत भी हासिल नहीं कर पाए और उन्हें खुद को प्रधानमंत्री बनाने के लिए भाजपा संसदीय दल को दरकिनार करके जल्दबाजी में राजग की बैठक बुलानी पड़ी। रमेश ने यह भी कहा कि 2024 का जनादेश निश्चित रूप से उनके लिए नहीं था। उल्लेखनीय है कि मोदी ने 10 जून को भारत के प्रधानमंत्री के रूप में 4,399 दिन पूरे किए और निर्वाचित प्रधानमंत्री के तौर पर पंडित जवाहरलाल नेहरू के 4,398 दिनों के रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

पहले काम का अधिकार छीना, अब निवाला भी छीन रही है मोदी सरकार: खरगे

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के तहत सब्सिडी वाले एलपीजी सिलेंडर की वार्षिक सीमा नौ से घटाकर चार किए जाने को लेकर मंगलवार को आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने पहले गरीब से मनरेगा के तहत काम का अधिकार छीना और अब रोटी का निवाला भी छीन रही है। सरकार ने हाल में उज्ज्वला योजना के तहत सब्सिडी वाले एलपीजी सिलेंडर की वार्षिक सीमा नौ से घटाकर चार कर दी है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने सोमवार को कहा कि यह बदलाव औसत घरेलू खपत को ध्यान में रखते हुए किया गया है। वर्ष 2016 में शुरू हुई इस योजना के तहत पहले लाभार्थियों को साल में 14.2 किलोग्राम के 12 सिलेंडर सब्सिडी पर मिलते थे। हालांकि, पिछले साल सब्सिडी वाले सिलेंडर की संख्या घटाकर नौ कर गई थी, जिसे अब और भी घटाकर चार कर दिया गया है।

■ खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि मोदी सरकार के 12 सालों में गरीबी घटाने के अभियान की वास्तविकता है कि पहले गरीब से मनरेगा के तहत काम का अधिकार छीना, अब रोटी का निवाला भी छीना जा रहा है। उन्होंने कहा कि 2016 में प्रधानमंत्री मोदी ने दावा किया था कि उज्जवला योजना के तहत महिलाओं को लकड़ी के चूल्हे के धुएं से मुक्ति मिलेगी तथा साल में 12 सब्सिडी वाले सिलेंडर देने का वादा किया गया था, लेकिन पिछले साल इसे 12 से घटाकर 9 और अब 4 कर दिया गया है। खरगे ने कहा कि 2026 में अब सब्सिडी वाले सिलेंडर की संख्या 9 से घटाकर केवल चार कर दी गई। एलपीजी की कीमतें बार-बार बढ़ाई गईं। यानी, 12 का वादा, पर 4 का इरादा। 5.56 करोड़ लाभार्थी गैस सिलेंडर खरीदने में असमर्थ हैं। उन्होंने कहा कि सिलेंडर छोड़, माता-बहनें चूल्हा अपनाने को मजबूर उनके आंसुओं पर घड़ियाली आंसू बहाने वाली मोदी सरकार सत्ता के नशे में चूर।

टीएमसी के कांग्रेस में विलय की अटकलों को ऋतब्रत बनर्जी ने किया खारिज

बोले- न तो सांसद जा रहे हैं और न विधायक

हिंदमाता नेटवर्क @ कोलकाता

पश्चिम बंगाल में विपक्ष के नेता और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) से निष्कासित नेता ऋतब्रत बनर्जी ने टीएमसी और कांग्रेस के संभावित विलय की चर्चाओं को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि न तो टीएमसी की विधायक दल कांग्रेस में शामिल हो रही है और न ही पार्टी के सांसदों, नगर निकायों या पंचायतों के प्रतिनिधियों के बीच ऐसा कोई रुझान है।

टीएमसी नेता कुणाल घोष ने इस्तीफों पर साधी चुप्पी

टीएमसी नेता कुणाल घोष ने सुष्मिता देव के इस्तीफे पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। उन्होंने सुखेंदु शेखर रॉय और सुष्मिता देव जैसे नेताओं के इस्तीफे का जिक्र करते हुए उन लोगों पर सवाल उठाए हैं जो पार्टी के टिकट पर चुनाव जीतने के बावजूद वर्तमान में पार्टी से अलग राय रखते हैं या पार्टी के सही रास्ते पर न होने का विश्वास करते हैं, फिर भी अपनी सांसद की सीटें पकड़े हुए हैं। घोष ने कहा कि अगर सुखेंदु शेखर रॉय और सुष्मिता देव, जिन्होंने ममता दीदी के उम्मीदवारों के तौर पर तृणमूल कांग्रेस के प्रतीक पर जीत हासिल की थी, इस्तीफा दे सकते हैं, तो आप बाकी लोग क्यों जारी रख रहे हैं?

विलय का सवाल ही नहीं उठता

ऋतब्रत बनर्जी ने कहा कि अभी संख्या 64 विधायकों की है। ये लोग आएंगे और विधानसभा अध्यक्ष को एक पत्र सौंपेंगे। कांग्रेस और टीएमसी के विलय की अटकलों पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि जहां तक हमारी विधायक दल की बात है, हम निश्चित रूप से कांग्रेस में शामिल नहीं हो रहे हैं। संसद में जो सांसद हैं, उनमें से दो-तिहाई से अधिक भी कांग्रेस में विलय नहीं हो रहे हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर कौन किसके साथ विलय कर रहा है? उन्होंने दावा किया कि उनकी जानकारी के अनुसार न तो सांसद कांग्रेस में जा रहे हैं, न विधायक, न नगर पालिका के प्रतिनिधि, न जिला परिषद के सदस्य और न ही पंचायत प्रतिनिधि। बनर्जी ने कहा कि जब कोई भी कहीं नहीं जा रहा है तो विलय का सवाल ही नहीं उठता। ऋतब्रत बनर्जी का यह बयान ऐसे समय आया है जब राज्य की राजनीति में टीएमसी और कांग्रेस के रिश्तों को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। उनके बयान को इन चर्चाओं पर विराम लगाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। ऋतब्रत बनर्जी ने बताया कि वर्तमान में विधायकों की संख्या 64 है और यह बढ़ने की उम्मीद है।

कांग्रेस-टीएमसी विलय की खबरों पर टिप्पणी से इनकार

कांग्रेस और टीएमसी के बीच संभावित विलय की खबरों पर सवाल पूछे जाने पर कुणाल घोष ने कहा कि वह इस पर कोई टिप्पणी नहीं करेंगे। उन्होंने दिल्ली में हो रही बैठकों के बारे में एक शब्द भी नहीं कहने की बात कही। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि यह इंडिया ब्लॉक की एक महत्वपूर्ण बैठक थी, और दोनों पार्टियों के बीच आगे भी बैठकें संभव हैं और हो भी रही हैं। उन्होंने कहा कि हमारे नेता दिल्ली में हैं; पहले कुछ वास्तव में होने दें, और फिर हम देखेंगे। कुणाल घोष के बयानों से यह स्पष्ट होता है कि पार्टी के भीतर इस्तीफों को लेकर कुछ असंतोष है। वहीं कांग्रेस के साथ संभावित विलय के मुद्दे पर फिलहाल पार्टी नेतृत्व की ओर से कोई स्पष्ट संकेत नहीं दिया जा रहा है।

राहुल गांधी से मिले अभिषेक बनर्जी

इसी बीच बुधवार को टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मुलाकात की। सूत्रों का कहना है कि यह मुलाकात इस सप्ताह दिल्ली में हुई इंडिया गठबंधन की बैठक के बाद कांग्रेस और टीएमसी के बीच जारी राजनीतिक संवाद का हिस्सा मानी जा रही है। हालांकि, बैठक में क्या चर्चा हुई, इसकी आधिकारिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

रिलायंस और मेटा की बड़ी तैयारी

गुजरात में बनेगा AI डेटा सेंटर

अगले दो वर्षों में बनकर तैयार होने की उम्मीद

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

रिलायंस इंडस्ट्रीज और फेसबुक की पैरेंट कंपनी मेटा ने एक बड़ी साझेदारी का एलान किया है। दोनों कंपनियां मिलकर गुजरात के जामनगर में एक अत्याधुनिक एआई तकनीक से लैस डेटा सेंटर बनाने जा रही हैं। यह प्रोजेक्ट तकनीक के क्षेत्र में भारत के लिए एक बहुत बड़ा कदम माना जा रहा है।

प्रोजेक्ट की मुख्य बातें

क्षमता और समय: यह डेटा सेंटर 168 मेगावाट की क्षमता वाला होगा और इसके अगले दो वर्षों में बनकर तैयार होने की उम्मीद है।

मेटा का पहला खास डेटा सेंटर: यह भारत में मेटा का पहला बिल्ट-टू-सूट डेटा सेंटर होगा। इसका मतलब है कि इसे बिल्कुल उसी तरह डिजाइन किया जा रहा है, जैसी मेटा की जरूरतें हैं।

पर्यावरण के अनुकूल: इस डेटा सेंटर की सबसे खास बात यह है कि इसे पूरी तरह से ग्रीन एनर्जी से चलाया जाएगा। इसके अलावा, मशीनों की गर्मी कम करने के लिए समुद्र के खारे पानी को साफ करके इस्तेमाल किया जाएगा।

भारत के लिए यह प्रोजेक्ट क्यों है अहम?

यह नया प्रोजेक्ट कोई अचानक लिया गया फैसला नहीं है। दरअसल, साल 2020 में मेटा ने रिलायंस जियो में बड़ा निवेश किया था और यह डेटा सेंटर उसी साझेदारी को और मजबूत कर रहा है। इस प्रोजेक्ट का मुख्य लक्ष्य भारत को दुनिया भर में बड़े पैमाने पर एआई और तकनीक के बुनियादी ढांचे का एक प्रमुख केंद्र बनाना है।

जामनगर में ही क्यों बन रहा है यह डेटा सेंटर?

गुजरात का जामनगर रिलायंस के लिए एक रणनीतिक जगह है, यही वजह है कि वह दुनिया के सबसे बड़े डेटा सेंटर कैंपस में से एक विकसित कर रहा है। अकजैसी एडवांस तकनीक को चलाने के लिए बहुत ज्यादा बिजली की जरूरत होती है और जामनगर में इसके पर्याप्त संसाधन मौजूद हैं। सबसे खास बात यह है कि यह डेटा सेंटर पूरी तरह से नवीकरणीय ऊर्जा (रिन्युएबल ऊर्जा) पर चलेगा और इसे ठंडा रखने के लिए समंदर के खारे पानी को साफ करके इस्तेमाल किया जाएगा। इसमें लगने वाली बिजली और पानी का पूरा खर्च मेटा उठाएगा। इसके अलावा, मेटा की दुनिया की सबसे लंबी अंडरवाटर केबल की मदद से भारतीय यूजर्स को बेहतरीन स्पीड और क्वालिटी वाली इंटरनेट सर्विस मिलेगी।

दिग्गजों ने क्या कहा?

मेटा के फाउंडर और सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने कहा कि हमें रिलायंस के साथ मिलकर भारत में अपना पहला अकडेटा सेंटर बनाने पर गर्व है। जामनगर में बन रही यह वर्ल्ड-क्लास फैसिलिटी हमें विश्व स्तर पर अपने अकइंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाने में मदद करेगी, साथ ही यह भारत की अर्थव्यवस्था में हमारे लंबे निवेश को और मजबूत करेगी। रिलायंस इंडस्ट्रीज के मैनेजिंग डायरेक्टर और चेयरमैन मुकेश अंबानी ने कहा कि मेटा के साथ यह साझेदारी भारत के डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए एक बदलाव का पल है। मेटा जैसी ग्लोबल कंपनी के लिए भारत का पहला खास अकडेटा सेंटर बनाना यह साबित करता है कि भारत ग्लोबल अकक्रांति में सबसे आगे रहने के लिए तैयार है।

वर्षों पुरानी है मेटा और रिलायंस की दोस्ती

मेटा और रिलायंस के रिश्ते काफी पुराने और मजबूत हैं। साल 2020 में मेटा ने जियो प्लेटफॉर्म्स में 5.7 बिलियन डॉलर (करीब 43 हजार करोड़ रुपए) का एतिहासिक निवेश किया था। इसके जरिए भारत के छोटे व्यवसायों को डिजिटल बनाने में मदद मिली। अब यह नया डेटा सेंटर उनकी दोस्ती का अगला बड़ा कदम है।

पर्यावरण का भी रखा जाएगा पूरा ख्याल

अकडेटा सेंटर बहुत ज्यादा बिजली खपत करते हैं, इसलिए मेटा ने पर्यावरण का ध्यान रखते हुए भारत में लगभग 1 गीगावाट क्लीन एनर्जी के लिए दो कंपनियों के साथ करार भी किया है:

CleanMax: राजस्थान और कर्नाटक में 837 MW के नए सोलर और विंड (पवन ऊर्जा) प्रोजेक्ट्स।

Fourth Partner Energy: तमिलनाडु, कर्नाटक, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में 88 MW के नए सोलर और विंड प्रोजेक्ट्स।

मेटा का ग्लोबल लक्ष्य है कि उसका सारा कामकाज 100% स्वच्छ और रिन्यूएबल ऊर्जा से चले और भारत में की गई ये साझेदारियां उसी लक्ष्य का हिस्सा हैं।

कानूनों और नीतियों का प्रभावी क्रियान्वयन ही सुशासन : ओम बिरला

जनसेवा के प्रति समर्पण प्रत्येक IAS का अनिवार्य गुण

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बुधवार को कहा कि किसी भी शासन व्यवस्था की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि कानूनों और नीतियों को जमीनी स्तर पर कितनी प्रभावशीलता के साथ लागू किया जाता है। बिरला ने संसद भवन में 2024 बैच के आईएएस प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि वह अपनी सेवा को केवल एक पेशा न मानें, बल्कि संविधान, राष्ट्र और नागरिकों के प्रति आजीवन प्रतिबद्धता के रूप में देखें।

जनप्रतिनिधि जनता की अपेक्षाओं को आवाज

उन्होंने अधिकारियों से अपने संसदीय अनुभव का उपयोग लोक प्रशासन और लोकतांत्रिक जवाबदेही की बेहतर समझ विकसित करने के लिए करने का आह्वान किया। लोकसभा अध्यक्ष ने विधायी प्रक्रिया को समग्र रूप से समझने पर बल देते हुए कहा कि संसद कानून बनाती है, लेकिन प्रशासनिक तंत्र उन कानूनों की मंशा को नागरिकों तक पहुंचाने का कार्य करता है। किसी भी कानून का वास्तविक मूल्य उसके प्रभावी क्रियान्वयन में निहित होता है। उन्होंने कहा कि चुने हुए जनप्रतिनिधि जनता की अपेक्षाओं को आवाज देते हैं, जबकि प्रशासक नीतियों, योजनाओं और बेहतर सेवा वितरण के माध्यम से उन अपेक्षाओं को धरातल पर उतारते हैं।

संसद केवल कानून बनाने का मंच नहीं

उन्होंने कहा कि लोक सेवक नागरिकों की आकांक्षाओं को वास्तविक परिणामों में बदलने वाले परिवर्तन के वाहक होते हैं। संसद केवल कानून बनाने का मंच नहीं, बल्कि देश की जनता की आकांक्षाओं, अपेक्षाओं और चिंताओं की सर्वोच्च अभिव्यक्ति है। उन्होंने कहा कि संसद के साथ जुड़ाव से प्रशिक्षु अधिकारियों को लोकतांत्रिक शासन, विधायी प्रक्रिया और संवैधानिक संस्थाओं की कार्यप्रणाली को निकट से समझने का अवसर मिलता है।

जनसेवा के प्रति समर्पण को प्रत्येक सिविल सेवक का अनिवार्य गुण

लोकसभा अध्यक्ष ने सिविल सेवाओं में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी की सराहना करते हुए कहा कि उनका योगदान देश की शासन व्यवस्था को और अधिक मजबूत बना रहा है। उन्होंने ईमानदारी, करुणा, जवाबदेही और जनसेवा के प्रति समर्पण को प्रत्येक सिविल सेवक के लिए अनिवार्य गुण बताया। उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों से पारदर्शिता और सत्यनिष्ठा के उच्च मानकों को बनाए रखने का आग्रह करते हुए कहा कि भारतीय प्रशासनिक सेवा पर देशवासियों का गहरा विश्वास है। अधिकारियों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने और संवैधानिक मूल्यों, जन-जवाबदेही तथा नागरिक-केंद्रित प्रशासन को अपने पूरे सेवा काल में प्राथमिकता देने की सलाह दी।

तमिलनाडु सीएम बनने के बाद पहली बार सोनिया गांधी और राहुल गांधी से मिले विजय

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने बुधवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सोनिया गांधी से मुलाकात की। मुख्यमंत्री बनने के बाद विजय की सोनिया गांधी से यह पहली मुलाकात थी, जबकि राहुल गांधी उनकी शपथ ग्रहण कार्यक्रम में शामिल हुए थे। तमिलनाडु में ऐतिहासिक जीत हासिल करने वाले थलापति विजय की कांग्रेस नेतृत्व के साथ यह बैठक ऐसे समय में हो रही है, जब लोकसभा का मुख्य विपक्षी दल अपने गठबंधन को मजबूत करने में लगा हुआ है। विजय की वजह से तमिलनाडु में कांग्रेस की दशकों पुरानी साथी डीएमके नाराज चल रही है। ऐसे में राहुल और सोनिया गांधी की विजय से मुलाकात तमिल वेत्री कड़गम के लिए इंडिया गठबंधन के रास्ते खोल सकता है। हालांकि, विजय पहले ही कांग्रेस के प्रति अपना झुकाव प्रदर्शित कर चुके हैं। तमिलनाडु में वह कांग्रेस के साथ सत्ता में हैं इसके अलावा उन्होंने राज्यसभा की एक सीट भी कांग्रेस को दी है। बता दें, इससे पहले मुख्यमंत्री के रूप में पहली बार दिल्ली आए थलापति विजय प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद वापस चले गए थे। उस वक्त यह खबरें थीं कि वह राहुल गांधी और सोनिया गांधी के मुलाकात करेंगे, लेकिन तब ऐसा संभव नहीं हो पाया था। तब से लेकर अब तक कांग्रेस और टीवीके के बीच के रिश्ते और भी ज्यादा मजबूत हो चुके हैं। ऐसे में अब सीएम विजय राहुल गांधी और सोनिया गांधी से मुलाकात करने आए हैं।

इंडिया गठबंधन को मजबूत करने की कोशिश में कांग्रेस

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय और कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सोनिया गांधी के बीच यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है, जब मुख्य विपक्षी गठबंधन 'इंडिया ब्लॉक' लगातार अपनी स्थिति को मजबूत करने की कोशिश करता नजर आ रहा है। हालांकि, विजय को समर्थन देने के चक्कर में कांग्रेस से उसका दशकों पुराना साथी डीएमके छूट गया है। उसी कमी को पूरा करने के लिए कांग्रेस पार्टी टीवीके की तरफ देख रही है। हालांकि, अपना पहला चुनाव लड़कर ऐतिहासिक जीत हासिल करने वाले विजय ने अभी तक इंडिया गठबंधन के लिए हामी नहीं भरी है। लेकिन कांग्रेस के प्रति उनका झुकाव सार्वजनिक है। पहली बार चुनाव जीतकर सत्ता में आई विजय की पार्टी ने कांग्रेस के प्रति अपना आभार जताने के लिए उसके दो विधायकों को मंत्रिमंडल में शामिल किया है। इसके अलावा राज्य की एक राज्यसभा सीट भी कांग्रेस के नाम कर दी है। टीवीके के इन फैसलों को लेकर डीएमके का आरोप है कि विजय की पार्टी सीधे भाजपा से उलझने से कतरा रही है।

नेपाल सरकार का फैसला: भारत के आम-केले पर बैन

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

पड़ोसी राष्ट्र नेपाल में बालेन सरकार के सत्ता में आते ही उनके द्वारा लिए गए कई फैसलों ने भारत-नेपाल मैत्री व्यवस्था में बनी मिठास को फीका कर दिया है। नेपाल सरकार द्वारा कृत्रिम रूप से (दवा देकर) पकाए जाने वाले फलों, जैसे आम और केला पर प्रतिबंध का असर दोनों देशों के बीच कारोबार करने वाले व्यापारियों पर पड़ने लगा है।

व्यापारियों को झटका

पूर्व में आम और केला नेपाल के व्यापारी आसानी से सीमावर्ती बाजारों से खरीदकर नेपाल ले जाते थे, जिससे व्यवसाय करने वाले व्यापारियों की आर्थिक स्थिति मजबूत होती थी, लेकिन नेपाल सरकार द्वारा एकाएक लिए गए प्रतिबंध के फैसले ने दोनों देशों के सीमावर्ती क्षेत्रों में व्यापार करने वाले व्यापारियों को आर्थिक रूप से कमजोर कर दिया है।

इंडोनेशिया में सेना की आलोचना करने वाले एक्टिविस्ट पर एसिड अटैक

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

इंडोनेशिया में मानवाधिकार कार्यकर्ता और वकील Andrie Yunus पर हुए तेजाब हमले के मामले में सैन्य अदालत ने चार सैन्य अधिकारियों को दोषी ठहराते हुए जेल की सजा सुनाई है। यह मामला देश में सैन्य जवाबदेही और मानवाधिकारों को लेकर नई बहस का कारण बन गया है। मार्च में राजधानी Jakarta में हुए इस हमले में एंड्री यूनुस गंभीर रूप से घायल हो गए थे और उनकी दाहिनी आंख को स्थायी नुकसान पहुंचा था। अदालत के अनुसार, यूनुस पर उस समय हमला किया गया जब वह सेना के बढ़ते राजनीतिक प्रभाव पर एक पॉडकास्ट रिकॉर्ड करने के बाद मोटरसाइकिल से घर लौट रहे थे। हमलावरों ने उनके चेहरे पर हाइड्रोक्लोरिक एसिड फेंक दिया, जिससे उनका चेहरा बुरी तरह झुलस गया और आंख की रोशनी प्रभावित हुई। यूनुस मानवाधिकार संगठन KontraS के वरिष्ठ कार्यकर्ता हैं और लंबे समय से सैन्य दंडमुक्ति तथा नागरिक स्वतंत्रताओं से जुड़े मुद्दों पर सक्रिय रहे हैं।

हिंदमाता एंकर: ट्रक में छिपाया था नशे का जखीरा...

हरियाणा में सबसे बड़ी कार्रवाई; 4.5 करोड़ की अफीम सहित चालक पकड़ा

हिंदमाता नेटवर्क @ सिरसा

प्रदेश के इतिहास में सिरसा जिले में नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सिरसा पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। थाना डिंग पुलिस एवं राजस्थान पुलिस की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए करीब साढ़े 4 करोड़ रुपये मूल्य की 88 किलो 970 ग्राम अफीम बरामद कर एक ट्रक चालक को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई सिरसा जिले के इतिहास में अफीम तस्करी के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाइयों में से एक मानी जा रही है।

■ मामले की जानकारी देते हुए डीएसपी राज सिंह ने बताया कि डिंग थाना पुलिस और राजस्थान पुलिस की टीम एनएच-9 स्थित टोल प्लाजा के निकट नाकाबंदी के दौरान एक ट्रक चालक को काबू किया गया जिसके ट्रक से नशे की ये खेप बरामद की गई। डीएसपी राज सिंह ने बताया कि ट्रक की गहन जांच के दौरान ट्रक के नीचे लोहे की एंगल से विशेष रूप से तैयार किए गए गुप्त बॉक्स मिले। इन बॉक्सों में 95 पैकेटों में छिपाकर रखी गई 88 किलो 970 ग्राम अफीम बरामद की गई। इसके अलावा आरोपी के कब्जे से 40 हजार रुपए नकद भी बरामद किए गए।

■ बता दें कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान किशना राम पुत्र छोगा राम निवासी बिश्नोइयां की ढाणी भाणिया, तहसील राणावास, थाना शिवपुरा, जिला पाली (राजस्थान) के रूप में हुई है। बरामद अफीम की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब साढ़े चार करोड़ रुपए आंकी गई है। डीएसपी राज सिंह ने बताया कि इस संबंध में थाना डिंग में आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया है कि वह अफीम की यह खेप पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी क्षेत्र से लेकर आया था और इसे राजस्थान के जोधपुर में सप्लाई किया जाना था। पुलिस आरोपी को अदालत में पेश कर रिमांड पर लेगी, ताकि इस तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जा सके।

बीजेपी के 225 विधायकों का टिकट कटेगा

यूपी चुनाव को लेकर अखिलेश का दावा

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में अब कुछ ही महीने का समय बचा है और सियासी तापमान बढ़ने लगा है। सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और सूबे के मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) के नेताओं में जुबानी जंग भी जोर पकड़ती दिख रही है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने यूपी चुनाव को लेकर बीजेपी विधायकों के टिकट को लेकर बड़ा दावा किया है। बीजेपी ने अखिलेश के बयानों की तुलना हास्य कलाकारों के डायलॉग से कर दी है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट किया है। इस पोस्ट में अखिलेश यादव ने लिखा है- सुना है इलाहाबाद की सभी सीटों पर बीजेपी अपने प्रत्याशी बदलने जा रही है, क्योंकि बीजेपी को लगता है कि ये सारे विधायक केवल खाने-कमाने में लगे रहे और लोकसभा सीट हाथ से निकल गई। उन्होंने आगे लिखा कि यही फामूर्ला यूपी की उन सभी 43 लोकसभा सीटों पर लागू किया जा रहा है, जहां इंडिया गठबंधन की जीत हुई थी। अखिलेश यादव ने यह भी लिखा है कि यही फॉमूर्ला उन नौ से 10 सीटों पर भी लागू होगा, जहां बीजेपी हेरफेर करके सर्टिफिकेट से जीती थी, वोट से नहीं। उन्होंने अपनी इसी पोस्ट में आगे लिखा- इसका मतलब तो ये हुआ कि लगभग 225 सीटों पर प्रत्याशी बदले जाएंगे। समाजवादी पार्टी के सूत्रों की मानें तो विपक्षी दल की नजर बीजेपी, आरएलडी और सुभासपा समेत दूसरी पार्टियों के ऐसे नेताओं पर है, जो चुनाव पास आने पर पाला बदल सकते हैं। सपा के कुछ नेता ऐसे नेताओं के संपर्क में लगातार बने हुए भी हैं। वहीं, अखिलेश के दावे पर पलटवार करते हुए बीजेपी प्रवक्ता मनीष शुक्ला ने कहा है कि यूपी की जनता जिस गंभीरता से फिल्मों में हास्य कलाकारों के डायलॉग को लेती है, उसी तरीके से राजनैतिक क्षेत्र में अखिलेश यादव के बयानों को लेती है। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव ने जब से समाजवादी पार्टी की कमान संभाली है, हर चुनाव में सपा के विधायक क्रॉस वोटिंग करते हैं। बीजेपी प्रवक्ता ने कहा कि अखिलेश यादव से अपना घर संभल नहीं रहा, दूसरे के घर में ताक-झांक करने का दावा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी का कार्यकाल उत्तर प्रदेश की जनता को याद है। किस तरीके से हर तीसरे दिन दंगे होते थे, अपराधी और माफिया सरकार चलाया करते थे।

राम मंदिर में चढ़ावा कांड को लेकर मचा घमासान

अखिलेश यादव ने दागे 11 सवाल, कहा- सरगना कहां छिपा बैठा है?

अखिलेश यादव ने 11 सवाल उठाए और उनके जवाब मांगे-

1. कौन है इन सबके पीछे, जो देश की सनातनी आस्था से खिलवाड़ कर रहा है?
2. चढ़ावे में चोरी का पाप करनेवालों को कौन बचा रहा है?
3. इस अपराध के तार किन-किन लोगों से जुड़े हैं और कितनी दूर तक जाते हैं?
4. कौन ऐसा अधर्मी है, जिसके हाथ में इस पूरे कांड की लगाम है?
5. इस घपले का सरगना कहाँ छिपा बैठा है?
6. इस घोटाले में किस-किस की हिस्सेदारी है?
7. इस कांड के खुलने के पीछे चोरी के पैसों के बँटवारे की लड़ाई मुख्य कारण है या कुछ प्रभावशाली लोगों की आपसी प्रतिस्पर्धा?
8. पैसे गिनने जैसे संवेदनशील कार्य में ट्रस्ट व सरकारी बैंक के बीच निजी कंपनियों का खेल किसने खेला और उसका छिपा मंसूबा क्या है?
9. सीसीटीवी का प्रमाण सार्वजनिक करके मामले की सच्चाई बताने में क्या परेशानी है?
10. डबल इंजन अब कहाँ हैं?
11. डबल इंजन क्या सिर्फ डबल ईंधन का उपभोग करने के लिए हैं या उनकी कोई ज़िम्मेदारी भी है?

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राम मंदिर में चढ़ावा चोरी कांड को लेकर एक बार फिर भाजपा सरकार और श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट पर निशाना साधा है। उन्होंने मामले में सीसीटीवी फुटेज सार्वजनिक कर मामले की निष्पक्ष जांच, जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित करने की बात कही। राम मंदिर चढ़ावा चोरी कांड को लेकर अखिलेश ने सरकार पर कई सवाल दागे। बता दें कि अखिलेश यादव ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लगातार तीसरी बार यह मुद्दा उठाया। इसे चढ़ावा चोरी कांड का नाम देते हुए भाजपा सरकार और श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से उन्होंने 11 सवाल भी पूछे और जवाब मांगे।

भाजपाइयों की घिग्घी बंध गई है

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने राम मंदिर दान विवाद को चढ़ावा चोरी कांड करार देते हुए लिखा- आखिर ट्रस्टी कहना क्या चाहते हैं यह किसी को समझ नहीं आ रहा है। हेराफेरी में संलिप्त लोगों के पकड़े जानें की खबरें मीडिया में आ तो रही हैं। लेकिन पुलिस न जाने किसके दबाव में आकर खंडन कर रही है। जनता के आक्रोश को देखकर पूरे देश के भाजपाइयों की घिग्घी बंध गई है। अखिलेश ने आरोप लगाया कि भाजपा इस मसले की आपराधिक गतिविधियों से पल्ला झाड़ रही है।

शॉर्ट स्टोरी

टेंडर माफिया रिशु श्री से जुड़े लोगों पर बड़ा एक्शन, तीन बड़ी गिरफ्तारियां

हिंदमाता नेटवर्क @ पटना

पटना में टेंडर माफिया रिशु श्री से जुड़े सिंडिकेट पर स्पेशल विजिलेंस यूनिट ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई की है। इस पूरे मामले में एक आईएएस अधिकारी समेत तीन प्रभावशाली लोगों को गिरफ्तार किया गया है। छापेमारी के दौरान इन लोगों के पास से करीब 11 करोड़ रुपये की भारी-भरकम नकदी बरामद की गई है। इसके साथ ही आईएएस संजीव हंस के ठिकानों पर भी लगातार दबिश दी जा रही है। स्पेशल विजिलेंस यूनिट ने इस मामले में तीन बड़ी गिरफ्तारियां की हैं। इसमें सबसे बड़ा नाम आईएएस अधिकारी मुमुक्षु चौधरी का है, जो वर्तमान में वित्त विभाग में जॉइंट सेक्रेटरी के पद पर तैनात हैं। इनके अलावा नगर विकास विभाग में तैनात इंजीनियर उमेश कुमार सिंह और भवन निर्माण विभाग के चीफ इंजीनियर तारिणी दास को भी गिरफ्तार किया गया है। इन तीनों अधिकारियों पर टेंडर माफिया रिशु श्री के साथ मिलकर सरकारी ठेकों में हेरफेर करने का गंभीर आरोप है। जांच एजेंसियों का मानना है कि ये मामला सिर्फ कुछ लोगों तक सीमित नहीं है। इस पूरे महाघोटाले के तार बिहार के बेहद सीनियर आईएएस अधिकारी संजीव हंस से भी जुड़े हुए हैं, जिनके ठिकानों पर एसवीयू की टीम लगातार दबिश दे रही है। फिलहाल, वे राज्य से बाहर बताए जा रहे हैं। रिशु श्री की गिरफ्तारी के बाद सरकारी टेंडरों में कथित गड़बड़ियों का बड़ा नेटवर्क सामने आया था। छापेमारी के दौरान कई सरकारी दस्तावेज, लेन-देन के रिकॉर्ड, मोबाइल चैट और कॉल डिटेल्स मिली थीं। इन दस्तावेजों के आधार पर कई अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका की जांच शुरू की गई थी। पहले भी कुछ अधिकारियों के नाम सामने आने के बाद उनके खिलाफ कार्रवाई की गई थी।

लुट गया 12 करोड़ के मोबाइल फोन से भरा ट्रक, ड्राइवर ,खलासी गायब

हिंदमाता नेटवर्क @ अररिया

बिहार के अररिया जिले में करीब 12 करोड़ रुपये मूल्य के मोबाइल फोन से भरे ट्रक की संदिग्ध लूट और ड्राइवर-खलासी के गायब होने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। घटना ने पुलिस और प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मचा दिया है।मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने एसआईटी यानी विशेष जांच दल का गठन कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार विभिन्न कंपनियों के 1100 से अधिक पैकेट विभिन्न कंपनियों के मोबाइल फोन लेकर एक कंटेनर उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा से असम के गुवाहाटी जा रहा था। इसी दौरान मोबाइल से भरा ट्रक संदिग्ध परिस्थितियों में गायब हो गया और उसके साथ ड्राइवर एवं खलासी का भी कोई पता नहीं चल सका। बताया जाता है कि अररिया जीरो माइल के समीप इस मामले की जानकारी सामने आई, जिसके बाद पुलिस हरकत में आई।हालांकि अब तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि लूट की वास्तविक घटना कहां हुई। पुलिस विभिन्न पहलुओं पर जांच कर रही है। इस मामले में ट्रांसपोर्ट कंपनी के संचालक के आवेदन पर अररिया नगर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। मामले की पुष्टि करते हुए अररिया के पुलिस अधीक्षक जितेंद्र कुमार ने बताया कि मोबाइल फोन से लदा ट्रक ग्रेटर नोएडा से गुवाहाटी जा रहा था। जांच के दौरान अररिया जीरो माइल के पास ट्रक बरामद किया गया है। पुलिस ने ट्रक की आवाजाही से जुड़े कई टोल प्लाजा के सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की जांच की है। प्रारंभिक जांच में यह संकेत मिले हैं कि घटना उत्तर प्रदेश के अयोध्या और गोरखपुर के बीच कहीं घटित हुई हो सकती है। एसपी ने बताया कि मामला अंतरराज्यीय प्रकृति का है, इसलिए सभी संभावित बिंदुओं पर गहन जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि पूरे मामले के खुलासे के लिए एसआईटी गठित कर दी गई है और पुलिस की कई टीमें सक्रिय रूप से जांच में जुटी हैं।

शादी के 3 घंटे बाद हो गया खेल: दूल्हा इंतजार करता रहा, दुल्हन गायब

हिंदमाता नेटवर्क @ गया

ये कहानी गया के बेलागंज थाना क्षेत्र के दरियापुर गांव की है। यहां शादी के 3 घंटे बाद ही जेवरात और कैश लेकर दुल्हन परिजनों के साथ गायब हो गई। जब दूल्हे को पता चला तो वह बेबस और परेशान नजर आया। दूल्हा गणेश साव ने अपने परिजनों के साथ थाने पहुंचकर दुल्हन और उसके परिजनों के खिलाफ धोखाधड़ी और ठगी की शिकायत दर्ज कराई है। राजस्थान के टोंक जिले के रहने वाले गणेश साव को एक मध्यस्थ ने शादी के लिए लड़की का फोटो दिखाया था। लड़की पसंद आ गई तो बात आगे बढ़ी। लड़की पक्ष के लोगों ने लड़के के परिजनों से कैश और दुल्हन के लिए सोने का मंगलसूत्र, अंगूठी, पायल, कपड़े सहित अन्य चीजों की डिमांड कर दी और शादी की बात फाइनल कर दी। लड़का पक्ष ने सारा सामान तैयार किया और शादी के लिए बिहार के गया जिले पहुंच गए। लड़की पक्ष ने लड़के के परिजनों को बेलागंज के दरियापुर गांव में बुलाया था। लड़का पक्ष गांव पहुंचा तो लड़की पक्ष ने शादी के लिए तय राशि की डिमांड की। इसके बाद दूल्हा गणेश साव ने दुल्हन पक्ष को शादी के तय किए गए एक लाख दस हजार रुपये दिए। सोमवार की देर रात हिंदू रीति रिवाज के अनुसार, शादी की सभी रस्में पूरी की गईं। इसके बाद दुल्हन पक्ष ने दुल्हन की विदाई का समय मंगलवार को तय कर दिया। वहीं दूल्हे के परिजनों को गांव में ही एक जगह रात में ठहरा दिया। अगले दिन सुबह दूल्हा परिजनों के साथ विदाई के लिए दुल्हन के घर पहुंचा तो देखा कि वहां ताला लगा हुआ है, और दुल्हन और परिजन गायब हैं। दूल्हा पक्ष के लोगों ने गांव और आसपास दुल्हन और उसके परिजनों की खोजबीन की, लेकिन कोई पता नहीं चला। जब दूल्हे को एहसास हुआ कि उसके साथ धोखाधड़ी और ठगी की गई है तो उसने डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी।

यूपी के बहराइच में भीषण सड़क हादसा

बस और ट्रक की सीधी भिड़ंत में 4 की मौत; मची चीख-पुकार

हिंदमाता नेटवर्क @ बहराइच

उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में बुधवार को एक तेज रफ्तार ट्रक और यात्रियों से भरी बस के बीच आमने-सामने की भीषण भिड़ंत हो गई। इस दर्दनाक हादसे में अब तक चार लोगों की मौत की हो चुकी है, जबकि दस अन्य यात्री गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई।

कैसे हुआ हादसा

जानकारी के मुताबिक, लखनऊ से रुपईडीहा जा रही सवारियों से भरी रोडवेज बस को तेज रफ्तार ट्रक ने सामने से टक्कर मार दी। इस टक्कर के बाद दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। शुरूआती जानकारी के अनुसार, बस में सवार कई यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिन्हें हरदी पुलिस ने मेडिकल कॉलेज में इलाज के लिए भर्ती करवाया, जहां 3 यात्रियों की हालत बेहद नाजुक बताई जा रही है। इस घटना में चार लोगों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि रोडवेज बस लखनऊ से बहराइच होते हुए रुपईडीहा जा रही थी। भगवानपुर चौराहे के करीब सामने से आ रहे तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रक ने बस को टक्कर मार दी।

घायलों को जिला अस्पताल रेफर किया गया

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। घायलों को तत्काल उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रमपुरवा भेजा गया। गंभीर रूप से घायल लोगों को बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर किया गया।

हादसे के कारणों की जांच शुरू

पुलिस अधीक्षक विश्वजीत चौधरी ने बताया कि अभी तक चार लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 10 लोग घायल हुए है। इनमें से तीन की हालत बहुत नाजुक बनी हुई है। सभी घायलों का इलाज बहराइच मेडिकल कॉलेज में चल रहा है। जहां डॉक्टरों और चिकित्सा कर्मियों द्वारा उनका उपचार किया जा रहा है। बहराइच पुलिस ने भी जानकारी देते हुए कहा कि हादसे के बाद सभी घायलों को तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई गई और वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल पर रह कर स्थिति की जांच में लगे हुए है। साथ ही हादसे के कारणों का भी पता लगाया जा रहा है।

मां के ब्रह्मभोज के दिन ही दो भाइयों में खूनी संघर्ष, खर्च को लेकर हुई कहासुनी, फिर दाग दी गोली

हिंदमाता नेटवर्क @ आजमगढ़

गोरखपुर के पिपराइच थाना क्षेत्र में जंगलथूषण बड़की रेतवाहिया गांव से मंगलवार को बेहद चौंकाने वाली खबर सामने आई। गांव के ही दो भाईयों में मां के ब्रह्मभोज में हुए खर्च और संपत्ति के विवाद ने खूनी रूप ले लिया। विवाद बढ़ने पर बड़े भाई ने अपने छोटे भाई को ही गोली मार दी। इससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना से पूरे गांव में हड़कंप मच गया। छोटे भाई की मौत के बाद पूरे परिवार में मातम छा गया।

गुस्से में चलाई गोली

आरोप है कि दोनों भाइयों में विवाद इतना बढ़ गया कि बड़े भाई दुर्विजय ने गुस्से में आकर छोटे भाई शुभम पर गोली चला दी। गोली शुभम के सीधे सीने लगी। इससे शुभम तुरंत जमीन पर गिर पड़ा और तड़पने लगा। गोली चलते ही आस-पास अफरा-तफरी मच गई। आनन-फानन में परिजनों ने उसे मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। वहां उपचार के दौरान चिकित्सकों ने शुभम को मृत घोषित कर दिया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, गांव दो भाई शुभम और दुर्विजय के बीच मंगलवार को मां के ब्रह्मभोज में हुए खर्च पर बातचीत हो रही थी। दोनों में रुपये को लेकर विवाद शुरू हो गया। गांव वालों के अनुसार दोनों भाइयों में पहले से ही संपत्ति को लेकर भी विवाद चल रहा था।

शादी के दो महीने बाद पति चला गया दुबई

नाराज पत्नी ने फंदे से लटककर दी जान

हिंदमाता नेटवर्क @ आजमगढ़

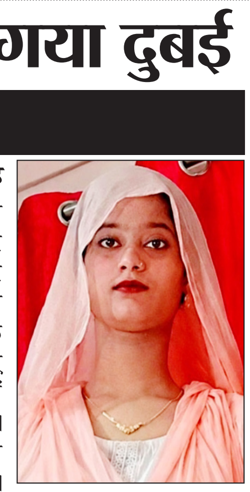

राजापुर सिकरौर गांव में विवाहिता अरहमा (21) ने कमरे में दुपट्टे के सहारे फंदा लगाकर जान दे दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मेंहनगर थाना क्षेत्र के विषहम गांव निवासी रुहुलहुदा की बेटी अरहमा की शादी 15 महीने पहले सरायमीर थाना क्षेत्र के राजापुर सिकरौर गांव निवासी शैफ से हुई थी। शादी के दो महीने बाद ही वह नौकरी करने के लिए दुबई चला गया। इसी बीच अरहमा ने एक बच्चे को जन्म दिया। अरहमा पति शैफ को हमेशा घर आने के लिए कहती थी लेकिन पति उसकी बात को टाल देता था। इसी बात के लिए पति-पत्नी के बीच कलह होती थी। नाराज अरहमा ने मंगलवार की सुबह करीब नौ बजे कमरे में दुपट्टे का फंदा बनाकर झूल गई। घटना की सूचना मिलने के बाद पिता रुहुलहुदा मौके पर पहुंचे। सरायमीर थाना प्रभारी भुवनेश कुमार चौबे ने बताया कि विवाहिता ने पारिवारिक कलह के कारण आत्महत्या की है। विवाहिता के पिता की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज की गई है।

'भाई ने मेरे पति को मार डाला, मम्मी-जीजा-मौसा खड़े देखते रहे'

हिंदमाता नेटवर्क @ शामली

शामली जिले के बाबरी थाना क्षेत्र के निवासी शिव कुमार अपनी पत्नी आकांक्षा को मंगलवार को सहारनपुर के रामपुर मनिहारान स्थित गोचर इंटर कॉलेज में उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती परीक्षा दिलाने लाए थे। परीक्षा खत्म होने के बाद जब दोनों स्कॉर्पियो गाड़ी से वापस लौट रहे थे, तभी परीक्षा केंद्र से कुछ ही दूरी पर हाईवे के पास घात लगाए बैठे हमलावरों ने गाड़ी की खिड़की से शिव कुमार के सिर में बिल्कुल सटाकर गोली मार दी। प्रेम विवाह से नाराज आकांक्षा के भाई और अन्य परिजनों ने मिलकर इस खौफनाक वारदात को अंजाम दिया, जिससे अस्पताल में डॉक्टरों ने शिव कुमार को मृत घोषित कर दिया।

शादी के महज 4 महीने बाद उजड़ गया सुहाग

मृतक शिव कुमार के भाई शिवम कुमार ने भी आकांक्षा के परिवार पर इस हत्या का सीधा आरोप लगाया है। प्रेम विवाह के महज तीन-चार महीने बाद ही इस खौफनाक वारदात से हंसता-खेलता परिवार पूरी तरह बिखर गया। पुलिस के आला अधिकारियों ने भारी बल के साथ मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

बदहवास पत्नी आकांक्षा ने बयां किया खौफनाक मंजर

इस दर्दनाक हादसे के बाद बदहवास हुई पत्नी आकांक्षा ने रोते हुए मीडिया और पुलिस के सामने अपने मायके वालों पर बेहद गंभीर आरोप लगाए। आकांक्षा ने बताया, "मैंने तीन-चार महीने पहले गांव के ही शिव कुमार से लव मैरिज की थी, तभी से मेरे घरवाले हमारी जान के दुश्मन बने हुए थे और हमें फोन पर प्रताड़ित कर रहे थे।"

'भाई ने गोली मारी, पूरा परिवार वहां मौजूद था'

आकांक्षा ने रोते हुए कहा, "गोचर इंटर कॉलेज में मेरा पेपर था और वहां मेरे घर के सारे लोग पहुंचे थे। जब हम गाड़ी से वापस जा रहे थे, तो रास्ते में उन्होंने मेरे आदमी की खिड़की में सटाकर गोली मार दी। गोली मेरे भाई ने मारी, लेकिन वहां मेरी मम्मी बिमला, बहन, जीजा, मौसा और बाइक पर आए मामा करमवीर, धर्मवीर और परमजीत भी मौजूद थे। वे कह रहे थे कि अब ये बचने नहीं चाहिए और वे मुझे भी मारने की कोशिश कर रहे थे।" आकांक्षा ने सभी दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

पुलिस जांच में जुटी, आरोपियों की तलाश तेज

घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए एसपी सिटी व्योम बिंदल ने घटनास्थल का मुआयना किया और बताया कि फोरेंसिक टीम ने मौके से जरूरी साक्ष्य जुटा लिए हैं। परिजनों की तहरीर के आधार पर सुसंगत धाराओं में केस दर्ज किया जा रहा है। वारदात को अंजाम देकर फरार हुए आरोपी

खुदाई में मिला मुगलकालीन घड़ा, छूते ही टूटा

चांदी का खजाना देख चौंधिया गईं लोगों की आंखें

हिंदमाता नेटवर्क @ कुशीनगर

उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले से एक बेहद हैरान और रोमांचित करने वाला मामला सामने आया है। यहां तरयासुजान क्षेत्र के एक खेत में मिट्टी की खुदाई के दौरान पीतल का एक प्राचीन घड़ा मिला, जिसमें चांदी के सैकड़ों ऐतिहासिक सिक्के भरे हुए थे। घड़ा बाहर निकलते ही टूट गया और कीमती सिक्के खेत में बिखर गए। जैसे ही यह खबर फैली, पूरे इलाके में सनसनी मच गई और सिक्कों को समेटने के लिए ग्रामीणों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। हालात इस कदर बेकाबू हो गए कि लोग देर रात तक कुदाल लेकर खेत खोदते रहे। बाद में पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला। यह दिलचस्प घटना तरयासुजान थाना क्षेत्र के ग्राम सभा गोपालपुर के टोला ओझवलिया की है। यहां के रहने वाले राधेश्याम वर्मा के खेत में मिट्टी की खुदाई का काम चल रहा था। इसी दौरान जमीन के भीतर दबा एक पुराना पीतल का घड़ा मिला। घड़ा काफी जर्जर हो चुका था, जिसके कारण वह बाहर आते ही टूट गया और उसमें छिपे चांदी के प्राचीन सिक्के जमीन पर बिखर गए। प्रारंभिक जांच और सिक्कों की बनावट को देखकर अनुमान लगाया जा रहा है कि ये सिक्के लगभग वर्ष 1640 ईस्वी (मुगल काल) के हैं। इन सिक्कों पर अरबी, उर्दू या फारसी लिपि में कुछ लिखावट अंकित है, जिससे इनके प्राचीन और ऐतिहासिक महत्व के होने की पूरी संभावना जताई जा रही है। हालांकि, इन सिक्कों के वास्तविक कालखंड और ऐतिहासिकता की सटीक पुष्टि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगी।

रात के अंधेरे में कुदाल लेकर जुटे ग्रामीण, मची लूट

खेत में प्राचीन खजाना मिलने की बात आग की तरह पूरे गांव और आसपास के इलाकों में फैल गई। देखते ही देखते मौके पर सैकड़ों ग्रामीणों का हुजूम इकट्ठा हो गया। सिक्कों को अपने कब्जे में लेने के लिए लोगों के बीच होड़ मच गई। खेत मालिक राधेश्याम वर्मा के अनुसार, घड़ा टूटने के बाद वहां मौजूद ट्रैक्टर चालकों और ग्रामीणों ने अधिकांश सिक्के उठा लिए। स्थिति यह थी कि घटना के बाद देर रात तक ग्रामीण टॉर्च की रोशनी में कुदाल लेकर खेत की खुदाई करते रहे ताकि उनके हाथ भी कुछ सिक्के लग सकें।

हिंदमाता एंकर: खाद के लिए किसान बेहाल दिखाई दे रहे हैं, लेकिन उत्तर प्रदेश से राहत भरी खबर है, यहां फिलहाल खाद का किसी तरह का संकट दिखाई नहीं दे रहा है

यूपी में नहीं खाद का संकट लेकिन कालाबाजारी से किसान परेशान!

हिंदमाता संवाददाता @ लखनऊ

इन दिनों देश के कुछ राज्यों में खाद का संकट पैदा हो गया है। खाद के लिए किसान बेहाल दिखाई दे रहे हैं, लेकिन उत्तर प्रदेश से राहत भरी खबर है। यहां फिलहाल खाद का किसी तरह का संकट दिखाई नहीं दे रहा है। हालांकि, धान का सीजन है और इस सीजन में किसानों को खाद की बड़ी मात्रा की जरूरत होती है। कुछ जिलों में खाद की ब्लैक मार्केटिंग की भी खबरें आ रही हैं। हमने यूपी के कुछ जिलों में खाद संकट पर रियलिटी चेक किया। आइए जानते हैं उत्तर प्रदेश के अलग-अलग जिलों में खाद की उपलब्धता को लेकर क्या हाल है।

चंदौली में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है खाद

पूर्वी उत्तर प्रदेश के चंदौली को धान का कटोरा कहा जाता है। यहां धान की बेहतरीन उपज होती है। यहां के किसान सामान्य चावल तो उगाते ही हैं, साथ ही यहां ब्लैक राइस की भी खेती पिछले कई सालों से की जा रही है। अगर चंदौली की बात करें तो यहां पर अभी लोग धान की नर्सरी डाल रहे हैं। ऐसे में फिलहाल उन्हें बड़ी मात्रा में खाद की जरूरत नहीं दिखाई दे रही है। चंदौली के उन्नतशील किसान रतन कुमार सिंह बताते हैं कि इन दिनों धान की नर्सरी डाली जा रही है और कुछ दिनों बाद धान की रोपाई शुरू होगी। ऐसे में रोपाई के वक्त हमें खाद की जरूरत पड़ेगी। वहीं, चंदौली के जिला कृषि अधिकारी विनोद यादव का कहना है कि जनपद में प्रचुर मात्रा में यूरिया सहित तमाम उर्वरक उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि जनपद में कुल 485 उर्वरक वितरण केंद्र हैं और लगभग 86 सोसाइटियों के माध्यम से भी उर्वरक का वितरण कराया जाता है। ऐसे में हमारी कोशिश है कि प्रत्येक वितरण केंद्र और समिति पर खाद की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जाए, ताकि किसानों को खाद का संकट न झेलना पड़े।

पीलीभीत मे अधिकारियो का दावा, नहीं है खाद की किल्लत !

पीलीभीत में खाद की किल्लत सरकारी आकड़ों में तो नहीं है लेकिन किसानों का कहना है कि उनको उनकी जरूरत के हिसाब से खाद नहीं मिल रही है। एक एकड़ में साल में दो कट्टे खाद के किसानों को दिए जाने हैं, लेकिन जिन किसानों को यूरिया की जरूरत ज्यादा है, उनको जरूरत के हिसाब से नहीं मिल रहा है। अगर चार एकड़ खेती है तो भी सिर्फ 3 ही कट्टे साल भर में खाद के मिल रहे हैं। किसानों का कहना है खाद मिल रही है, लेकिन इतने में हमारी जरूरत पूरी नहीं हो पा रही है। वहीं, विभाग की मानें तो उनके पास पर्याप्त खाद मौजूद है। पीलीभीत के उप कृषि निदेशक ने बताया हमारे पास 33 हजार मीट्रिक यूरिया है, कुछ किसान पूरे सीजन की खाद एक साथ लेना जाना चाहता है, जितनी जरूरत है उतना ले। नियम है कि एक हेक्टयर में 7 बोरी यूरिया, 5 बैग डीएपी दी जाएगी, प्राइवेट दुकानों टेगिग हो रही है इस पर अधिकारी ने कहा अगर कोई प्राइवेट संस्था ऐसा करती है तो उसका लाइसेंस निरस्त कर दिया जाएगा।

सहारनपुर में पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है खाद

सहारनपुर में किसानों के लिए खाद की पर्याप्त उपलब्धता बनी हुई है और किसी प्रकार की कमी की स्थिति नहीं है। कृषि विभाग के डिप्टी कृषि अधिकारी धर्मेंद्र पुंडीर के अनुसार, 10 जून तक जिले में 17,964 मीट्रिक टन यूरिया, 6,803 मीट्रिक टन डीएपी तथा 2,439 मीट्रिक टन एनपीके खाद का स्टॉक उपलब्ध है। खरीफ सीजन को देखते हुए प्रशासन लगातार खाद भंडारों की निगरानी कर रहा है। अधिकारियों का कहना है कि किसानों को जरूरत के अनुसार खाद उपलब्ध कराई जा रही है और आपूर्ति व्यवस्था सुचारु बनी हुई है। जिले में फिलहाल यूरिया, डीएपी और एनपीके की कोई कमी नहीं है।

पाकिस्तान में सेना का एमआई-17 हेलीकॉप्टर क्रैश

उड़ान भरने के बाद हादसे का शिकार, कई जवानों की मौत

हिंदमाता नेटवर्क @ इस्लामाबाद

पाकिस्तान के मुजफ्फराबाद में सेना का एमआई-17 हेलीकॉप्टर उड़ान भरने के कुछ देर बाद क्रैश हो गया। हादसे में हेलीकॉप्टर में सवार सेना के सभी जवानों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि तकनीकी खराबी या यांत्रिकी गड़बड़ी के चलते ये हादसा हुआ है। घटना के बाद पाक सेना ने राहत बचाव कार्य शुरू कर दिया गया है। मुजफ्फराबाद में मंगलवार को पाकिस्तानी सेना का एमआई-17 हेलीकॉप्टर ने उड़ान भरी थी। लेकिन टेकऑफ के तुरंत बाद नियंत्रण खो बैठा और क्रैश हो गया। शुरूआती रिपोर्टों में किसी भी व्यक्ति के जीवित बचने की सूचना नहीं है, हालांकि अधिकारियों की ओर से अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। घटना के बाद राहत एवं बचाव दलों को मौके पर भेजा गया है। हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। फिलहाल इस हादसे की जांच के लिए जांच के लिए बोर्ड ऑफ इंक्वायरी गठित की गई है।

सभी जवान मारे गए, सेना प्रमुख मुनीर ने जताया दुख

क्रढफने एक बयान में कहा कि हेलीकॉप्टर में सवार सभी लोग शहीद हो गए। कोई भी जीवित नहीं बचा। हेलीकॉप्टर में सेना के करीब 21 जवान सवार थे। बयान में यह भी कहा गया कि बचाव और रिकवरी टीमें तुरंत दुर्घटना वाली जगह पर पहुंच गईं। आईएसपीआर ने कहा कि चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज और सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर और सेना के सभी रैंक के अधिकारी कीमती जानों के दुखद नुकसान पर गहरा शोक व्यक्त करते हैं और शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करते हैं। सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने जांच के निर्देश दिए हैं।

एमआई-17 रूस में निर्मित परिवहन हेलिकॉप्टर

एमआई-17 रूस में निर्मित मध्यम क्षमता वाला परिवहन हेलिकॉप्टर है। यह हेलिकॉप्टर एक बार में 30 सैनिकों, 12 स्ट्रेचर या लगभग 4,000 किलोग्राम सामान को ले जाने में सक्षम है। इसके अलावा बाहरी स्लिंग की मदद से यह तीन टन तक का भार भी उठा सकता है। वहीं, इस हादसे पर पाकिस्तान सीओएएस और सीडीएफ ने दुख जताया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान सेना के सभी रैंक के अधिकारी कीमती जानों के दुखद नुकसान पर गहरा शोक व्यक्त करते हैं और शोक-संतप्त परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करते हैं।

हम देंगे करारा जवाब..

ईरान की ओर से यूएस हेलीकॉप्टर को मार गिराने पर भड़के ट्रंप

हिंदमाता नेटवर्क @ वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के हमले को लेकर बड़ा दावा किया है। ट्रंप ने दावा किया है कि ईरान ने अमेरिकी सेना का एक अपाचे हेलीकॉप्टर को मार गिराया है। हालांकि उनके दोनों पायलट बिल्कुल सुरक्षित हैं। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका के लिए इस हमले का जवाब देना जरूरी हो गया है। इसका जवाब दिया जाएगा। मंगलवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में ट्रंप ने कहा कि उन्हें जानकारी मिली है कि पिछली रात, होर्मुज के ऊपर गश्त के दौरान ईरानियों ने अमेरिका के एक एडवांस्ड अपाचे हेलीकॉप्टर को मार गिराया। हालांकि, ट्रंप ने बताया कि हेलीकॉप्टर में सवार दोनों पायलट सुरक्षित हैं और उन्हें कोई चोट नहीं आई है। उन्होंने कहा कि दोनों क्रू सदस्यों को सुरक्षित बचा लिया गया। ट्रंप ने आगे कहा कि अमेरिका को इस हमले का जवाब देना चाहिए। इसका जवाब दिया जाएगा।

ईरान पर बड़ा हमला कर सकते हैं ट्रंप

सोमवार को होर्मुज के पास अमेरिकी सेना के अपाचे गनशिप हेलीकॉप्टर के क्रैश होने की खबरें आई थीं। इसके बाद, ट्रंप ने पुष्टि की कि दोनों क्रू सदस्य सुरक्षित हैं। मंगलवार को ट्रंप ने ईरान द्वारा अमेरिकी अपाचे हेलीकॉप्टर को मार गिराने का दावा किया है। जिसके बाद एक बार फिर दोनों देशों के बीच तनाव की स्थिति गहरा गई है। माना जा रहा है कि ट्रंप ईरान पर जल्द ही बड़ा हमला कर सकते हैं।

एक दिन पहले ट्रंप ने की थी नेतन्याहू से बात

वहीं एक दिन पहले ही, राष्ट्रपति ट्रंप ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से कहा था कि वे ईरान के मिसाइल हमलों का जवाब न दें। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसा करने से पिछले तीन महीनों से चल रहे संघर्ष को खत्म करने के लिए हो रही शांति वार्ता खतरे में पड़ सकती है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, रविवार को ईरान द्वारा इजराइल पर मिसाइलें दागने के बाद ट्रंप ने नेतन्याहू से बात की और उनसे संयम बरतने को कहा। ट्रंप ने ईरान से भी बातचीत की मेज पर लौटने का आग्रह किया।

क्षेत्र में तनाव बढ़ने की आशंका

वहीं, फिलहाल, न तो अमेरिका और न ही ईरान ने इस घटना के बारे में कोई विस्तृत आधिकारिक जानकारी जारी की है। ट्रंप के बयान के बाद इस क्षेत्र में तनाव बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। फिलहाल ईरान की तरफ से ट्रंप के बयान पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

बिजनेस वर्ल्ड

एफडीआई ने बना डाला महा-रिकॉर्ड, 12 साल में भारत में आया 80 लाख करोड़

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि भारत ने 2014-15 और 2025-26 के बीच कुल 843 अरब अमेरिकी डॉलर का विदेशी प्रत्यक्ष निवेश हासिल किया, जो पिछले 12 वर्षों की तुलना में 169 प्रतिशत की वृद्धि है। उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग के संयुक्त सचिव सुमित जरंगल ने कहा कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद, देश ने 2025-26 में 94.53 अरब अमेरिकी डॉलर का ऐतिहासिक एफडीआई हासिल किया, जिसमें 90 प्रतिशत से अधिक इक्विटी निवेश ऑटोमैटिक रूट (बिना सरकारी मंजूरी वाले रास्ते) से आया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मेक इन इंडिया और प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव योजना जैसी प्रमुख पहलों ने निवेश को मैन्युफैक्चरिंग की ताकत में बदला है। 14 रणनीतिक क्षेत्रों में, पीएलआई योजनाओं ने 2.40 लाख करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित किया है, 22.66 लाख करोड़ रुपए का उत्पादन किया है, 15.20 लाख करोड़ रुपए से अधिक का निर्यात किया है और 14 लाख से अधिक नौकरियां पैदा की हैं। सरकार के शासन के 12 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में देशव्यापी अभियान के तहत, जरंगल पिछले दशक में अपने विभाग की प्रमुख पहलों, संरचनात्मक सुधारों और उपलब्धियों के बारे में मीडिया को जानकारी दे रहे थे। जरंगल ने भारत के औद्योगिक और स्टार्टअप इकोसिस्टम की बदलाव वाली यात्रा का भी जिक्र किया और इस बात पर जोर दिया कि नीतिगत सुधार, इनोवेशन और उद्यमिता भारत की आर्थिक मजबूती और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता के मुख्य स्तंभ बनकर उभरे हैं। उन्होंने कहा कि भारत ने कई वैश्विक चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया है और साथ ही बड़े स्ट्रक्चरल रिफॉर्म किए हैं, जिन्होंने निवेशकों का भरोसा बढ़ाया है और औद्योगिक विकास को गति दी है। उन्होंने बताया कि भारत अब देश में इस्तेमाल होने वाले 99.2 प्रतिशत मोबाइल फोन का निर्माण खुद करता है, जबकि फार्मा सेक्टर ने 191 बल्क ड्रग्स के घरेलू उत्पादन के माध्यम से आयात पर निर्भरता को काफी कम किया है, जिसमें ढछक-समर्थित उत्पादन निर्यात में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

मस्क बनेंगे दुनिया के पहले खरबपति! स्पेसएक्स आईपीओ पर टिकीं सभी की नजर

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

एलन मस्क पहले से ही दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति हैं। अब, स्पेसएक्स का आने वाला आईपीओ उन्हें एक ऐसे मुकाम के करीब पहुंचा सकता है जिसे आज तक किसी ने हासिल नहीं किया है झ यानी 1 ट्रिलियन डॉलर नेटवर्थ। स्पेसएक्स, जिसे आधिकारिक तौर पर स्पेस एक्सप्लोरेशन टेक्नोलॉजीज कॉर्प के नाम से जाना जाता है, जो इतिहास के सबसे बड़े आईपीओ के जरिए 75 बिलियन डॉलर जुटा रही है। कंपनी ने ऑफर प्राइस 135 डॉलर प्रति शेयर तय किया है, जिससे रॉकेट और सैटेलाइट बनाने वाली इस दिग्गज कंपनी की वैल्यूएशन लगभग 1.77 ट्रिलियन डॉलर हो जाएगी। उम्मीद है कि आईपीओ की कीमत 11 जून को तय होगी और एक दिन बाद नैस्डैक पर इसकी ट्रेडिंग शुरू हो जाएगी। हिसाब-किताब बताता है कि लिस्टिंग के कुछ समय बाद ही वह इस मुकाम को पार कर सकते हैं। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के अनुसार, मस्क की मौजूदा नेटवर्थ लगभग 716 बिलियन डॉलर आंकी गई है, जिसमें स्पेसएक्स में उनकी हिस्सेदारी का मूल्य लगभग 542 बिलियन डॉलर है। स्पेसएक्स के आईपीओ दस्तावेजों से पता चलता है कि मस्क इस ऑफरिंग में कोई शेयर नहीं बेच रहे हैं और लिस्टिंग के बाद भी कंपनी पर उनका कंट्रोल बना रहेगा। रेगुलेटरी फाइलिंग से संकेत मिलता है कि वह शेयरों की एक खास क्लास के जरिए लगभग 82.4 फीसदी वोटिंग पावर अपने पास बनाए रखेंगे। 1.77 ट्रिलियन डॉलर की प्रस्तावित आईपीओ वैल्यूएशन पर, स्पेसएक्स में मस्क की हिस्सेदारी की वैल्यू तेजी से बढ़ेगी। दुनिया का पहला ट्रिलियनेयर बनने का मस्क का रास्ता काफी हद तक स्पेसएक्स की लिस्टिंग की सफलता पर निर्भर करता है। सीएनएन के अनुसार, मस्क के पास पहले से ही लगभग 273 बिलियन डॉलर वैल्यू के टेस्ला स्टॉक और ऑप्शन हैं। अगर स्पेसएक्स अपनी टारगेटेड 1.77 ट्रिलियन डॉलर वैल्यूएशन पर लिस्ट होती है, तो कंपनी में उनकी हिस्सेदारी की वैल्यू लगभग 841 बिलियन डॉलर हो सकती है, क्योंकि बिजनेस का लगभग आधा हिस्सा उनके पास है।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान पर बरसाए बम, 11 मासूम बच्चों समेत 13 की मौत

हमले के बाद भड़का तालिबान

हिंदमाता नेटवर्क @ इस्लामाबाद

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमावर्ती विवाद ने एक बार फिर हिंसक रूप ले लिया है। पाकिस्तानी सेना द्वारा अफगानिस्तान की सीमा के भीतर घुसकर किए गए हवाई हमलों ने पूरे क्षेत्र में कोहराम मचा दिया है। मंगलवार की देर रात हुई इस सैन्य कार्रवाई में भारी जनहानि की खबर है, जिसमें मासूम बच्चों और आम नागरिकों को निशाना बनाया गया है।

तालिबान प्रशासन की कड़ी प्रतिक्रिया

अफगानिस्तान के अंतरिम प्रशासन ने इस हमले पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। अफगान प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने एक आधिकारिक बयान जारी कर पाकिस्तान की इस हरकत की कड़ी निंदा की है।

रिहायशी इलाकों पर अंधाधुंध बमबारी

मिली जानकारी के अनुसार, पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों ने अफगानिस्तान की संप्रभुता का उल्लंघन करते हुए तीन प्रमुख सीमावर्ती प्रांतों कुनार, खोस्त और पक्तिका को अपना निशाना बनाया। ये हमले रणनीतिक सैन्य ठिकानों के बजाय उन रिहायशी इलाकों में किए गए जहां आम नागरिक रहते हैं। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, आसमान से बरसे बमों ने कई घरों को मलबे के ढेर में तब्दील कर दिया, जिससे सोते हुए लोग अपनी जान बचाने का मौका भी नहीं पा सके।

11 मासूम बच्चों की दर्दनाक मौत

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इस हवाई हमले में कुल 13 लोगों की मौत हुई है, जिनमें से 11 छोटे बच्चे थे। इसके अलावा मृतकों में महिलाएं और बुजुर्ग भी शामिल हैं। हमले का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इस घटना में 14 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें नजदीकी चिकित्सा केंद्रों में भर्ती कराया गया है। घायलों में से कई की हालत चिंताजनक बनी हुई है, जिससे मरने वालों का आंकड़ा बढ़ने की आशंका है।

रूस हो यूएस, इजराइल हो या ईरान शांति के मामले में इन सब देशों से अच्छी है भारत की रैंकिंग

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

अमेरिका, रूस, इजराइल और पाकिस्तान जैसे देशों की तुलना में भारत अधिक शांतिपूर्ण है। यह खुलासा दुनिया के सबसे शांतिपूर्ण देशों को लेकर जारी नई रिपोर्ट में हुआ है। शांतिपूर्ण देशों के सर्वे में भारत का स्कोर 2.409 रहा है। रैंकिंग के अनुसार भारत 127वें स्थान पर है। आइसलैंड दुनिया का सबसे शांतिपूर्ण देश है, जिसका स्कोर 1161 है। आइसलैंड लगातार 19 वर्षों से दुनिया का सबसे शांतिपूर्ण देश बना हुआ है। इंस्टीट्यूट फॉर इकोनॉमिक्स एंड पीस की रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया में इन दिनों अशांति बढ़ रही है। अमेरिका और रूस जैसे बड़े देश युद्धों और संघर्षों में उलझे हुए हैं। शांतिपूर्ण देशों की सूची में रूस सबसे निचले स्थान पर है।

पाकिस्तान और अमेरिका भी भारत से पीछे

शांतिपूर्ण देशों की सूची में अमेरिका 134वें स्थान पर है और उसका स्कोर 2535 है। वहीं, वेनेजुएला 133वें स्थान पर है। ईरान इस सूची में 144वें स्थान पर है। इस साल दोनों देशों के खिलाफ अमेरिका ने युद्ध लड़ा है। 2025 में अमेरिका 130वें स्थान पर था। उसकी रैंकिंग में गिरावट का एक प्रमुख कारण विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संघर्षों में उसकी बढ़ती सैन्य भागीदारी मानी जा रही है।

कतर सबसे शांत मुस्लिम देश

शांतिपूर्ण देशों की सूची में कतर सबसे आगे है। कतर का स्थान 31वां है। कुवैत 49वें नंबर पर तो ओमान 60वें नंबर पर है। खाड़ी युद्ध के कारण इन देशों की रैंकिंग पर भी असर हुआ है। शांतिपूर्ण देशों की सूची में इजराइल की रैंकिंग में सुधार दर्ज की गई है।

टेक्सटाइल सेक्टर पर भारत का बड़ा ऐलान, पीएलआई स्कीम से डाली जाएगी जान

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

सरकार ने बुधवार को बताया कि टेक्सटाइल के लिए प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव स्कीम के तीसरे राउंड के तहत कुल 12,822.67 करोड़ रुपए के निवेश के वादे के साथ 96 कंपनियों को चुना गया है। टेक्सटाइल मिनिस्ट्री ने कहा कि टेक्सटाइल के लिए पीएलआई स्कीम के तीसरे राउंड के तहत हुई हालिया बैठक में 22 नए आवेदकों को मंजूरी दी गई है। नई मंजूरी पाने वाली 22 कंपनियों से कुल 2,339.14 करोड़ रुपए का निवेश आने, नोटिफाइड प्रोडक्ट्स से 15,561.34 करोड़ रुपए का अनुमानित टर्नओवर होने और टेक्सटाइल वैल्यू चेन में 36,217 रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है। इस कदम से चीन, वियतनाम और बांग्लादेश जैसे देशों को कड़ी टक्कर मिल सकती है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि स्कीम के तीसरे राउंड के तहत कुल 96 कंपनियों को चुना गया है, जिनका कुल निवेश का वादा 12,822.67 करोड़ रुपए है और अनुमानित टर्नओवर 58,294.18 करोड़ रुपए है। मंजूरी पाने वाले आवेदक पीएलआई स्कीम के मुख्य फोकस सेगमेंट में मैन-मेड फाइबर अपैरल, एमएमएफ फैब्रिक्स और टेक्निकल टेक्सटाइल्स जैसे शामिल हैं। इससे वैल्यू-एडेड टेक्सटाइल मैन्युफैक्चरिंग के ग्लोबल हब के तौर पर भारत की स्थिति और मजबूत होगी। बयान में कहा गया कि पीएलआई स्कीम के तहत इन कंपनियों का जुड़ना टेक्सटाइल सेक्टर के उभरते हुए सेगमेंट में निवेश को बढ़ावा देने की सरकार की कोशिशों पर इंडस्ट्री की लगातार प्रतिक्रिया को दिखाता है। प्रस्तावित निवेश और प्रोडक्शन क्षमता से आत्मनिर्भर भारत के विजन के अनुरूप एक मजबूत और ग्लोबल लेवल पर कॉम्पिटिटिव टेक्सटाइल इकोसिस्टम के विकास में मदद मिलने की उम्मीद है। टेक्सटाइल के लिए पीएलआई स्कीम को 24 सितंबर, 2021 को नोटिफाई किया गया था। इसका मकसद देश में एमएमएफ अपैरल और फैब्रिक्स तथा टेक्निकल टेक्सटाइल प्रोडक्ट्स के प्रोडक्शन को बढ़ावा देना था, ताकि इंडस्ट्री बड़े पैमाने पर काम कर सके, कॉम्पिटिटिव बन सके, लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा कर सके और एक टिकाऊ एंटरप्राइज बनाने में मदद कर सके।

होर्मुज में तनाव के बीच यमन के पास समुद्र में गोलीबारी

क्या हूतियों ने कर दिया अटैक?

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच अब यमन के आसपास के समुद्री इलाके भी एक बार फिर सुर्खियों में आ गए हैं। होर्मुज स्ट्रेट में ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते सैन्य टकराव के बीच अदन की खाड़ी में एक कार्गो शिप पर हमला करने की कोशिश की गई। इस दौरान जहाज की सुरक्षा टीम और हथियारबंद लोगों के बीच गोलीबारी भी हुई। ब्रिटेन की समुद्री सुरक्षा निगरानी एजेंसी यूनाइटेड किंगडम मेरिटाइम ट्रेड ऑपरेशंस ने बताया कि यह घटना बुधवार तड़के यमन के बलहाफ तट से करीब 88 समुद्री मील दक्षिण-पश्चिम में हुई। एजेंसी के मुताबिक, एक छोटी नाव में सवार छह हथियारबंद लोग एक कार्गो शिप के करीब पहुंचे और संदिग्ध गतिविधियां शुरू कर दीं। रिपोर्ट के मुताबिक, जब हथियारबंद लोग जहाज के नजदीक पहुंचे तो जहाज पर मौजूद सशस्त्र सुरक्षा कर्मियों ने उन्हें रोकने की कोशिश की। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच कुछ देर तक गोलीबारी हुई। जवाबी कार्रवाई के बाद हमलावर पीछे हट गए और वहां से लौट गए। इस घटना में किसी बड़े नुकसान या हताहत होने की जानकारी नहीं दी गई है।

किसी संगठन ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली!

अभी तक किसी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन घटना ऐसे समय हुई है जब यमन के हूती विद्रोहियों ने हाल ही में लाल सागर में इजरायल से जुड़े जहाजों को निशाना बनाने की चेतावनी दी थी। इसी वजह से इस हमले को लेकर हूती लड़ाकों की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। यमन में ईरान समर्थित हूती समूह पिछले कई वर्षों से लाल सागर और बाब-अल-मंदेब स्ट्रेट के आसपास सक्रिय रहा है।

पाक सेना के खिलाफ पीओके में उबाल!

'जालिमों जवाब दो, खून का हिसाब दो' के नारों से गूंजी वादी

हिंदमाता नेटवर्क @ इस्लामाबाद

पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर (पीओके) आसिम मुनीर की सेना की बर्बरता को लेकर एक बार फिर चर्चा में है। पिछले कुछ समय से यहां लगातार राजनीतिक अस्थिरता, विरोध प्रदर्शनों और सुरक्षा संबंधी घटनाएं हो रही हैं। क्षेत्र के कई हिस्सों में पाकिस्तान सरकार के खिलाफ लोगों का असंतोष खुलकर सामने आया है, जहां महंगाई, बेरोजगारी, बिजली संकट और प्रशासनिक नीतियों के खिलाफ लगातार प्रदर्शन हो रहे हैं। पाकिस्तानी सेना की बर्बरता के बावजूद पीओके के लोग बिना डरे अपनी आवाज उठा रहे हैं। पीओके के पुंछ जिले की थोरार सब-डिवीजन से सामने आए ताजा वीडियो में प्रदर्शनकारी स्थानीय प्रशासन और अधिकारियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते नजर आए। यह प्रदर्शन जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी के बैनर तले आयोजित किया गया। प्रदर्शन के दौरान लोगों ने 'जालिमों जवाब दो, खून का हिसाब दो' और 'जब तक जनता तंग रहेगी, जंग रहेगी, जंग रहेगी' जैसे नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों ने क्षेत्र की मौजूदा स्थिति को लेकर नाराजगी जताते हुए जवाबदेही और न्याय की मांग की। लोगों का कहना था कि उनकी समस्याओं और शिकायतों पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। हाल के महीनों में पीओके के विभिन्न इलाकों में ऐसे कई विरोध प्रदर्शन और जन आंदोलन देखने को मिले हैं। थोरार में हुआ यह ताजा प्रदर्शन भी उसी सिलसिले की एक और कड़ी माना जा रहा है, जिसमें स्थानीय लोग अपने अधिकारों और समस्याओं को लेकर आवाज उठा रहे हैं। पीओके में हालात तब बिगड़े, जब पाकिस्तानी सेना ने आर्थिक सुधारों की मांग कर रहे शांतिपूर्ण संगठन जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी को निशाना बनाया और उसे आतंकवाद विरोधी कानूनों के तहत प्रतिबंधित कर दिया। जॉइंट अवामी एक्शन कमेटीके कार्यकारी सदस्य शहजैब हबीब की हत्या के बाद हालात बिगड़ गए और पूरे क्षेत्र में व्यापक विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। इस जन आक्रोश को दबाने के लिए पाकिस्तानी फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने जनरल डायर की तरह पीओके में जलियांवाला बाग की बर्बरता दोहरा दी। एक खुफिया डोजियर में 5 जून से 9 जून के बीच पाकिस्तानी सुरक्षा बलों द्वारा कथित तौर पर की गई व्यवस्थित हिंसा का विवरण सामने आया है। रिपोर्ट के अनुसार, बारमंग ब्रिज पर हुई गोलीबारी वह घटना थी, जिसने पूरे क्षेत्र में फैले विरोध और संकट को जन्म दिया। पाकिस्तानी रेंजर्स और पुलिस ने शांति पूर्ण विरोध प्रदर्शन कर रहे लोगों पर गोलियां बरसानी शुरू कर दीं, जिनमें 27 लोगों की मौत हो गई और 70 से ज्यादा घायल हो गए। मरने वालों में बच्चे और गर्भवती महिलाएं भी शामिल हैं। आधिकारिक तौर पर मृतकों की संख्या 11 बताई गई है, लेकिन डोजियर में दावा किया गया है कि हिंसा में 19 बच्चों और सात गर्भवती महिलाओं समेत कहीं अधिक लोग मारे गए। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान ने पीओके में हालात को नियंत्रित करने के लिए 14,000 अतिरिक्त सैनिक तैनात किए हैं। डोजियर में यह भी आरोप लगाया गया है कि क्षेत्र में इंटरनेट और कम्युनिकेशन नेटवर्क सस्पेंड कर दिया गया है।

ओंटारियो में भारतीय मूल के कॉन्स्टेबल तरुण बाली की मौत, ड्यूटी के दौरान हुआ हादसा

हिंदमाता नेटवर्क @ येरुशलम

कनाडा में ओंटारियो प्रोविंशियल पुलिस के साथ काम करने वाले भारतीय मूल के एक पुलिस अधिकारी की मंगलवार को ओंटारियो प्रांत में ड्यूटी के वक्त मौत हो गई। कनाडाई मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, यह घटना तब हुई, जब अधिकारी एक 18 साल के युवक को पकड़ने की कोशिश कर रहे थे। यह युवक कथित तौर पर उस अस्पताल से भाग गया था, जहां कनाडा के मेंटल हेल्थ एक्ट के तहत उसकी जांच चल रही थी। कॉन्स्टेबल तरुण बाली उत्तरी ओंटारियो के एक दूर-दराज के इलाके हर्स्ट के पास एक जांच में मदद करते वक्त मारे गए। उनकी उम्र 29 साल थी और वे ओपीपी के डफरिन डिटेचमेंट में ढाई साल से काम कर रहे थे। ओपीपी कमिश्नर थॉमस कैरिक के मुताबिक, अस्पताल से भागे मरीज से जुड़े ऑपरेशन के दौरान बाली को एक गाड़ी ने टक्कर मार दी। यह घटना दोपहर करीब 12.30 बजे सडबरी शहर से करीब 600 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में केंडल कंसेशन रोड 7 और कंसेशन रोड 6 के पास हुई।

अंबानी का ये रोबोट देगा चीन को मात, 953 करोड़ से ऐसे बनेगी बात

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

रोबोटिक्स के मैदान में अब भारत चीन को टक्कर देने की तैयारी कर रही है। इसके लिए एशिया के सबसे अमीर कारोबारी मुकेश अंबानी सामने आ गए हैं। वास्तव में मुकेश अंबानी के सपोर्ट चल रही भारतीय स्टार्ट अपएडवर्ब टेक्नोलॉजीज लिमिटेड। 100 मिलियन डॉलर से ज्यादा फंड जुटाने की कोशिश कर रही है, ताकि देश में रोबोट बनाने वाली टॉप कंपनी के तौर पर अपनी जगह पक्की कर सके। अपएडवर्ब के सीईओ संगीत कुमार ने बताया कि कंपनी के रोबोट लॉजिस्टिक्स फर्म वेयरहाउस और इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों में सॉर्टिंग, सामान लाने-ले जाने और दूसरे काम करते हैं। अमेरिका, नीदरलैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसे बाजारों में विस्तार करने के बाद कंपनी अब और ज्यादा कैपिटल जुटाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप नई टेक्नोलॉजी में निवेश कर रहा है क्योंकि वह ह्यूमनॉइड रोबोट जैसे सेक्टर्स में ग्रोथ की उम्मीद कर रहा है और कुछ सालों में स्टॉक मार्केट में लिस्ट होने की तैयारी कर रहा है। इस स्टार्टअप को चीन, जापान और अमेरिका जैसे देशों की बहुत बड़ी कंपनियों से टक्कर मिल रही है, फिर भी कुमार को भरोसा है कि तेजी से बढ़ रही इस इंडस्ट्री में एक भारतीय कंपनी के लिए भी जगह है। अरबपति मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड। का साथ मिलने के बाद, अपएडवर्ब ने कई भारतीय कंपनियों को अपना कस्टमर बनाया है और अब वह और आगे बढ़ने की सोच रही है। 46 साल के कुमार ने नई दिल्ली के बाहरी इलाके में अपएडवर्ब की दो फैक्टरियों में से एक में इंटरव्यू के दौरान कहा कि हम अगले 5 सालों में टॉप 10 और अगले 10 सालों में टॉप 5 में आना चाहते हैं। कंपनी का अनुमान है कि रेवेन्यू के हिसाब से रोबोटिक्स मार्केट शेयर में वह अभी ग्लोबल टॉप 30 से ठीक बाहर है। यह फंड जुटाने की कोशिश 2021 के बाद अपएडवर्ब की पहली बड़ी कोशिश है, जब उसने रिलायंस से 132 मिलियन डॉलर जुटाए थे।

हिंदमाता एंकर आईआरजीसी ने दावा किया है कि उन्होंने जॉर्डन में स्थित अमेरिका के अल अजराक एयर बेस पर भी चार महत्वपूर्ण ठिकानों को निशाना बनाया है

महायुद्ध शुरू! अमेरिकी नेवी बेस पर ईरान का बड़ा हमला, एमक्यू-9 ड्रोन तबाह; जॉर्डन में भी बमबारी

हिंदमाता नेटवर्क @ तेहरान

मिडल ईस्ट में एक बार फिर युद्ध के नगाड़े बजने लगे हैं। अमेरिका और ईरान के बीच जारी पुराना तनाव अब एक पूर्ण सैन्य संघर्ष में बदल चुका है, जिससे लंबे समय से चल रही सीजफायर की चचाएं अब पूरी तरह खत्म होती नजर आ रही हैं। हाल ही में हुए हमलों में ईरानी सेना ने न केवल अमेरिकी नौसेना के ठिकानों को निशाना बनाया है, बल्कि अमेरिकी वायुसेना के अत्याधुनिक ड्रोन और जॉर्डन स्थित सैन्य अड्डों पर भी भीषण हमले किए हैं।

अमेरिकी नौसेना के 5वें बेड़े पर ड्रोन हमला

आईआरजीसी ने आधिकारिक बयान जारी कर बताया है कि उन्होंने अमेरिकी नौसेना के 5वें बेड़े पर बड़ा हमला किया है। आईआरजीसी के अनुसार, बहरीन स्थित अमेरिकी मुख्यालय को ड्रोन के जरिए निशाना बनाया गया। यह हमला बुधवार तड़के करीब 2:30 बजे किया गया। ईरान ने इसे अमेरिका द्वारा की जा रही गतिविधियों का करारा जवाब बताया है। इस हमले के बाद बहरीन सरकार ने अपने नागरिकों के लिए हाई अलर्ट जारी करते हुए उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचने की सलाह दी है।

जॉर्डन और होर्मुज में भारी तबाही

ईरानी सेना की कार्रवाई केवल बहरीन तक सीमित नहीं रही। आईआरजीसी ने दावा किया है कि उन्होंने जॉर्डन में स्थित अमेरिका के अल अजराक एयर बेस पर भी चार महत्वपूर्ण ठिकानों को निशाना बनाया है। इन हमलों में विशेष रूप से एफ-35 लड़ाकू विमानों के शेल्टर और अमेरिकी कमांड एंड कंट्रोल सेंटर को भारी नुकसान पहुंचने की खबर है। इसके अलावा, रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्टेट ऑफ होर्मुज के पास ईरानी बलों ने अमेरिका के एक अत्याधुनिक एमक्यू-9 ड्रोन को मार गिराया है। ईरान का दावा है कि यह ड्रोन उत्तर खाड़ी से युद्ध क्षेत्र की ओर बढ़ रहा था।

अमेरिका की सेल्फ-डिफेंस स्ट्राइक

इससे पहले, अमेरिकी केंद्रीय कमान ने जानकारी दी थी कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निर्देशों पर अमेरिकी सेना ने ईरान के खिलाफ सेल्फ-डिफेंस स्ट्राइक शुरू की थी। अमेरिका का कहना है कि यह कार्रवाई उनके सैन्य हेलीकॉप्टर अपाचे को गिराए जाने के जवाब में की गई थी। अमेरिकी वायुसेना और नौसेना के लड़ाकू विमानों ने सटीक हथियारों का इस्तेमाल करते हुए होर्मुज के पास ईरान के हवाई रक्षा सिस्टम, ग्राउंड-कंट्रोल स्टेशनों और जासूसी रडार साइटों को तबाह करने का दावा किया है।

दोनों ओर से भारी गोलाबारी

आईआरजीसी ने साफ कर दिया है कि यदि अमेरिका ने अपनी दुश्मनी भरी हरकतें बंद नहीं कीं, तो आने वाले समय में इससे भी अधिक भयानक हमले किए जाएंगे। फिलहाल युद्ध के मैदान में दोनों ओर से भारी गोलाबारी और हमले जारी हैं। अंतरराष्ट्रीय समुदाय इस स्थिति पर नजर बनाए हुए है, हालांकि इस संघर्ष में मध्यस्थ की भूमिका निभाने वाले पाकिस्तान ने फिलहाल इस ताजा तनाव पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है।

दैनिक ठाणे, गुरुवार 11 जून, 2026
हिंदमाता मिरर
पैनी नजर, पुख्ता खबर
GAME & GLAMOUR

'बंटवारा 1947' का फर्स्ट लुक आउट

आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बन रही बहुप्रतीक्षित फिल्म 'बंटवारा 1947' का मोशन पोस्टर रिलीज कर दिया गया है। इस फिल्म में सनी देओल मुख्य भूमिका में नजर आएंगे, जबकि इसका निर्देशन राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्मकार राजकुमार संतोषी ने किया है।

■ मोशन पोस्टर में विभाजन के दौर की पीड़ा, संघर्ष, साहस और मानवीय भावनाओं की झलक दिखाई गई है। फिल्म की कहानी ऐसे नायक के इर्द-गिर्द बुनी गई है, जिसने नफरत और भय के माहौल में भी साहस और मानवता का रास्ता चुना। फिल्म में सनी देओल के अलावा शबाना आजमी, प्रीति जिंटा, करण देओल, अली फजल, अभिमन्यु सिंह, खुशी हजारे और कनिका कपूर भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

■ 'बंटवारा 1947' राजकुमार संतोषी और सनी देओल की चर्चित जोड़ी को करीब 30 साल बाद फिर साथ ला रही है। इससे पहले दोनों ने 'घायल', 'दामिनी' और 'घातक' जैसी सफल और यादगार फिल्मों में साथ काम किया था। फिल्म का संगीत ए.आर. रहमान ने तैयार किया है, जबकि गीत जावेद अख्तर ने लिखे हैं। फिल्म के निमार्ता आमिर खान और अपर्णा पुरोहित हैं। आमिर खान प्रोडक्शंस के अनुसार, 'बंटवारा 1947' देश के विभाजन की स्मृति से जुड़े अवसर पर 14 अगस्त 2026 को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी। मोशन पोस्टर के जारी होने के बाद फिल्म को लेकर दर्शकों में उत्साह और बढ़ गया है।

हुमा का खौफनाक अंदाज

अभिनेत्री हुमा कुरैशी अपनी नई फिल्म 'बेबी डू डाई डू' के साथ दर्शकों को चौंकाने के लिए तैयार हैं। हाल ही में इस फिल्म का टीजर रिलीज किया गया है, जिसमें हुमा का बेहद खतरनाक और अनोखा अंदाज देखने को मिला। टीजर देखने के बाद फैंस फिल्म को लेकर काफी उत्सुक हैं। जानें कब रिलीज होगी फिल्म?

मरी हुई महिला की आवाज

टीजर में एक महिला की आवाज सुनाई देती है, जो मरी हुई है, वह कहती है कि मेरी बहन एक किलर है। वह बोल-सुन नहीं सकती, लेकिन वह मेरी आवाज सुन सकती है क्योंकि मैं पहले ही मर चुकी हूं। बेबी कर मर कर, डू डाई डू... उसके छाते से बचके रहना।

क्या है फिल्म की कहानी?

यह कहानी मुंबई शहर की है, जहां पिछले 25 दिनों में तीन हत्याएं हो चुकी हैं। पुलिस और मीडिया को कातिल का कोई सुराग नहीं मिल रहा है। असल में यह कातिल एक महिला है, जो न तो बोल सकती है और न ही सुन सकती है। यह किरदार हुमा कुरैशी ने निभाया है।

भाई-बहन की पहली फिल्म

यह फिल्म हुमा कुरैशी और उनके भाई साकिब सलीम के प्रोडक्शन बैनर 'सलीम सिबलिंग्स' की पहली फिल्म है। साकिब सलीम ने इसे प्रोड्यूस किया है। इस फिल्म का निर्देशन नचिकेत सामंत ने किया है। 'बेबी डू डाई डू' 3 जुलाई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सितंबर से शुरू होगी बिग बॉस 20 की शूटिंग, इस बार भी सलमान खान होस्ट करेंगे शो

बिग बॉस लवर्स का इंतजार बस खत्म होने को है, जल्द ही सबका फेवरेट शो टीवी पर वापिस आने वाला है। आपको बता दें बिग बॉस का 20वें सीजन की शूटिंग जल्द ही शुरू होने वाली है। इसी के साथ जो सलमान के दीवाने हैं, उनके लिए अच्छी खबर यह है कि इस बार भी वही शो को होस्ट करेंगे।

इस बार सीजन होगा बेहद खास

आपको बता दें शो के निर्माता जल्द ही ऑडिशन शुरू करने वाले हैं और इस बार खास बात यह है कि कुछ पुराने और जाने-माने प्रतियोगी भी दोबारा घर में दस्तक देंगे। खबरों के मुताबिक बहुत ही तेजी से इस शो की तैयारियां शुरू होने वाली हैं। 21 सितम्बर से इस शो के शूटिंग की शुरुआत होगी। बिग बॉस में प्रतियोगी को देखने से ज्यादा लोग सलमान खान को देखने और सुनने के काफी उत्सुक रहते हैं। ऐसा इस वजह से क्योंकि वीकेंड का वार में सलमान हर किसी को उनके काम के हिसाब से डांटते हैं और समझाते हैं। कुछ लोग तो सलमान खान को ही शो की असली जान कहते हैं।

आलिया भट्ट को बनाया किलर एजेंट

बॉलीवुड के सबसे बड़े स्पाई फ्रेंचाइजी 'RF स्पाई यूनिवर्स' में एक नया और बेहद खतरनाक अध्याय जुड़ने जा रहा है। यशराज फिल्म्स की पहली फीमेल लीड स्पाई थ्रिलर फिल्म 'अल्फा' का धमाकेदार टीजर आखिरकार रिलीज हो गया है। टीजर में आलिया भट्ट का अब तक का सबसे खूंखार और एक्शन से भरपूर अवतार देखने को मिल रहा है।

■ टीजर की शुरुआत एक बेहद शांत और खूबसूरत पिता-बेटी की डेट से होती है। लेकिन यह 'स्वीट मोमेंट' पलक झपकते ही एक डार्क टोन में बदल जाता है। आलिया भट्ट को उनके पिता और मेंटर बाबा (बॉबी देओल) 18वें जन्मदिन की बधाई देते हैं। लेकिन इस बधाई के साथ ही वह आलिया के हाथ में एक कमरे की चाबी और उनका पहला सीक्रेट मिशन सौंप देते हैं। आलिया पहले थोड़ा निराश होती हैं क्योंकि उसे लगता है कि उसके पिता ने उसके जन्मदिन के लिए एक शानदार डिनर प्लान किया था। लेकिन बॉबी देओल उन्हें याद दिलाते हैं कि उसने अपनी पूरी जिंदगी इसी पल और इसी ट्रेनिंग के लिए बिताई है।

■ टीजर इसके बाद सीधे हाई-स्पीड गियर में आ जाता है। फ्लैशबैक दृश्यों के जरिए दिखाया गया है कि कैसे बॉबी देओल आलिया को बचपन से ही एक घातक सैनिक बनाने के लिए क्रूर ट्रेनिंग देते हैं। टीजर में वह आलिया की बांह पर 'अल्फा' संगठन का लोगो भी टैटू करते नजर आते हैं। यह वही स्पाई संगठन है जिसे भारत के 'नेक्स्ट-जेन सोल्जर्स' तैयार करने के लिए एक गुप्त प्रोग्राम के तहत बनाया गया है। टीजर के अंत तक आलिया भट्ट फुल-ऑन एक्शन मोड में आकर दुश्मनों की धज्जियां उड़ाती दिखती हैं और उनकी इस कामयाबी पर उनके पिता के चेहरे पर एक गर्व की चमक दिखाई देती है।

■ 'अल्फा' का कनेक्शन सीधे 2025 में आई रितिक रोशन की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'वॉर 2' से है। 'वॉर 2' के पोस्ट-क्रेडिट सीन में दर्शकों को बॉबी देओल के किरदार की एक झलक दिखाई गई थी, जहां वह एक छोटी बच्ची को ट्रेन कर रहे थे। 'अल्फा' का टीजर ठीक उसी टाइमलाइन को आगे बढ़ाता है, जहां वह छोटी बच्ची अब 18 साल की हो चुकी है और मैदान में उतरने के लिए तैयार है। हालांकि टीजर में फिल्म की दूसरी लीड एक्ट्रेस शरवरी के किरदार पर सस्पेंस रखा गया है। फिल्म की पटकथा को बॉलीवुड के मशहूर लेखक श्रीधर राघवन और सौमिल शुक्ला ने लिखा है। फिल्म का निर्देशन 'द रेलवे मेन' फेम शिव रवैल ने किया है।

हार्दिक पांड्या अफगानिस्तान वनडे सीरीज से बाहर

अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच जीतने के बाद भारतीय टीम अब तीन मैचों की वनडे सीरीज 13 जून से खेलने वाली है। वनडे सीरीज से पहले टीम इंडिया को एक और बड़ा झटका लगा है। विराट कोहली के बाद अब हार्दिक पांड्या भी इस सीरीज से बाहर हो गए हैं। ये सीरीज 2027 वनडे वर्ल्ड कप की तैयारी की शुरूआत है। बता दें कि 2027 का वर्ल्ड कप साउथ अफ्रीका में होगा।

हार्दिक पांड्या अफगानिस्तान वनडे सीरीज से बाहर

हार्दिक अब जांघ की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण वनडे सीरीज से बाहर है। उन्हें एक हफ्ते की ड्रिल और फिटनेस असेसमेंट के बाद बीसीसीआई के बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) से क्लीयरेंस मिल गया था, लेकिन नई दिक्कत के कारण उन्हें सीरीज से हटना पड़ा। वह 2 जून से सीओई में ट्रेनिंग कर रहे थे। बता दें कि आईपीएल 2026 में हार्दिक पीठ में ऐंठन की समस्या की वजह से कई मैच नहीं खेल पाए थे। वह इसी चोट से उबरने के बाद खेलने की मंजूरी लेने सीओई गए थे।

टीम इंडिया की बढ़ी परेशानी

हार्दिक की चोट से टीम इंडिया की परेशानी बढ़ गई है। टीम पहले से ही विराट कोहली के वनडे सीरीज के लिए उपलब्ध नहीं होने से परेशान थी। किंग कोहली को क्द्धछ 2026 फाइनल में गुजरात टाइटंस के खिलाफ बैटिंग करते हुए हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी।। वहीं, रोहित शर्मा की फिटनेस पर भी सवाल हैं। बता दें कि क्द्धछ के 19वें सीजन में रोहित भी फिटनेस से जूझते नजर आए थे। कोहली की जगह यशस्वी जायसवाल को टीम में शामिल किया गया है, लेकिन इउउकने अभी तक हार्दिक पांड्या की चोट की पुष्टि नहीं की है और न ही उनके रिप्लेसमेंट का एलान किया है।

अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज का शेड्यूल:

पहला मैच: 13 जून शनिवार, धर्मशाला **दूसरा मैच:** 17 जून, लखनऊ **तीसरा मैच:** 20 जून, चेन्नई में

अफगानिस्तान के खिलाफ भारत की अपडेटेड वनडे टीम

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, ईशान किशन, नितीश रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बरार, हर्ष दुबे।

मां बनने के बाद कमबैक की तैयारी में कैटरीना

बॉलीवुड एक्ट्रेस कैटरीना कैफ पिछले काफी समय से पर्दे से दूर हैं। मां बनने के बाद से लाइमलाइट से दूर चल रहीं कैटरीना अब एक्टिंग की दुनिया में वापसी करने का मन बना चुकी हैं। हालांकि, इस बार उनका यह कमबैक सिल्वर स्क्रीन पर न होकर, डिजिटल यानी ओटीटी की दुनिया में हो सकता है। खबरों के अनुसार कैटरीना कैफ अपने करियर की नई पारी के लिए बड़े बजट के स्ट्रीमिंग प्रोजेक्ट्स पर नजरें गड़ाए हुए हैं। कैटरीना कैफ और विक्की कौशल ने 7 नवंबर, 2025 को अपने बेटे विहान कौशल का दुनिया में स्वागत किया था। पैरेंटहुड के इस खूबसूरत दौर का आनंद लेने के लिए कैटरीना ने फिल्मों से दूरी बना ली थी और वे पूरी तरह से एक 'हैंड्स-ऑन मदर' की भूमिका निभा रही थीं।

■ विक्की कौशल ने भी कई इंटरव्यू में कैटरीना को उनके मातृत्व के सफर के लिए एक 'वॉरियर' कहकर सराहा था। अब, जब विहान थोड़ा बड़ा हो रहा है, कैटरीना ने अपनी वर्क-लाइफ को री-बैलेंस करना शुरू कर दिया है। कैटरीना कैफ ने नए प्रोजेक्ट्स के लिए स्क्रिप्ट्स पढ़ना शुरू कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, कैटरीना मां बनने के बाद अपनी जिंदगी के इस नए फेज को बहुत एन्जॉय कर रही हैं, लेकिन साथ ही वे एक दमदार स्क्रिप्ट की तलाश में भी हैं। कैटरीना किसी भी प्रोजेक्ट को साइन करने की जल्दबाजी में नहीं हैं। वे 2027 के सेकेंड हॉफ तक सेट पर लौटने का प्लान कर रही हैं, और इसके लिए वे ओटीटी स्पेस को बेहद गंभीरता से एक्सप्लोर कर रही हैं।

■ 'वेलकम', 'जिंदगी ना मिलेगी दोबारा' और 'एक था टाइगर' जैसी ब्लॉकबस्टर कमर्शियल फिल्में देने वाली कैटरीना के लिए ओटीटी पर डेब्यू करना एक मास्टरस्ट्रोक साबित हो सकता है। इसके मुख्य रूप से तीन कारण माने जा रहे हैं। पहला लॉन्ग-फॉर्मेट (वेब सीरीज) में अभिनेताओं को अपने किरदार की परतों को खोलने का ज्यादा समय मिलता है, जो 2 घंटे की कमर्शियल फिल्म में मुमकिन नहीं होता। फिल्मों की तुलना में ओटीटी सीरीज के शूटिंग शेड्यूल काफी व्यवस्थित होते हैं, जिससे कैटरीना कतरिना को अपने बेटे विहान की परवरिश के लिए भी पर्याप्त समय मिल सकेगा। साल 2024 में आई फिल्म 'मेरी क्रिसमस' में विजय सेतुपति के साथ कैटरीना की संजीदा एक्टिंग को काफी पसंद किया गया था।

अजय देवगन ने शेयर किया 'धमाल 4' का फर्स्ट लुक

बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन ने अपनी आगामी कॉमेडी फिल्म 'धमाल 4' का पहला कैरेक्टर पोस्टर सोशल मीडिया पर शेयर किया है। पोस्टर को देखकर साफ है कि फिल्म में पहले की तरह ही जबरदस्त कॉमेडी, हंगामा और रोमांच देखने को मिलेगा।

'धमाल 4' के कई पोस्टर किए शेयर

धमाल 4 का निर्देशन एक बार फिर इंद्र कुमार करेंगे। पोस्टर शेयर करते हुए अजय देवगन ने लिखा कि इन दोनों का एक ही लक्ष्य है, सोना हासिल करना। इन पोस्टर में रितेश देशमुख, अरशद वारसी, संजय मिश्रा और जावेद जाफरी की झलक दिखाई गई है।

कब रिलीज होगी 'धमाल 4'

मीडिया रिपोट्र्स के अनुसार, यह फिल्म पहले 17 जुलाई को रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इसे एक हफ्ते पहले 10 जुलाई को रिलीज किया जा सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि 10 जुलाई का स्लॉट खाली है। हालांकि, मेकर्स की तरफ से इस नई तारीख की आधिकारिक घोषणा होना अभी बाकी है। 'धमाल 4' का निर्देशन एक बार फिर इंद्र कुमार कर रहे हैं, जिन्होंने 'धमाल' सीरीज की पिछली सभी फिल्में बनाई हैं। इस फिल्म को टी-सीरीज और देवगन फिल्म्स मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं। इस फिल्म में अजय देवगन के अलावा रितेश देशमुख, अरशद वारसी, संजय मिश्रा और जावेद जाफरी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

वनडे विश्व कप जीतने के बाद बढ़ा भरोसा: जेमिमा

भारत की स्टार बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स का मानना है कि पिछले वर्ष महिला वनडे विश्व कप जीतने के बाद भारतीय टीम का आत्मविश्वास काफी बढ़ा है और इसी वजह से आगामी महिला टी20 विश्व कप में भारत खिताब जीतने का प्रबल दावेदार है। महिला टी20 विश्व कप 12 जून से इंग्लैंड में शुरू हो रहा है। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरूआत रविवार को बर्मिंघम में पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से करेगी। पिछली बार 2024 में संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित विश्व कप के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराकर न्यूजीलैंड चैंपियन बना था।

ग्रुप चरण में कठिन है डगर

भारत को ग्रुप-ए में ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, पाकिस्तान, बांग्लादेश और नीदरलैंड्स के साथ रखा गया है। इस ग्रुप से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। जेमिमा ने भारत में इस टूर्नामेंट के आधिकारिक प्रसारक जियोस्टार के कार्यक्रम में कहा कि हर कोई वनडे विश्व कप जीत की सफलता का हिस्सा था। सभी जानते हैं कि दबाव कैसा होता है और हर कोई यह भी जानता है कि हमने एक बार यह कर दिखाया है और दोबारा भी कर सकते हैं। सभी में यह भरोसा है। एक बार खिताब जीतने के बाद टीम की भूख और बढ़ जाती है तथा अब लक्ष्य सिर्फ एक नहीं, बल्कि कई ट्रॉफियां जीतना है। हम जहां भी जाते हैं, हमारे प्रशंसक हमारा भरपूर समर्थन करते हैं और खिलाड़ियों को हमेशा घर जैसा माहौल मिलता है। इसी वजह से मुझे पूरा विश्वास है कि भारत इस विश्व कप का मजबूत दावेदार है। इससे हमारा विश्वास और मजबूत हुआ है कि हम इसे दोबारा भी हासिल कर सकते हैं। 2025 विश्व कप जीतने वाली टीम के इतने सारे सदस्यों का इस टीम में होना बहुत अच्छा है। साथ ही कुछ युवा खिलाड़ी भी शामिल हुए हैं। मुझे लगता है कि यह सकारात्मक ऊर्जा उन पर भी असर डालेगी। हर कोई अपने अनुभव साझा करेगा।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक नरेश पी. बजाज द्वारा बैरक नंबर 887/27 सेक्शन 18, उल्हासनगर -421 003, जिला ठाणे से प्रकाशित व सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, आमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट, सोनवाला क्रॉस रोड -2, जवाहरनगर के पास, फाटक पुल, गोरेगांव, मुंबई -63, (महाराष्ट्र) से मुद्रित।
दूरध्वनि: 0251- 3238100, **कार्यकारी संपादक:** पंजू बजाज (पी. आर. बी. एक्ट के तहत कंटेट चयन के लिए जिम्मेदार) न्याय क्षेत्र ठाणे जिला। **hindmatamirror1@gmail.com** RNI. NO. MAHHIN/2011/43060 **स्थानीय संपादक:** शिवप्रताप